राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 कश्मीर छोड़ो, अब तो तालिबान भी भारत का समर्थन........... | वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गिरिजा व्यास का निधन, राजनीतिक जगत में.... 12

वर्ष : 15 | अंक : 353 | नई दिल्ली, शनिवार, 03 मई, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम
अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार
सोना 80,405
चांदी 1,1000
सेंसेक्स 80,220
निफ्टी 24,472

तकनीक और परंपरा को साथ लेकर चलना जरूरी: डॉ. जयशंकर

● वेव्स सम्मेलन में विदेश मंत्री ने उभरती तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग पर दिया बल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर कहा कि दुनिया भविष्य की ओर बढ़ रही है

और इसके साथ आने वाले परिणामों को समझना आवश्यक है। हर तकनीकी प्रगति अपनी चुनौतियाँ लेकर आती है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी इससे अलग नहीं है।

उन्होंने मुंबई में आयोजित वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट शिखर सम्मेलन (वेव्स) के वैश्विक मीडिया संवाद सत्र में तकनीकी नवाचारों और उनके सामाजिक प्रभावों को लेकर अपना दृष्टिकोण रखा। विदेश मंत्री ने उभरती तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पूर्वाग्रह को कम करना, कंटेंट

को लोकतांत्रिक बनाना और तकनीकी नैतिकता को प्राथमिकता देना आज के समय की अहम जरूरतें हैं।

तकनीक और परंपरा को साथ लेकर चलना जरूरी है। तकनीक खासकर युवा पीढ़ी में हमारी विशाल विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ा सकती है। नवाचार, विकसित भारत के निर्माण में बड़ी छलांग का आधार है। वैश्विक कार्यस्थल और कार्यबल के लिए सोच, नीति और व्यवहार में बदलाव आवश्यक है। युवा प्रतिभाओं को रचनात्मक संचार, खेल और सहयोग के युग के लिए तैयार करना जरूरी है, जिसमें कौशल का प्रसार अहम होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि वेव्स मंच वैश्विक मीडिया, मनोरंजन और रचनात्मक क्षेत्रों के प्रमुख मुद्दों पर सार्थक संवाद के लिए एक प्रभावशाली मंच साबित होगा। डा. जयशंकर ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए संवाद के इस दौर को उपयोगी और रचनात्मक बनाने की उम्मीद जताई। उन्होंने प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह मंच आने वाले वर्षों में तकनीकी दिशा और दृष्टिकोण को नया मार्ग देगा।

संक्षिप्त खबरें

विदेश मंत्रालय ने भुवनेश्वर में नेपाली छात्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित कलिंग इंस्टीट्यूट आफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) विश्वविद्यालय में अध्ययनरत एक नेपाली छात्रा के आकस्मिक निधन पर शोक एवं परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक बयान में कहा, हम केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के एक नेपाली छात्रा के दुखद निधन से बहुत दुखी हैं। हम इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। इस दुखद घटना के बारे में पता चलने के बाद विदेश मंत्रालय ओडिशा राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क में है। ओडिशा राज्य सरकार छात्रा के परिवार को पूरा सहयोग दे रही है। वर्तमान में ओडिशा पुलिस द्वारा गहन जांच की जा रही है। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों की सुरक्षा, सुरक्षा और कल्याण को बहुत गंभीरता से लेती है। हम इस मामले में वास्तविक समय संचार और समन्वय सुनिश्चित करने के लिए नेपाली अधिकारियों, ओडिशा राज्य सरकार के साथ-साथ केआईआईटी प्रबंधन के साथ निकट संपर्क में हैं। गौरतलब है कि गुरुवार रात को केआईआईटी संस्थान के एक छात्रावास में एक और नेपाली छात्रा मृत पाई गई। मृतका 20 वर्षीय युवती नेपाल के बीरगंज की रहने वाली थी और इंजीनियरिंग की प्रथम वर्ष की छात्रा थी।

विझिनजाम बंदरगाह का मोदी ने किया उद्घाटन, मंच पर दिखे थरूर, प्रधानमंत्री बोले: इस कार्यक्रम से कई लोगों की उड़ेगी नींद

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के तिरुवनंतपुरम में 8,900 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित ह्वविझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्टह्ल राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। विझिनजाम बंदरगाह का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ह्लएक तरफ विशाल समुद्र है, जिसमें अनेक अवसर हैं और दूसरी तरफ प्रकृति की सुंदरता है, इन दोनों के बीच यह ह्वविझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी वाला बहुउद्देशीय बंदरगाहह्ल है, जो नए युग के विकास का प्रतीक है। इस बंदरगाह का निर्माण 8,800 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और निकट भविष्य में इसके ट्रांसशिपमेंट हब की क्षमता तीन गुनी हो जाएगी। इसे बड़े मालवाहक जहाजों

को समायोजित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करता है। अब तक, भारत की 75% ट्रांसशिपमेंट गतिविधियां विदेशी बंदरगाहों पर संचालित की जाती थीं, जिसके परिणामस्वरूप देश को राजस्व का बड़ा नुकसान होता था। हालांकि, यह बदलने वाला है। पहले विदेशों में खर्च किए जाने वाले धन को अब घरेलू विकास में लगाया जाएगा, जिससे विझिनजाम और केरल के लोगों के लिए नए आर्थिक अवसर पैदा होंगे, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि देश की संपत्ति सीधे अपने नागरिकों को लाभान्वित करे। पीएम मोदी ने आगे कहा कि गुलामी से पहले हमारे भारत ने हजारों वर्ष की समृद्धि देखी है। एक समय वैश्विक जीडीपी में मेजर शेयर भारत का हुआ करता था। उसमें केरल का बड़ा योगदान था। उस समय भारत को अन्य देशों से अलग करने वाली बात थी, इसकी प्रभावशाली समुद्री क्षमताएं और इसके बंदरगाह शहरों में संपन्न आर्थिक गतिविधियां। केरल ने इस सफलता में विशेष भूमिका निभाई। भारत सरकार ने, राज्य सरकार के सहयोग से सागरमाला परियोजना के तहत पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया है। पोर्ट कनेक्टिविटी को भी बढ़ाया है। पीएम-गतिशक्ति के तहत जलमार्गों, रेलवे, राजमार्गों और वायुमार्गों की अंतर-कनेक्टिविटी को तेज गति से बेहतर बनाया जा रहा है। बंदरगाह अर्थव्यवस्था की पूरी क्षमता का एहसास तब होता है, जब बुनियादी ढांचे के विकास और व्यापार करने में आसानी को प्राथमिकता दी जाती है और बढ़ावा दिया जाता है। पिछले एक दशक में, यह दृष्टिकोण सरकार की बंदरगाह और जलमार्ग नीतियों की आधारशिला रहा है। औद्योगिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने और राज्य के समग्र विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। वहीं आज भगवान आदि शंकराचार्य जी की जयंती है। तीन वर्ष पूर्व सितंबर में मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। केरल से निकलकर देश के अलग-अलग कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया। इस पुनीत अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने राज्य सरकार के साथ मिलकर सागरमाला परियोजना के तहत बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण किया है और बंदरगाहों की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, पीएम-गतिशक्ति पहल के तहत जलमार्ग, रेलवे, राजमार्ग और वायुमार्गों की अंतसंर्बंधता बढ़ाने के प्रयास तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। व्यापार करने में आसानी के लिए किए गए सुधारों से बंदरगाहों और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में अधिक निवेश हुआ है। भारत सरकार ने देश के नाविकों के लाभ के लिए महत्वपूर्ण सुधार लागू किए हैं, जिसके अच्छे परिणाम सामने आए हैं। 2014 में भारत में नाविकों की संख्या 1.25 लाख से भी कम थी। हालाँकि, अब यह संख्या बढ़कर लगभग 3.25 लाख हो गई है। परिणामस्वरूप, भारत वर्तमान में दुनिया भर में सबसे अधिक नाविकों वाले शीर्ष तीन देशों में शुमार है। एक दशक की कड़ी मेहनत और दूरदर्शी योजना ने भारत की उल्लेखनीय सफलता में योगदान दिया है। पिछले 10 वर्षों में, हमने अपने बंदरगाहों की क्षमता को दोगुना कर दिया है और अपने जलमार्गों का आठ गुना विस्तार किया है। आज, हमारे दो बंदरगाह दुनिया के शीर्ष 30 बंदरगाहों में शुमार हैं। इसके अतिरिक्त, लॉजिस्टिक्स परफॉरमेंस इंडेक्स पर हमारी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत अब गर्व से वैश्विक जहाज निर्माण में शीर्ष 20 देशों में शामिल है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि बुनियादी ढांचे का निर्माण सीधे व्यापार को बढ़ाने में योगदान देता है और आम नागरिक की बुनियादी जरूरतों को पूरा करता है यही सच्चे विकास का सार है। पिछले दशक में, बंदरगाह विकास से परे बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिसमें राजमार्गों, रेलवे और हवाई अड्डों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कोल्लम बाईपास और अलपुझा बाईपास जैसी लंबे समय से लंबित परियोजनाएं, जो वर्षों से देरी का सामना कर रही थीं, भारत सरकार के तहत सफलतापूर्वक पूरी हुई। इसके अतिरिक्त, केरल में आधुनिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू की गई हैं, जो क्षेत्र की कनेक्टिविटी और आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल गांधी को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी किए हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गांधी परिवार सहित अन्य आरोपियों से यह बताने को कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान क्यों न लिया जाए। पिछले सप्ताह विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने ईडी की अभियोजन शिकायत पर तत्काल नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए कहा था कि एजेंसी को आवश्यक दस्तावेज पेश करने और खामियों को दूर करने की जरूरत है। जब अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया कि आरोपियों को सुने बिना भी चार्जशीट पर संज्ञान लिया जा सकता है, तो न्यायाधीश ने कहा, ह्लजब तक संतुष्ट नहीं हो जाता, तब तक मैं ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकता।ह्व इसके बाद अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 2 मई तय की थी। ईडी ने हाल ही में नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अभियोजन शिकायत दाखिल की है। चार्जशीट में कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य नाम भी शामिल हैं। आरोप है कि कांग्रेस नेतृत्व ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों का दुरुपयोग करते हुए सार्वजनिक ट्रस्ट की संपत्ति को निजी स्वार्थ के लिए इस्तेमाल किया। नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और अन्य कांग्रेस नेताओं ने की थी। इसका उद्देश्य कांग्रेस के उदारवादी विचारों को आवाज देना था। एजेएल द्वारा प्रकाशित यह अखबार आजादी की लड़ाई और उसके बाद के वर्षों में कांग्रेस के लिए अपनी बात लोगों तक पहुंचाने का एक अहम माध्यम था। इसके साथ ही एजेएल हिंदी और उर्दू में भी अखबार प्रकाशित करता था। साल 2008 में करीब 90 करोड़ रुपए के कर्ज के चलते इसका प्रकाशन बंद हो गया। यह मामला 2012 में सामने आया, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्रायल कोर्ट में शिकायत दाखिल कर कांग्रेस नेताओं पर धोखाधड़ी और विश्वासघात का आरोप लगाया। स्वामी के अनुसार, यंग इंडियन लिमिटेड ने एजेएल की संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया और उसे निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया। इसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी हिस्सेदार हैं। ईडी की जांच में सामने आया कि गांधी परिवार द्वारा लाभान्वित यंग इंडियन ने केवल 50 लाख रुपए में एजेएल की 2,000 करोड़ रुपए की संपत्तियां हासिल कीं, जबकि उनकी बाजार कीमत कहीं अधिक थी। नवंबर 2023 में ईडी ने करीब 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां और 90.2 करोड़ रुपए के एजेएल शेयरों को जब्त किया, जिन्हें कथित तौर पर अपराध की आय माना गया है।

पाकिस्तान भेजे जाने वाले याचिकाकर्ता परिवार के दस्तावेजों का सत्यापन करें प्राधिकारी: न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को प्राधिकारियों से कहा कि वे कथित तौर पर वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी यहां रह रहे एक परिवार के छह सदस्यों के खिलाफ पाकिस्तान वापस भेजने जैसी कोई दंडात्मक कार्रवाई तब तक न करें जब तक उनके पहचान पत्रों के सत्यापन पर आदेश नहीं आ जाता। इस परिवार के सदस्य कश्मीर के निवासी हैं और उनका बेटा बेंगलुरु में काम करता है। पहलगाम में आतंकवादी हमले के मद्देनजर उन्हें पाकिस्तान भेजा जा सकता है। पहलगाम में हुए हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि यह मामला मानवीय पहलू से जुड़ा है। उसने परिवार को यह छूट दी कि दस्तावेज सत्यापन के आदेश से असंतुष्ट होने पर वह जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। न्यायालय ने अहमद तारिक बट और उनके परिवार के पांच अन्य सदस्यों की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। परिवार ने दावा किया है कि उनके पास वैध भारतीय दस्तावेज होने के बावजूद उन्हें हिरासत में लिया गया और पाकिस्तान भेजने के लिए वाघा सीमा पर ले जाया गया। पीठ ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद केंद्र ने 25 अप्रैल की अधिसूचना में आदेश में उल्लेखित लोगों को छोड़कर शेष पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया है तथा उन्हें वापस भेजने के लिए एक विशिष्ट समयसीमा भी दी है।

पहलगाम ही नहीं आतंकियों के निशाने पर थे अरू और बेताब घाटी भी

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जांच जारी है। इसी बीच खबरें आ रही हैं कि बैसरन के अलावा आतंकवादियों के निशाने पर घाटी के कई और स्थान भी थे। आतंकियों ने 22 अप्रैल की तारीख चुनने के पीछे भी खास वजह थी। फिलहाल इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि आतंकियों के निशाने पर पहलगाम के तीन स्थान थे, जिनमें अरू घाटी और बेताब घाटी शामिल है, लेकिन अन्य दो स्थानों पर कड़ी सुरक्षा होने से बैसरन का चुनाव किया। रिपोर्ट से पता चला है कि आतंकियों ने हमले से पहले इलाके कई दिनों तक रैकी की थी। इसके अलावा आतंकवादी नियमित रूप से बैसरन घाटी में सैलानियों पर नजर रख रहे थे। सूत्रों ने कहा कि आतंकवादियों ने स्पॉट पर भीड़ होने के समय की जानकारी भी जुटाई थी। आतंकवादियों को पहले 18 अप्रैल को हमला करने के निर्देश मिले थे। वहीं पाकिस्तान लगातार नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है और जम्मू कश्मीर के तीन सीमावर्ती जिलों के कई सेक्टर में बिना उकसावे के गोलीबारी की, वहीं भारतीय सेना ने इस कार्रवाई का माकूल जवाब भी दिया। अधिकारियों ने गुरुवार को जानकारी दी।

सैन्य प्रतिष्ठानों की वैबसाइट हैक करने की पाकिस्तान की कोशिश लगातार विफल

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम हमले के बाद भारत की घेराबंदी से हताश पाकिस्तान भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों की वैबसाइटों को हैक करने की निरंतर कोशिश कर रहा है लेकिन भारत की साइबर सुरक्षा एजेन्सयां इन कोशिशों को निरंतर विफल कर रही हैं। सुरक्षा सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि भारत द्वारा निरंतर उठाये जा रहे कदमों से बौखलाए पाकिस्तान प्रायोजित हैकर समूह ,साइबर ग्रुप एचओएएक्स1337 और नेशनल साइबर क्रू भारतीय वैबसाइटों पर निरंतर साइबर हमले कर रहे हैं। इन समूहों ने गुरूवार को भी कुछ वेबसाइटों में सेंध लगाने के असफल प्रयास किए। साइबर सुरक्षा एजेंसियों ने इन हैकिंग प्रयासों का तुरंत पता लगाकर उन्हें निष्प्रभावी कर दिया। उकसावेबाजी की ताजा घटना में आर्मी पब्लिक स्कूल नगरोटा और सुंजवान की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले संदेशों के साथ उन्हें विकृत करने का प्रयास किया गया। एक अन्य घटना में भूतपूर्व सैनिकों की स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी वेबसाइट को विकृत कर दिया गया जो पाकिस्तान की बढ़ती हताशा का संकेत है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान से संचालित हैकर्स बच्चों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य निर्दोष लोगों से जुड़ी वेबसाइटों पर हमला करने के बार-बार प्रयास कर रहे हैं।

अंगोला के राष्ट्रपति आधिकारिक राजकीय यात्रा पर पहुंचे नई दिल्ली, राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे। यह 38 वर्षों में अंगोला के किसी राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक राजकीय यात्रा है। चार दिवसीय इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देना है। हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति लौरेंको का विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख व्यापारिक घरानों के प्रतिनिधि शामिल हैं। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स को लिखा, ह्लअंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको का राजकीय दौरे पर नई दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है। राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है, जिसमें कई मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापारिक घराने शामिल हैं। आगमन पर राष्ट्रपति का विशेष स्वागत किया गया और राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर स्वागत संदेश साझा करते हुए कहा, ह्लभारत की राजकीय यात्रा पर आए अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। यह महत्वपूर्ण यात्रा भारत और अंगोला के बीच राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह 1986 के बाद से अंगोला के किसी राष्ट्रपति की पहली भारत यात्रा है। राष्ट्रपति लौरेंको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। 3 मई को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में उनका औपचारिक स्वागत किया जाएगा, उसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू के साथ द्विपक्षीय वार्ता होगी। वह प्रधानमंत्री मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की चर्चा भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ह्लयात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापनों और समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

भवन सांस्कृतिक केंद्र | **उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2019-20 में 98.4 प्रतिशत कारखानों ने ठेका श्रमिकों को रोजगार दिया**

बुजुर्ग अतीत की कड़ी और भविष्य के मार्गदर्शक होते हैं : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुजुर्गों को अतीत की कड़ी और भविष्य का मार्गदर्शक बताते हुए कहा है कि सभी को उनके मार्गदर्शन को महत्व देकर उनके बहुमूल्य सानिध्य का आनंद लेना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए पहल-ह्वसम्मान के साथ वृद्धावस्थाह्ल नामक कार्यक्रम में भाग लिया। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल का शुभारंभ, वरिष्ठ नागरिक के लिए आवासों का वर्चुअल उद्घाटन, सहायक उपकरणों का वितरण और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारी संगठन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आमतौर पर परिवारों में देखा जाता है कि बच्चे अपने दादा-दादी के साथ बहुत सहज होते हैं। बुजुर्ग परिवार के लिए भावनात्मक स्तंभ की तरह काम करते हैं। जब बुजुर्ग अपने परिवार को फलते-फूलते देखते हैं तो वे भी शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रतिस्पर्धात्मक और भागदौड़ भरी जिंदगी में वरिष्ठ नागरिकों का सहयोग, प्रेरणा और मार्गदर्शन युवा पीढ़ी के लिए बेहद जरूरी है। वरिष्ठ नागरिकों के पास जो अनुभव और ज्ञान है, वह युवा पीढ़ी को जटिल चुनौतियों का सामना करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि वृद्धावस्था आध्यात्मिक रूप से खुद को सशक्त बनाने, अपने जीवन और कार्यों का विश्लेषण करने तथा सार्थक जीवन जीने का भी एक चरण है। आध्यात्मिक रूप से सशक्त वरिष्ठ नागरिक देश और समाज को अधिक समृद्धि तथा प्रगति की ओर ले जा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा , ह्लबुजुर्ग अतीत की कड़ी होते हैं और भविष्य के मार्गदर्शक भी होते हैं। एक राष्ट्र के रूप में यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम सुनिश्चित करें कि हमारे वरिष्ठ नागरिक अपना बुढ़ापा गरिमा और सक्रियता के साथ जिएं।ह्व उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सरकार विभिन्न पहलों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सशक्त बना रही है ताकि वे जीवन के सभी पहलुओं में सक्रिय रूप से भाग ले सकें। उन्होंने सभी नागरिकों से बुजुर्गों की खुशी और भलाई के लिए खुद को प्रतिबद्ध करने, उनके मार्गदर्शन को महत्व देने और उनकी बहुमूल्य संगति का आनंद लेने का आग्रह किया।

संक्षिप्त समाचार

जू रोड पर शराब पीकर हुड़दंग करने पर तीन का चालान

नैनीताल, एजेंसी। जू रोड पर देर रात पर्यटकों ने नशे में जमकर हुड़दंग किया। पुलिस ने नशे में हंगामा करने के आरोप में तीन लोगों का चालान कर दिया है। सोमवार देर रात पुलिस जू रोड पर गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिस को कुछ लोगों के हुड़दंग करने की सूचना मिली। पुलिस ने मौके पर जाकर देखा तो वहां तीन पर्यटक शराब पीकर हंगामा कर रहे थे। पुलिस ने पर्यटकों से शांत रहने को कहा तो वे नहीं माने। पुलिस तीनों को तल्लीताल थाने ले गई। मेडिकल के बाद रातभर पर्यटकों को थाने में रखा गया। एसओ रमेश बोरा ने बताया कि गाजीपुर निवासी सृजित कुमार, नीतीश कुमार मणि और आजमगढ़ निवासी बांकेलाल के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई है।

जागेश्वर धाम में लाइट लगाने की कवायद तेज

जागेश्वर, एजेंसी। जागेश्वर धाम में मास्टर प्लान के तहत चल रहे लाइट से संबंधित कार्यों को अंतिम रूप देने की तैयारी तेज चल रही हैं। इसके तहत मंदिर में लाइटिंग और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा हैं। वहीं धाम के प्रवेश द्वार का कार्य जल्द शुरू करने की कवायद भी तेज हो गयी है। मंगलवार को आईएनआई कंसल्टेंट के ध्रुव त्रिवेदी, अभिनव गुप्ता समेत वन क्षेत्राधिकारी आशुतोष जोशी, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने स्थलीय निरीक्षण किया। यहां निरीक्षण के दौरान पीडब्लूडी सहायक अभियंता प्रदीप बिष्ट, सहायक अभियंता हेमंत पाठक, एक्शन प्रीति पंत, जेई हरीश टोलिया, जेई हर्षिता आदि मौजूद रहे।

संविधान का अपमान कर रही है कांग्रेस -शिव सिंह

बागेश्वर, एजेंसी। पीएमजीएसआई अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष शिव सिंह बिष्ट ने आरोप लगाया कि कांग्रेस संविधान का अपमान कर रही है। इससे पहले भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष प्रभा गड़िया ने बिष्ट का स्वागत किया। इसके बाद हुई पत्रकार वार्ता में बिष्ट ने कांग्रेस की संविधान बचाओ यात्रा पर प्रहार किए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान खतरे डाला है। वर्ष 1949 कांग्रेस सरकार ने अनुच्छेद- 370 को लागू कर जम्मू कश्मीर में मुख्य धारा से अलग कर दिया और देश में दो निशान दो संविधान और दो प्रधान प्रदान किया। 1951 में अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को खत्म किया मीडिया की आवाजों को राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाया। 25 जून 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया। कांग्रेस लगातार संविधान का अपमान कर रही है और संविधान बचाओ अभियान चला रही है। वहां पर विधायक पार्वती दास, प्रकाश शाह, जिला महामंत्री संजय परिहार, जिला उपाध्यक्ष खड़क सिंह टंगड़िया, दयाल कांडपाल, पंकज मेहता आदि थे।

सूरी वन पंचायत में लगी आग जीआईसी चौमूधार तक पहुंची

अल्मोड़ा, एजेंसी। तापमान बढ़ने के साथ ही जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। शीतलाखेत वन क्षेत्र के सूरी वन पंचायत के जंगल में धधकी आग देखते ही देखते जीआईसी चौमूधार के समीप पहुंच गई। इससे विद्यालय में खलबली मच गई। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने कड़ी मशकत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया। सोमवार दोपहर में शीतलाखेत वन क्षेत्र के सूरी वन पंचायत जंगल में आग धधक गई। हवा के झोंके से आग तेजी से फैलने लगी। देखते ही देखते आग जीआईसी चौमूधार की तरफ बढ़ने लगी। विद्यार्थियों, स्काउट गाईडों और विद्यालय स्टाफ ने आग बुझाना शुरू किया। वहां प्रधानाचार्य प्रशांत लोहनी, पूजा जोशी, प्रकाश गिरी, आशा नयाल, सुनीता जोशी, सचिन, करन आर्य, किसन दीपांशी, भावना, करन आदि थे। प्रधानाचार्य प्रशांत लोहनी ने बताया कि विद्यालय के पास भारी मात्रा में पिरूल जमा था। आग स्कूल की तरफ बढ़ रही थीं। यदि विद्यार्थियों और स्टाफ ने आग पर काबू नहीं पाया होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। इस विद्यालय में पड्यूला, इनाड, कोटली सूरी, गडस्यारी, मटीला के 220 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं।

पूजा हत्याकांड : शातिर पर भरोसा जान पर पड़ा भारी, पहले अपनी जरूरतों के लिए किया इस्तेमाल

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। प्रेमी मुश्ताक ने पूजा की बर्बरता से हत्या कर दी। दो साल तक अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए मुश्ताक ने पूजा का इस्तेमाल किया। बाद में चुपके से घर आकर दूसरी युवती से निकाह कर लिया। जब पूजा ने इसका विरोध किया तो शातिर ने उसकी हत्या कर दी।

पूजा का एक शातिर पर भरोसा करना उसकी जिंदगी पर भारी पड़ गया। दो साल तक अपनी आर्थिक व अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए टैक्सी चालक मुश्ताक ने पूजा का इस्तेमाल किया। बाद में चुपके से घर आकर दूसरी युवती से निकाह कर लिया। जब पूजा ने इसका विरोध किया तो शातिर मुश्तार्क ने उसका गला रेतकर हत्या कर दी। ऐसा जघन्य अपराध करने में उसके हाथ कांपे तक नहीं।

प्रेम प्रसंग के बाद मुश्ताक ने पूजा का काफी फायदा उठाया। सूत्रों के मुताबिक पूजा ने उसे सितारगंज में एक प्लॉट खरीदकर दिया। इसके अलावा, वह समय-समय पर उसकी आर्थिक मदद भी करती थी। कुछ साल प्रेम प्रसंग में रहने के बाद वह शादी से मुकर गया। इस बीच, उसने निकाह भी कर लिया। पूजा ने इसका विरोध किया तो उसने रास्ते मे से हटा दिया।

ऊधमसिंह नगर जिले के के खटीमा में काली पुलिया अंडरपास से जैसे ही पूजा का शव मिला, भाई आशीष विश्वास सिर कटी लाश को देखकर फफक पड़ा। बहन के दुपट्टे को देखकर उसने शव की शिनाख्त की। रूंधे गले से आशीष ने बताया कि रक्षाबंधन पर जब बहन ने उसे राखी बांधी थी तो उसने यही दुपट्टा पहना था। उसे एक पल के लिए विश्वास ही नहीं हुआ कि जिस बहन की राखी से उसकी कलाई सजती थी, वह अब इस दुनिया में नहीं रही। उसकी इस कदर निर्मम हत्या की गई कि शव को पहचानना भी मुश्किल हो गया। साढ़े पांच महीने से दिन रात वह बहन पूजा की सलामती की दुआ मांग रहा था। बुधवार को मुश्ताक ने निर्मम हत्या की दास्तां बया की तो आशीष के पैरों तले जमीन खिसक गई।

बहन के साथ हुई हैवानियत की कल्पना करते-करते उसके रोंगटे खड़े हो गए और आंखों से दुख का सैलाब बहता चला गया। कभी वह बहन के दुपट्टे को तो कभी अपनी सूनी कलाई को देखकर रोता रहा। जब थोड़ा संभला तो बस हत्यारोपी को कोसते हुए पुलिस से उसे सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग करता। कहा कि इससे ही उसकी बहन की आत्मा को शांति मिलेगी।

सितारगंज में हरियाणा पुलिस की गिरफ्त में आए मुश्ताक अली ने बताया कि वर्ष 2022 में रुद्रपुर बस अड्डे पर उसकी पूजा से मुलाकात हुई थी। उसके बाद दोनों में जान पहचान बढ़ने लगी। कुछ समय बाद मुश्ताक भी गुरुग्राम पहुंचकर कैब चलाने लगा। इसी बीच, दोनों में प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। नवंबर 2024 में मुश्ताक ने घर लौटकर दूसरी युवती से निकाह कर लिया। इसका पता चलने पर पूजा भी सितारगंज पहुंची और उसकी मुश्ताक के साथ कहासुनी हुई। पंचायत में दोनों के बीच समझौता कराया गया। लोगों ने बताया कि हत्यारोपी मुश्ताक अली कुछ साल पहले कुटरी गांव में पंचर लगाने की दुकान चलाता था। वह सितारगंज और खटीमा दोनों जगह रहता था। इसी बीच वह किराये पर टैक्सी चलाने का काम भी करने लगा। जानकारी के अनुसार, पूजा का विवाह शक्तिफार्म में हुआ था। उसका एक बेटा और एक बेटी है। विवाह के कुछ साल बाद वह अपने पति से अलग रहने लगी। वह गुरुग्राम में अपनी छोटी बहन के साथ नौकरी करती थी। इसी दौरान उसकी मुश्ताक से जान पहचान हुई।

नहीं मिला महिला का कटा सिर, हिंदू बताकर पूजा के साथ रह रहा था मुश्ताक

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। पीछा छुड़ाने के लिए दूसरे समुदाय के युवक ने प्रेमिका की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद उसके सिर और धड़ को ठिकाने लगा दिया। पूजा को मौत के घाट उतारने के बाद हत्यारोपी मुश्ताक बाद मंगलूरू (कर्नाटक) भाग गया। वहां पंक्चर की दुकान चलाता था।

पूजा को मौत के घाट उतारने के बाद हत्यारोपी मुश्ताक बाद मंगलूरू (कर्नाटक) भाग गया। वहां पंक्चर की दुकान चलाता था। मोबाइल बंद कर लिया था। पुलिस ने घर वालों पर दबाव बनाकर उसे उत्तराखंड बुला कर गिरफ्तार किया। गुरुग्राम के सेक्टर-5 थाना के जांच अधिकारी कृष्ण ने बताया है कि नवंबर 2024 में पूजा की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज हुई थी। दूसरी शादी की सूचना मिलने पर पूजा भी उत्तराखंड के सितारगंज में मुश्ताक के घर चली गई। वहां इन दोनों के बीच झगड़ा हुआ। आरोपी के घर वालों ने दोनों को घर से निकाल दिया।

इसके बाद 15 नवंबर को मुश्ताक पूजा को लेकर अपनी बहन के घर गांव खटीमा चला गया। 16 नवंबर को घुमाने के बहाने पूजा को लेकर नदन्ना गांव में एक नाले के पास पहुंचा। वहां हत्या कर दी।

वर्ष 2022 में उत्तराखंड में पूजा की मां बीमार हुई थीं। पूजा दो-तीन बार मुश्ताक अहमद की टैक्सी में मां के इलाज के लिए ले गई थी। इसी दौरान दोनों में जान पहचान हुई थी। बाद में मुश्ताक व पूजा गुरुग्राम आ गए। यहां मुश्ताक टैक्सी चलाने लगा। दोनों दो वर्षों तक सहमति संबंध में भी रहे। अक्तूबर 2024 में दोनों के बीच झगड़ा होने पर मुश्ताक वापस उत्तराखंड आ गया। वहां जाकर उसने दूसरी शादी कर ली।

नदन्ना नहर में अंडर पास काली पुलिया के पास बुधवार को महिला के सिर कटे धड़ की बरामदगी के बाद बृहस्पतिवार को दिनभर जल पुलिस ने सर्च अभियान चलाया। लेकिन टीम को कामयाबी नहीं मिल सकी। गिरफ्तार हत्यारोपी मुश्ताक को हरियाणा पुलिस अपने साथ लेकर चली गई। इस मामले की जांच हरियाणा पुलिस कर रही है।

बनभूलपुरा की सड़क पर बनाए बाड़े-तबेलों पर गरजी जेसीबी

हल्द्वानी, एजेंसी। प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत बनभूलपुरा की लाइन नंबर 12 व 13 की मुख्य सड़क और उससे जुड़ी गलियों में किए गए अतिक्रमण को मंगलवार को जेसीबी की मदद से ढहा दिया। यहां लोगों ने सार्वजनिक सड़क पर अवैध रूप से भैंसों के बाड़े और तबेले बनाए हुए थे।

एसडीएम राहुल शाह और नगर आयुक्त ऋचा सिंह के नेतृत्व में आम लोगों को सुगम आवागमन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई। टीम जब लाइन नंबर 12 पर बकरा मीट मार्केट के नजदीक वाली गली में पहुंची तो वहां तबेला बनाया हुआ पाया। इससे गली में आवाजाही नहीं हो पा रही थी। अधिकारियों ने यहां से अतिक्रमण हटाते हुए गली को खुलवाया। टीम को लाइन नंबर 13 में भी ऐसा ही नजारा मिला। यहां भी जेसीबी की मदद से अतिक्रमण हटाया गया।

तृतीय केदार बाबा तुंगनाथ के कपाट खुले, अब छह माह यही करेंगे श्रद्धालु अपने आराध्य के दर्शन

ऊखीमठ (रुद्रप्रयाग), एजेंसी। तृतीय केदार बाबा तुंगनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। अब छह माह यही करेंगे श्रद्धालु आराध्य के दर्शन कर सकेंगे।

तृतीय केदार तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली भूतनाथ मंदिर से अपने मंदिर तुंगनाथ के लिए प्रस्थान करते हुए रात्रि प्रवास के लिए चोपता पहुंच गई था, जिसके बाद आज शुक्रवार को डोली अपने मंदिर पहुंची। यहां पर शुभ लग्न पर सुबह 10.15 बजे तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट खोल दिए गए। बृहस्पतिवार को तृतीय केदार तुंगनाथ की भूतनाथ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई।

इस मौके पर पुजारियों ने सभी धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए आराध्य का श्रृंगार कर आरती उतारी। यहां से सुबह 10 बजे भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली ने भूतनाथ मंदिर की तीन पक्रिरमा करने के बाद अपने मंदिर तुंगनाथ के लिए प्रस्थान किया। इस मौके पर भक्तों ने पुष्प-अक्षत के साथ आराध्य को लाल व पीले वस्त्र भेंट किये।

भगवान तुंगनाथ की चल विग्रह उत्सव डोली के चिलियाखोड़, पगेर, बनियाकुंड होते हुए अपने दूसरे रात्रि पड़ाव चोपता पहुंची। यहां पर भक्तों ने भगवान तुंगनाथ का फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया।

इस मौके पर पूरा चोपता क्षेत्र बाबा तुंगनाथ के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के प्रबंधक बलवीर सिंह नेगी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 7 बजे भगवान तुंगनाथ की चल उत्सव विग्रह डोली चोपता से अपने मंदिर के लिए प्रस्थान किया।

लगभग चार किमी पैदल दूरी तय कर डोली सुबह 10 बजे मंदिर में पहुंची। जहां पर सुबह 10.15 बजे तुंगनाथ मंदिर के कपाट खोल दिए गए।

अब छह माह तक बाबा तुंगनाथ के भक्त अपने आराध्य के दर्शन और पूजा इसी स्थान पर करेंगे। कपाटोद्घाटन के लिए मंदिर को फूल-मालाओं से सजाया गया।

रामनगर में बड़ा हादसा, हल्द्वानी से आ रही बस खेत में पलटी

रामनगर, एजेंसी। नैनीताल के रामनगर में बड़ा हादसा हुआ. हल्द्वानी से रामनगर आ रही एक प्राइवेट यात्री बस रामनगर के गेबुआ के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत मे पलट गई. हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई.

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, बस हल्द्वानी से सवारियां लेकर रामनगर आ रही थी. बस को हल्द्वानी निवासी चालक रजा हुसैन चला रहे थे. बस में परिचालक राकेश वर्मा निवासी काशीपुर, एक अन्य चालक नाजिम निवासी खताड़ी रामनगर समेत 7 लोग सवार थे. परिचालक राकेश वर्मा ने हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हल्द्वानी से रामनगर आते हुए बस गेबुआ के पास अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे खेत में जा गिरी.

हादसे में राकेश वर्मा, चालक रजा हुसैन और उनके साथ मौजूद एक अन्य चालक नाजिम गंभी घायल हो गए. तीनों को तत्काल रामनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां उनका उपचार चल रहा है. अन्य चार यात्रियों को भी हल्की चोटें आई हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया.

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसा अचानक हुआ. बस तेज रफ्तार में थी और मोड़ पर संतुलन बिगड़ने से पलट गई. हादसे के बाद सूचना मिलते ही रामनगर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया. दुर्घटना के अन्य कारणों की जांच भी की जा रही है.

रामनगर थाना पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह दुर्घटना बस की रफ्तार ज्यादा होने और मोड़ पर नियंत्रण खोने के कारण हुई प्रतीत हो रही है. हालांकि, पूरी स्थिति की जांच की जा रही है. बस को क्रेन की मदद से खेत से बाहर निकाला गया है. घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और सभी की स्थिति स्थिर बताई जा रही है.

40 गांवों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी लेकिन डॉक्टरों के नौ में से आठ पद खाली

अल्मोड़ा, एजेंसी। दूरस्थ विकासखंड लमगड़ा के 40 गांवों के 30 हजार लोगों के समक्ष इलाज अब तक चुनौती बना हुआ है। जैंती में सीएचसी तो खोला गया लेकिन यहां मंजूर डॉक्टरों के नौ पदों में से आठ खाली हैं। रोजाना 100 से अधिक मरीज यहां आते हैं और इलाज के लिए जिला और बेस अस्पताल सहित हल्द्वानी की दौड़ लगाते हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैंती में चिकित्सकों के स्वीकृत नौ पदों में से आठ पद रिक्त हैं। एकमात्र डॉक्टर के भरोसे अस्पताल चल रहा है। व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए दो बांडधारी चिकित्सकों की भी तैनाती की गई हैं। स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं होने से गर्भवतियों को जांच के लिए हर माह जिला मुख्यालय आना पड़ता है। इस अस्पताल पर बसगांव, भाबू बिराड़, ल्वाली, बचकांडे, ध्यूली धौनी, नया संग्रोली, बस्टा, कुंज, जैंती, कांडे, कालाडुंगरा, शिल्पड़, खाना खरकोटा, पुभाऊं आदि गांवों के स्वास्थ्य का जिम्मा है।

बदरीनाथ-केदारनाथ के लिए कल से हेलिकॉप्टर भरेगा उड़ान, 20 श्रद्धालु दो धामों के लिए होंगे रवाना

ऋषिकेश, एजेंसी। बदरीनाथ- केदारनाथ के लिए कल से हवाई सेवा शुरू होगी। मौसम ठीक रहा तो शनिवार सुबह करीब सात बजे जौलीग्रांट हेलिपैड से कुल 20 श्रद्धालु दो धामों के लिए रवाना होंगे।

शनिवार से जौलीग्रांट स्थित हेलिपैड से दो धामों के लिए एमआई 17 हेलिकॉप्टर उड़ान भरेगा। इसके लिए संबंधित कंपनी ने अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। हेलिकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच गया है।

रुद्राक्ष एविएशन का हेलिकॉप्टर शनिवार से बदरीनाथ और केदारनाथ के लिए उड़ान भरेगा। मौसम ठीक रहा तो शनिवार सुबह करीब सात बजे जौलीग्रांट हेलिपैड से कुल 20 श्रद्धालु दो धामों के लिए रवाना होंगे। दर्शन के बाद इतने की श्रद्धालु वापस आएंगे। कंपनी की एक दिन में दो फेरे लगाने की योजना है।

कंपनी श्रद्धालुओं को दो पैकेज के अंतर्गत यात्रा कराएगी। जिसमें एक ही दिन में वापसी और रात्रि विश्राम की सुविधा दी जाएगी। फिलहाल कंपनी ने बीस जून तक के लिए 80 प्रतिशत तक की बुकिंग कर ली है। रुद्राक्ष एविएशन के प्रबंधक पीके छाबरी ने बताया कि हेलिकॉप्टर शनिवार से दो धामों के लिए उड़ान भरेगा। इसके लिए कर्मचारी और हेलिकॉप्टर जौलीग्रांट पहुंच चुके हैं। हेलिपैड के चारों तरफ रस्सियों की बैरिकेंडिंग, फायर उपकरण और उड़ान से संबंधित चीजों को लगा दिया गया है।

यात्रा आरंभ हो गई, पर साढ़े तीन माह बाद भी प्रदेश सरकार बीकेटीसी को नहीं दे पाई नया अध्यक्ष

चमोली, एजेंसी। इस बार बिना अध्यक्ष के ही बीकेटीसी बदरी-केदार की यात्रा संचालित कर रही है। सात जनवरी को निवर्तमान अध्यक्ष का कार्यकाल खत्म हो चुका है, लेकिन साढ़े तीन माह बाद भी नये अध्यक्ष की ताजपोशी नहीं हो पाई।

केदारनाथ धाम के कपाट आज श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। इससे पूर्व गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही उत्तराखंड में चारधाम यात्रा का आगाज हो गया था। अब श्रीबदरीनाथ की यात्रा की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं, पर श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति को साढ़े तीन माह बाद भी प्रदेश सरकार नया अध्यक्ष नहीं दे पाई है।

निवर्तमान अध्यक्ष अजेंद्र अजय के कार्यकाल को पूरा हुये साढ़े तीन माह बीत चुके हैं। अध्यक्ष और बोर्ड की अनुपस्थिति में प्रशासक की तैनाती भी नहीं की गई है, ऐसे में यात्रा संचालन कैसे होगा, किसी के पास जवाब नहीं है।

इस वर्ष 7 जनवरी को बीकेटीसी के निवर्तमान अध्यक्ष अजेंद्र अजय का तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया था। तब, से प्रदेश सरकार बीकेटीसी के नये अध्यक्ष के लिए मंथन कर रही है, पर अभी तक किसी की ताजपोशी नहीं कर पाई है। सूत्रों की मानें तो विधायक अनिल नौटियाल, विधायक आशा नौटियाल, दायित्वधारी चंडी प्रसाद भट्ट सहित अन्य कई नामों पर चर्चा के बाद भी सहमति नहीं होने से अध्यक्ष की कुर्सी खाली पड़ी है।

अध्यक्ष और बोर्ड गठन नहीं होने से बीकेटीसी की बोर्ड बैठक तक नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि मंदिर समिति के मामलों को सीधे शासन स्तर से निस्तारित किया जा रहा है। श्रीबदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के एक्ट-1939 में सभी शक्तियां अध्यक्ष और बोर्ड को दी गई है। इन दोनों की अनुपस्थिति में कभी-कभार कमिश्नर या किसी उच्च अधिकारी को प्रशासक के रूप में नियुक्त किया जाता है। लेकिन वर्तमान में बीकेटीसी के पास न तो अध्यक्ष है और न बोर्ड। साथ ही प्रशासक भी तैनात नहीं किया गयाहहै।

ऐसे में मुख्य कार्यधिकारी ही दौड़ाभागी कर रहे हैं, जो एक्ट के हिसाब से बड़े निर्णय लेने में सक्षम नहीं है। हाल ही में बीकेटीसी के कर्मचारियों की सेवा नियमावली प्रख्यापित हुई है, जिसके बाद बाद अस्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति का अधिकार भी सीईओ के पास नहीं है। जबकि, बदरीनाथ व केदारनाथ की विकट भौगोलिक परिस्थितियों और कर्मचारियों की कमी के बीच बढ़ती यात्रा में भी सीईओ किसी अस्थायी कर्मचारी को नियुक्त नहीं कर सकता है।

स्वयं मंदिर समिति के कर्मचारी भी मान रहे हैं कि अध्यक्ष नहीं होने से कई महत्वपूर्ण कार्यों में दिक्कतें आ रही हैं। इधर, केदारनाथ विस के पूर्व विधायक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मनोज रावत का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बीकेटीसी के अध्यक्ष के रूप में किसी नायब हीरे को ढूढ़ने की कोशिश कर रही है। जो नाम, भाजपा के कार्यकर्ताओं के द्वारा बताये जा रहे हैं, वह मंदिर और मंदिर की परंपरा को कहीं से भी जानने या पालने करने वाले नहीं है।

बिना अध्यक्ष और बोर्ड के बड़े निर्णय नहीं हो सकते हैं। ऐसे में सरकार और बीकेटीसी कैसे यात्रा संचालित करेगी।

पहली ही बारिश में सबके जलमग्न हो गई, क्या दिल्ली के लोगों को 4 इंजन वाली भाजपा सरकार से यही उम्मीद थी : आतिशी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,दिल्ली की पहली ही बारिश ने भाजपा के चारों इंजनों की पोल खोल कर रख दी। भाजपा सरकार के चारों इंजन खटारा साबित हुए और मिंटो रोड, आईटीओ, धौंला कुंआ, दिल्ली एयरपोर्ट, ओल्ड राजेंद्र नगर समेत दिल्ली के तमाम इलाकों की सड़के जलमग्न हो गईं। सड़कों पर कई फीट पानी भर जाने से वहां चालकों को भारी मशक्कत का सामना करना पड़ा और लोगों को खासी परेशानी हुई। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, वरिष्ठ नेता व पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष आतिशी व जैस्मीन शाह समेत अन्य नेताओं ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हुए जलभराव की वीडियो को सोशल मीडिया एक्स पर साझा कर दिल्ली में फेल है चुकी भाजपा की चार इंजन की सरकार पर तीखा हमला बोला। आम आदमी पार्टी ने सबको पर हुए जल भराव की वीडियो व फोटो साझा करते हुए कहा कि भाजपा की विपदा सरकार में अब नाले सड़कों पर बह रहे हैं। गुरुवार की रात हुई बारिश से सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं और कई मासूम लोगों की जान भी चली गई। देश की राजधानी दिल्ली को बर्बाद करने में भारतीय जनता पार्टी की विपदा सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। आप ने पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा के मंत्रालय पीडब्ल्यूडी ऑफिस के सामने से गुजर रही सड़क की वीडियो को साझा किया, जहां भारी जलभराव हुआ था। पार्टी ने कहा कि पीडब्ल्यूडी ऑफिस के सामने से गुजर रही पूरी सड़क पानी से भरी हुई है। अब डर इस बात का लग रहा है कि अभी तो बारिश का मौसम आया भी नहीं है और अभी इतनी बुरी स्थिति है तो बारिश के मौसम में क्या ही होगा? जब समय था तब तो विपदा सरकार ने कुछ काम किया नहीं, अब जब दिल्ली डूब रही है तो मंत्री फोटो खिंचवा रहे हैं। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि पहली बारिश में 4 लोगों की मौत, एक माँ और उसके तीन बच्चों की मौत। दिल्ली की चार इंजन की सरकार की सच्चाई आज सबके सामने है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश और धूल भरी आंधी के बाद 4 की मौत, उड़ान का संचालन प्रभावित आप के वरिष्ठ नेता व पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि बीजेपी राज में दिल्ली का हाल देखिए। ट्रिपल इंजन सरकार के सारे इंजन और उनके कलपुर्जे सुबह से शाम तक, केवल अरविंद केजरीवाल जी के खिलाफ घुर्र-घुर्र करने में लगे रहते हैं और दिल्ली का ये हाल बना दिया। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने एक्स पर कहा कि बर्बादी की गारंटी भाजपा। मैं बार-बार कहता हूं कि भाजपा के सारे इंजन खटारा हो चुके हैं। दिल्ली में तीन इंजन की सरकार का हाल देखिए, पहली ही बारिश में सड़कों पर पानी भरा हुआ है। भाजपा ने बहुत कम समय में ही दिल्ली को बर्बाद करने का रिकॉर्ड बना दिया है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक वीडियो को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह दिल्ली में पहली बारिश के बाद धौला कुआं और दिल्ली एयरपोर्ट के आस-पास के इलाकों से ली गई तस्वीरें है। क्या दिल्ली के लोगों को 4 इंजन वाली भाजपा सरकार से यही उम्मीद थी? वहीं, आप के वरिष्ठ नेता जैस्मीन शाह ने सांसद संजय सिंह द्वारा एक्स पर पोस्ट की गई वीडियो को रिपोस्ट कर कहा कि पहली ही बारिश में दिल्ली की सड़कें पानी से भर गई हैं! पिछले 3 महीनों में दिल्ली में रोजमर्रा की व्यवस्था चरमरा गई है। रोजाना बिजली कटौती, पानी/सीवर की समस्या, मोहल्ला क्लीनिक और क्लस्टर बसें बंद होना और अब यह सब। भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी को ह्यअंधकारह्न की ओर धकेल दिया है। दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर हुए जलभराव से लोग परेशान मिंटो रोड, आईटीओ, करोलबाग मेट्रो स्टेशन, ओल्ड राजेंद्र नगर समेत तमाम इलाकों में जल भराव हो गया। सड़कें बृष के पानी से लबालब भर गईं। वाहनों के आवागमन में खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

खराब मौसम के चलते सौ से ज्यादा फ्लाइट्स लेट, यात्रियों को हो रही परेशानी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह 2 मई को हुई भारी बारिश के चलते इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन प्रभावित रहा है। मौसम के खराब होने से 40 से ज्यादा फ्लाइट्स जहां रद्ध कर दी गईं वहीं सौ से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से चल रही हैं। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाजरी जारी की है, ताकि उन्हें परेशानी न हो। मौसम में आए अचानक बदलाव को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए ह्यरेड अलर्टह्न जारी किया है। तूफानी हवाओं और तेज बारिश के चलते दिल्ली के अनेक हिस्सों में जलजमाव की स्थिति बन गई जबकि अनेक पेड़ उखड़ने की सूचना भी प्राप्त होने की बात कही जा रही है। दिल्ली हवाई अड्डे का संचालन कर रही कंपनी ह्यदिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) का कहना था कि खराब मौसम के चलते कुछ उड़ानें प्रभावित हुईं है। वहीं एयर इंडिया का कहना है कि प्रतिकूल मौसम के चलते उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में विमानों का आवागमन प्रभावित हुआ है। प्राप्त जानकारी अनुसार, दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी कर दी गई है। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के चलते 40 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गई जबकि 122 फ्लाइट्स देर से चल रही हैं। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे घर से निकलने से पहले ऑनलाइन फ्लाइट स्टेटस अवश्य ही चेक कर लें। ताकि आपको पता चल सके कि कहीं आपकी फ्लाइट देर से तो नहीं चल रही है या फ्लाइट कैंसिल तो नहीं कर दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

सचदेवा ने किया डीटीसी के बेड़े में 400 नई बसें जुड़ने का स्वागत

नई दिल्ली,। दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने रेखा गुप्ता सरकार की ओर से केन्द्रीय दिल्ली परिवहन निगम, डीटीसी के बेड़े में 400 नई बसें जोड़े जाने का स्वागत किया है। सचदेवा ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की अरविंद केजरीवाल सरकार ने 10 वर्ष तक डीटीसी के बस बेड़े में एक भी बस नहीं जोड़ी, जिसका नतीजा यह हुआ कि डीटीसी की सभी बसें कानूनी फिटनेस जीवन से भी दो साल अधिक की हो चुकी हैं और ईमानदारी से कहें तो इनमे लोगों को यात्रा करवाना एक मजबूरी है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार की लापरवाही के चलते दिल्ली में बसों की कमी है, लेकिन हम इस कमी को दूर करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार एक लक्ष्य लेकर काम कर रही है और हम 2026 के अंत तक दिल्ली वालों को आवश्यकतानुसार 11000 बसों का सार्वजनिक परिवहन बेड़ा देने को लेकर प्रयासरत हैं।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बरसात से मौसम खुशगवार, हवाई यातायात प्रभावित

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर में आज सुबह तेज हवा के साथ पानी बरसने से मौसम सुहावना हो गया। आंधी और तेज बारिश का सिलसिला आधी रात बाद शुरू हुआ। इस वजह से दिल्ली, सीमवर्ती गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम के लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। देश की राजधानी में कई जगह जलभराव होने से सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। दिल्ली में कई फ्लाइट का मार्ग बदला गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चार मई तक पूर्वी और मध्य भारत में गरज, बिजली, ओलावृष्टि और तेज हवा के साथ बरसात होने का पूवार्नुमान जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने इस संबंध में सेटेलाइट से प्राप्त छवि भी जारी की है। इसमें देश के कई हिस्सों में बादल छाए हुए हैं। दिल्ली के मोती बाग, लाजपत नगर, द्वारका अंडरपास, कनाट प्लेस के मिंटो रोड, धौलाकुआं आदि हिस्सों में पानी भर जाने से यातायात प्रभावित हुआ है। सुबह साढ़े छह बजे से सात बजे तक शाहदरा इलाके में श्यामलाल कालेज चौराहे जाम लगा रहा। मिंटो रोड पर भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति रही। हरियाणा के झज्जर में तेज बरसात होने से भगत सिंह चौक यातायात में रुकावट पड़ने की सूचना है। इस बीच दिल्ली में खराब मौसम के कारण एक फ्लाइट को अहमदाबाद और दो फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट किया गया है। कई अन्य फ्लाइट में देरी हुई है। दिल्ली एयरपोर्ट के सूत्रों के अनुसार, अगर ऐसा ही मौसम रहा तो और उड़ानें भी प्रभावित हो सकती है।

कई दिनों तक रहने वाला है बारिश और तूफान वाला मौसम

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर के लोगों को आने वाले कुछ दिनों तक गर्मी से राहत मिलने वाली है। भारतीय मौसम विभाग (क्टऊ) के पूवार्नुमान के अनुसार, 8 मई तक लगातार बादल, बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रह सकता है। हालांकि, इस खूबसूरत मौसम के साथ ही सतर्कता की भी आवश्यकता है क्योंकि भारी बारिश और तेज हवाओं के चलते जलभराव, पेड़ों और खंभों के गिरने जैसी घटनाएं परेशानी बढ़ा सकती हैं। इसलिए मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी कर दिया है। 3 से 8 मई तक कैसा रहेगा मौसम? 3 मई को बादलों के साथ 50 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। तापमान 25 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है और येलो अलर्ट जारी किया गया है। 4 और 5 मई को भी हल्की बारिश और गरज के साथ तेज हवाओं की संभावना है, जिनकी रफ्तार 30-40 किमी/घंटे तक हो सकती है।

अरविंदो कॉलेज में दो दिवसीय वार्षिक साहित्यिक महोत्सव सम्पन्न

साहित्यिक महोत्सव हमें भारतीयता का अहसास दिलाते हैं : प्रो. चौधरी

दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध अरविंदो कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा दो दिवसीय वार्षिक साहित्यिक महोत्सव --ओडिसी 2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया । शुक्रवार को सम्पन्न हुए इस महोत्सव का उद्घाटन वेंकटेश्वर कॉलेज में अंग्रेजी की प्रोफेसर रत्ना रमन , कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अरुण चौधरी और विभागाध्यक्ष सुश्री सुकृति सोबती के द्वारा किया गया। इस साहित्यिक महोत्सव कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालय के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । कॉलेज प्राचार्य प्रो.अरुण चौधरी ने साहित्यिक महोत्सव के अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि साहित्यिक महोत्सव के अंतर्गत होने वाली प्रतियोगिताओं में हमें भारतीयता की झलक देखने को मिलती है । इस तरह के कार्यक्रमों से छात्र अपनी भाषा , साहित्य और संस्कृति से परिचित होते हैं । उन्होंने कहा कि साहित्य ही है जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ता हैं । लेखक का कार्य समाज को अच्छा साहित्य देना है जिससे पाठकों में उसको पढ़ने की उत्सुकता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी हमारी मातृभाषा नहीं है लेकिन अंग्रेजी में जो अच्छी पुस्तकें प्रकाशित होती हैं या समाचार पत्रों में लेख आते हैं उसे पढ़ता हूँ क्योंकि विचार और सूचना भाषा से परे हैं । आधुनिक विमर्शों के सृजन में भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है । अंग्रेजी साहित्य के चहुमुखी विकास में अंग्रेजी भाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है । दो दिवसीय साहित्यिक महोत्सव आयोजन में विभिन्न अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जिसमें कहानी लेखन मेला क्विज और स्लैम पोएट्री प्रमुख रहीं। महोत्सव की एक प्रमुख विशेषता --बियॉन्ड द बाइनरी : जेंडर डिस्कोर्सेस इन लिटरेचर विषय पर आधारित अंतरमहाविद्यालयी छात्र संगोष्ठी रही , जिसमें हिंदू कॉलेज की ऋद्धि दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महोत्सव का समापन एक साहित्यिक रैम्प वॉक के साथ हुआ, जिसमें छात्र-छात्राओं ने लोकप्रिय साहित्यिक पात्रों की पोशाकें पहनीं। इसके अलावा एक अस्तित्ववादी व्यंग्य नाटक और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहीं। इस आयोजन को सफल बनाने में प्रो. मीता माथुर, डॉ. आर. के. वर्मा, डॉ. ऐभी विश्वास, श्री शिवम वर्मा, डॉ. हेमचंद्र, सुश्री प्रतिभा कुमारी और सुश्री पूजा पांडेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शिक्षाविदों को किया गया सम्मानित, वर्ल्ड एजुकेशन समिट में एआई पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्लीः दिल्ली के पार्क होटल में हुए वर्ल्ड एजुकेशन समिट 2025 में देश-विदेश से आए शिक्षाविदों ने शिक्षा के बदलते तरीकों, तकनीक के इस्तेमाल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। सम्मानित होने वालों में एसआरएम यूनिवर्सिटी झ्र एपी, जॉनसन ग्रामर स्कूल आईसीएसई और आईएससी , मल्लापुर, एडमिशनज्ञान एजुकेशन कंसल्टेंसी, इंटरनेशनल स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज फॉर विमेन, श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, राठौड़्स आईएएस एकेडमी और श्री पी. वेंकटा रमेश सहित कई प्रतिष्ठित संस्थान और शिक्षा विशेषज्ञ शामिल रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथियों के रूप में राज भूषण चौधरी (माननीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार), निलेश रोनिल कुमार (काउंसलर, फिजी हाई कमीशन) और मोहन सिंह बिष्ट (विधायक, दिल्ली विधानसभा) उपस्थित रहे। इस दौरान, राज भूषण चौधरी, माननीय राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने कहाः विकसित भारत को दुनिया की सच्चाई बनाने के लिए मोदी सरकार ने दूरदर्शिता के साथ अनेक ठोस कदम उठाए हैं। नई शिक्षा नीति और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने, महिला सशक्तिकरण, स्वच्छ भारत अभियान, जल जीवन मिशन और हर घर नल जैसी योजनाओं से देश के हर कोने में विकास की रोशनी पहुंच रही है। मोदी सरकार की सोच समावेशी है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। यही नीति भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा रही है। सम्मेलन में शिक्षकों, प्राचार्यों और शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधियों ने मिलकर इस बात पर चर्चा की कि कैसे तकनीक और खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाले समय में पढ़ाई-लिखाई के तरीकों को बदल सकता है। शिक्षाविदों ने बताया कि छात्रों को आज के समय के हिसाब से तैयार करना जरूरी है और इसके लिए शिक्षकों को भी नई तकनीकों की जानकारी होनी चाहिए। कार्यक्रम में यह भी चर्चा हुई कि किस तरह से स्कूलों और कॉलेजों में बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए नए तरीके अपनाए जा सकते हैं। साथ ही, शिक्षा में हो रहे बदलावों और नई शिक्षा नीति 2020 के असर पर भी विचार किया गया।

दिल्ली और केंद्र का विवाद खत्म, अब नहीं होगी नौकरशाहों के खिलाफ कोई कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच पिछले कुछ सालों से चल रही तनातनी आखिरकार खत्म हो गई। राजधानी की नई बीजेपी सरकार ने हाईकोर्ट को बताया कि उसने विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष कार्रवाई और पूछताछ का सामना कर रहे नौकरशाहों के खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं करने का फैसला किया है। आम आदमी पार्टी जब दिल्ली की सत्ता में थी तब उसके और अधिकारियों के बीच यह खींचतान चल रही थी। दिल्ली सरकार के खिलाफ नौकरशाह अंशु प्रकाश, शूरबीर सिंह, जे बी सिंह, जी नरेंद्र कुमार और मनीष सक्सेना ने 2018 में दायर नौ याचिकाओं का जस्टिस मनोज कुमार ओहरी ने सरकार की दलीलें सुनने के बाद निपटारा कर दिया, जिससे याचिकाएं अर्थहीन हो गईं। नौकरशाहों ने विशेषाधिकार समिति द्वारा उन्हें जारी किए गए विशेषाधिकार हनन नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें मांग की गई थी कि वे समिति के समक्ष पेश हों। इनमें से एक याचिका तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश ने दायर की थी, जिन्होंने आरोप लगाया था कि समिति द्वारा उन्हें ह्लदुर्भावनाह्न के तहत नोटिस दिया गया है। प्रकाश ने कहा था कि आप विधायकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद यह कार्रवाई की गई थी, जिन्हें नौकरशाह पर कथित रूप से हमला करने के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा था। हाईकोर्ट ने 2018 में नौकरशाहों को जरुरत के मुताबिक विधानसभा के तहत समिति(यों) की कार्यवाही में भाग लेने का निर्देश दिया था। हालांकि, यह साफ हो गया था कि यदि विशेषाधिकार समिति कोई दंडात्मक उपाय लागू करती है या उसकी सिफारिश करती है, तो उसे तब तक किसी भी तरह से लागू या प्रभावी नहीं किया जाएगा, जब तक कि याचिकाएं कोर्ट में लंबित हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस ओहरी को 28 मार्च का एक पत्र सौंपा गया था, जिसमें विधानसभा के उप सचिव ने जीएनसीटीडी के स्थायी वकील को बताया कि 9 याचिकाओं के संबंध में, सदन ने 27 मार्च को फैसला लिया था कि छठी और सातवीं विधानसभा के दौरान विशेषाधिकार समिति, याचिका और प्रश्न समिति और संदर्भ समिति को भेजे गए लंबित मामलों पर अब आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी और उनका निपटारा माना जाएगा। पत्र में यह भी कहा गया है कि याचिकाओं का कोई भी विषय विधानसभा या इसकी समितियों के समक्ष लंबित नहीं है, इसलिए इन्हें निपटाया हुआ माना जाए।

दिल्ली में बारिश के बीच मकान पर पेड़ गिरने से परिवार के चार सदस्यों की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली के द्वारका जिले में आज सुबह भारी बारिश के बीच पेड़ गिरने से एक मकान के ढहने से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 26 साल की महिला और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। सूचना मिलने पर पहुंची स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने मलबे से शवों को निकाला। यह हादसा द्वारका जिले के जाफरपुर कलां स्थित खड़खड़ी नहर गांव में हुआ। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, तेज हवा चलने से नीम का पेड़ खेत पर बने एक ट्यूबवेल के कमरे पर गिर गया। इसकी वजह से कमरा ढह गया। उसमें सो रहा पूरा परिवार मलबे में दब गया। हादसे में परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। उनमें महिला और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। पति अजय गंभीर रूप से घायल हुआ है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों की पहचान ज्योति, तीन बच्चे आर्यन, ऋषभ और प्रियांश के रूप में हुई है। दमकल विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि दमकल कंट्रोल रूम को पांच बजकर 25 मिनट पर मकान ढहने की सूचना मिली। रेस्क्यू के लिए कई टीम भेजी गईं। मलबे से पांच लोगों को निकाला गया। इन लोगों को नजदीकी आरटीआर अस्पताल जाफरपुर कलां ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार को मृत घोषित कर दिया, पांचवें का उपचार जारी है। दमकल विभाग के निदेशक गर्ग के अनुसार, सुबह करीब पांच से नौ बजे तक आंधी, तूफान, पेड़ और मकान गिरने की 98 से ज्यादा कॉल आईं। दमकल विभाग ने सभी कॉल पर टीम को मौके पर भेजा। निगम पार्षद शशि यादव कहा कि यह दुखद घटना है। इस हादसे में जहां परिवार का मुखिया घायल हो गया, मुख्यमंत्री ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिजनों को हर प्रकार की सहायता प्रदान की जाए। साथ ही, हमने अस्पताल से भी संपर्क स्थापित कर स्पष्ट निर्देश दिया है

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 400 इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च कीं

नई दिल्ली,। वायु प्रदूषण और यातायात की भीड़भाड़ से चरणबद्ध तरीके से निपटने का वादा करते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 400 इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च कीं और इस साल दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरकनेक्टर (डीईवीआई) योजना के तहत 2,080 और धूम्रपान रहित वाहन शामिल करने का वादा किया। लॉन्च कार्यक्रम में बोलते हुए, सीएम ने दिल्लीवासियों को स्वच्छ हवा देने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला, लेकिन कहा कि ई-बसें रणनीति का एक हिस्सा मात्र हैं, जिसके लिए अधिक से अधिक निजी वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हम निजी वाहन मालिकों को इन प्रदूषण मुक्त वाहनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहन देने और प्रोत्साहित करने के लिए ईवी नीति लाएंगे। नौ मीटर की ग्रीन मिनी बसों के नए बेड़े का शुभारंभ राष्ट्रीय राजधानी के सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में क्रांति लाने, प्रदूषण का मुकाबला करने और मेट्रो के उपयोगकताओं को अंतिम मील कनेक्टिविटी प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाने के लिए बजट में 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने और बस डिपो पर सुविधाओं की व्यवस्था करने का वादा किया है। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यविकसित दिल्ली के सपने को पूरा करने के लिए ट्रिपल इंजन सरकार में काम करेंगे। ट्रैफिक जाम की समस्या पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, मैं खुद इस कार्यक्रम में आते समय जाम में फंस गई थी और मैं उस निराशा को महसूस कर सकती हूं जो सड़क पर भीड़भाड़ के कारण किसी अन्य वाहन मालिक को होती है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने 25 लाख की लूट में शामिल तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच ने दिल्ली के आनंद पर्वत में चोरी के एक मामले में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी आदित्य गौतम के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच की टीमों ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों को ट्रैक किया और इसके बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से कुछ नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 30 अप्रैल को लुटेरों के एक समूह ने आनंद पर्वत स्थित एक घर में घुसकर करीब 25 लाख रुपए का सामान लूट लिया था। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के अन्य साथियों की पहचान कर रही है। इससे पहले, बीते 14 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात लुटेरों को गिरफ्तार किया था। ये आरोपी सुल्तानपुरी इलाके में हाल ही में हुई एक सनसनीखेज लूट और हत्या के प्रयास के मामले में वांछित थे। मुठभेड़ के दौरान आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की थी, जिसमें दो पुलिसकर्मियों को गोली लगी। हालांकि, बुलेटप्रूफ जैकेट के कारण पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिससे दोनों आरोपी घायल हो गए और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, 10 अप्रैल को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो कुख्यात स्नैचरों को गिरफ्तार किया था। दोनों स्नैचरों की पहचान गोलू उर्फ भोलू और अरुण उर्फ छोटा लुंगी के रूप में हुई, जो दिल्ली के मंगोलपुरी क्षेत्र के रहने वाले हैं। इन दोनों स्नैचरों पर दिल्ली के विभिन्न जिलों में स्नैचिंग, डकैती और मोटरसाइकिल चोरी के करीब 25 मामलों में शामिल होने का आरोप है। स्नैचरों के पास से चोरी की 2 मोटरसाइकिल और 8 मोबाइल फोन बरामद किए गए थे। साथ ही, 16 मार्च को क्राइम ब्रांच ने मोती नगर में दर्ज एक लूट और अपहरण के मामले में वांछित अपराधी जीत पाल उर्फ मोंटी को गिरफ्तार किया था। 33 वर्षीय जीत पाल को अदालत ने 1 जून 2024 को अपराधी घोषित किया था। वह चार साल से फरार था।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / यात्री सेवा, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली द्वारा पार्किंग लॉटस / साइट्स के आवंटन हेतु ई–नीलामी, IREPS पोर्टल (https://ireps.gov.in/) पर ई–बोली निम्नलिखित प्रकार से आमंत्रित की जाती हैः–

ई–कैटलॉग संख्या (E-Catalogue No.)	ई–नीलामी की तिथि एवं समय	रेलवे स्टेशन / स्थान / पार्किंग लॉट
Parking-15-2025	दिनांक 19.05.2025 को 11:00 बजे	पानीपत (कार), साहिबाबाद, सांपला (द्वितीय प्रवेश), सांपला (मुख्य प्रवेश), पानीपत (प्रथम प्रवेश) (साइकिल–स्कूटर), टोहाना = कुल 6 साइटें
वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है		https://ireps.gov.in/

ई–नीलामी में भाग लेने के लिए ठेकेदारों के लिए पूर्वापेक्षाएँ

आईआरईपीएस के माध्यम से आयोजित ई–नीलामी में भाग लेने हेतु निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करना अनिवार्य हैः

1. इच्छुक बोलीदाताओं को आई आर पी एस (वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल) में ऑनलाइन पंजीकृत करना होगा। पहले से ही अन्य आई आर पी एस खाता रखने वाली संस्थाए भी खुद को वाणिज्यिक नीलामी मोड्यूल के लिए नामांकित करने में सक्षम होगी।
2. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान
3. भारतीय स्टेट बैंक में चालु खाता
4. आई आर पी एस खाते के साथ भारतीय स्टेट बैंक के खाते का एकीकरण
5. फण्ड का लियन मार्किंग
6. टर्नओवर का अद्यतनीकरण (updation)
7. जिन ठेकेदारों के पास आईआरपीएस के किसी भी मोड्यूल के लिए आई आर पी एस खाता नहीं है, वे आईआरपीएस होम पेज पर नए विक्रेताओं / ठेकेदारों (ई–निविदा / ई–नीलामी लीजिंग) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण हेतु अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

सम्बंधित जानकारी हेतु रेलवे प्राधिकारी: वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक / पीएस, डीआरएम कार्यालय, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली – 110055, Email: pkg.delhidivision@gmail.com, Tel: 011-23743084

संख्याः 23 AC/393/E-Auction/Pkg/2025 दिनांक: 01.05.2025 1297/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप. मु. सिग. एवं दू. सं. अभि. / नि. / पी. स. / नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निर्धारित प्रपत्र पर सील्ड ई–निविदा (द्वी पैकेट प्रणाली) निम्नलिखित कार्य के लिए IREPS की वेबसाइट पर आमंत्रित कर रहे है।

1	कार्य का नाम एवं स्थान	उत्तर रेलवे के पलवल–रूंडी खंड के बीच चौथी लाइन के कार्य के संबंध में पलवल स्टेशन पर डिस्ट्रीब्यूटेड इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ एस एंड टी कार्य (इंडोर और आउटडोर सिग्नलिंग कार्य) के साथ–साथ आसपास के स्टेशन / खंडों के साथ ब्लॉक काम।
2	पूरा होने की अवधि	एलओए जारी होने की तारीख से 12 महीने
3	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 16.82 करोड़
4	धरोहर राशि	रु. 9,91,000 / – (नौ लाख इक्यानबे हज़ार मात्र) (केवल ऑनलाइन जमा किया जाना है)
5	स्थान जहाँ से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है	उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 06.05.2025 to 27.05.2025 के बीच 11:30 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
6	निविदा फार्म जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय	उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज फार्म 27.05.2025 upto 11:30 AM तक IREPS वेबसाइट पर जमा कराये जा सकते हैं। निविदाकर्ता द्वारा निविदा दस्तावेज 13.05.2025 से 27.05.2025 तक आईआरईपीएस वेबसाइट पर अपलोड किए जा सकते हैं।
7	निविदा खुलने की तारीख एवं समय	ई–निविदा दिनांक 27.05.2025 at 11:30 बजे खोला जाएगा।

संख्याः 570–सिग–पी.स.–निविदा–136 दिनांक: 01.05.2025 1294/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं:

क) **कुल नौ (09) स्टॉल:** दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली शाहदरा, कुरूक्षेत्र, पलवल, मेरठ कैंट, पानीपत, गुड़गांव और सब्जी मंडी स्टेशनों पर।

(ख) **कुल चौंतीस (34) ट्राली:** जींद, जाखल, टोहाना, मानसा, नरवाना, बादली, बल्लभगढ़, दिल्ली किशनगंज, देवबंद, नरेला, ओखला, पालम, सकोती टांडा, शामली, टपरी, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, बागपत रोड, बड़ौत, दिल्ली सराय रोहिल्ला, फरीदाबाद न्यू टाउन, खेकड़ा, नांगलोई, खतौली, मुरादनगर, नोली, परतापुर, शकूरबस्ती, जुलाना, सांपला, दिल्ली सफदरजंग, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज और मोदीनगर स्टेशनों पर।

- कुरूक्षेत्र, पलवल, गुड़गांव, सब्जी मंडी और मेरठ कैंट स्टेशनों पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में 90 दिन होगी।
- उपरोक्त **(ख)** समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर ट्राली स्थापित करने की अवधि 30 दिन होगी।
- **NSG 1, 2, 3 और 4** स्टेशनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क **2000 रु.** की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और **NSG 5** (दिल्ली किशनगंज, देवबंद, बादली, ओखला, शामली, टपरी, जींद, जाखल, टोहाना, मानसा, नरवाना, बागपत रोड, खेकड़ा, नांगलोई, मुरादनगर, खतौली, मेरठ कैंट, जुलाना, सांपला, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज और दिल्ली सफदरजंग) – **NSG 6** (सकौती टांडा) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क **1000 रु.** की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- **प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:**
  - क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य / केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों / बुनकर आईडी कार्ड धारक ।
  - ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) / राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी) / खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) / गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित / पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर / बुनकर / शिल्पकार ।
  - ग) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह ।
  - घ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग ।
  - ङ) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।
- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 08.05.2025, 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।
- सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक / अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्याः 12 / 2022 एवं 09 / 2023 के तहत / अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइटः www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/CommCir_2022/OSOP%20Policy-pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/CommCir2023/CC%20%2009%20of%202023 पर उपलब्ध है।

इससे सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है।

1299/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें
पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, शनिवार, 03 मई, 2025

भाजपा सरकार की सीएम का दावा फेल, पहली बारिश में ही दिल्ली पानी-पानी : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दावा किया था कि इस बार बारिश में कहीं पर जल भराव नहीं होगा, लेकिन पहली बारिश ने ही उनके दावों को धो डाला। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने भी दावे किए थे कि जलभराव वाले 445 प्वाइंट चिंहित किए हैं और हर एक की जिम्मेदारी इंजीनियर्स को दी गई है। सीएम और एलजी से लेकर मंत्री तक ने कटर में डंडे डालकर दिखाया था कि नाले साफ करा दिए। इसके बाद भी 400 जगहों पर जलभराव हो गया। बारिश के बाद मॉर्निंग वॉक पर निकले मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिल्लीवालों को गुमराह करने के लिए फोटो खिंचवाकर निरीक्षण करने का ड्रामा किया। सच तो यह है कि नालों की सफाई सिर्फ कागजों में हुई और डी-सिल्टिंग के नाम पर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हो गया। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यह बातें कहीं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज रात में दिल्ली में पहली बारिश हुई है। भाजपा की चार इंजन की सरकार की पोल खोलने की जरूरत हमें नहीं है। पहली ही बारिश में हर घर के सामने गलियों, सड़कों और अंडरपास में पानी भरा हुआ है। अब भाजपा के पास एक भी बहाना नहीं है कि वह कहे कि यह सड़क उसकी सरकार के अधीन नहीं है। अगर सड़क एनडीएमसी की है, वह भाजपा की केंद्र सरकार के अधीन है। अगर सड़क डीडीए की है तो वह भाजपा के एलजी के अधीन है। अगर सड़क पीडब्ल्यूडी या बाढ़ नियंत्रण विभाग की है तो वह भाजपा की दिल्ली सरकार के अधीन है और अगर सड़क एमसीडी की है तो वह भी अब भाजपा की सरकार के अधीन है। दिल्ली में उपर से नीचे तक चारों इंजन भाजपा के ही हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में रात को एक साधारण सी बारिश हुई है। कोई बड़ी बारिश नहीं हुई है। इस बारिश का अलर्ट पहले से ही था। दो दिन पहले अखबारों में छपा था कि मई के पहले सप्ताह में बारिश होगी और अधिक गर्मी भी होगी। पिछले एक महीने से भाजपा द्वारा बड़ी-बड़ी बातें की जा रही थीं। मुख्यमंत्री व एलजी से लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री तक दिल्ली में जगह-जगह घूम कर गटर में डंडा डालकर दिखा रहे थे कि उन्होंने इसे साफ कर दिया। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने दिल्ली में जल भराव वाली 445 प्वाइंट खोजे थे और कहा था कि हर प्वाइंट की जिम्मेदारी एक इंजीनियर को दी गई है। हमने पहले से ही इंजीनियरों के निलंबन का आदेश तैयार करके रख लिया है। इन 445 प्वाइंट में से करीब 400 जगहों पर जल भराव हुआ है। प्रवेश वर्मा को बताना चाहिए कि कितने लोगों को सस्पेंड किया है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मंत्री प्रवेश वर्मा मार्निंग वॉक पर निकले और पानी दिखा रहे थे। उनके साथ कोई अधिकारी, पीडब्ल्यूडी के सेक्रेटरी, इंजीनियर नहीं था, फिर नाले कैसे खोलेंगे। चूंकि वह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तो सोचे कि एक वीडियो ही बनवा लें। उनके साथ कोई अधिकारी नहीं और कह रहे हैं कि जल भराव का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रवेश वर्मा निरीक्षण नहीं ड्रामेबाजी और दिल्ली की जनता को गुमराह कर रहे थे। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले साल दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि जिन नालों की डी-सिल्टिंग होगी, उनका थर्ड पार्टी ऑडिट कराया जाएगा। ताकि यह पता चल सके कि वास्तव में डी-सिल्टिंग हो रही है या नहीं हो रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार ने स्वीकार किया था कि नालों की डी-सिल्टिंग नहीं हुई, डी-सिल्टिंग में गड़बड़ी हुई। हमने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा लेकिन एलजी साहब ने कोई कार्रवाई नहीं की। क्योंकि अधिकारी एलजी के करीबी थे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता को दिल्ली की जनता को बताना चाहिए कि उन्होंने हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक नालों की डी-सिल्टिंग का थर्ड पार्टी ऑडिट कराया या नहीं कराया। अगर ऑडिट कराया है तो उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करें, ताकि दिल्लीवालों को पता चल सके। पहली ही बारिश में जिस तरह से सड़कों पर पानी भरा है, उससे साफ है कि डी-सिल्टिंग के नाम पर करोड़ों रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है। करोड़ों रुपए की डी-सिल्टिंग सिर्फ कागजों में हुई है और उसका भुगतान कर दिया जाएगा। नालों की डी-सिल्टिंग हुई होती तो सड़कों पर पानी नहीं भरा होता। अभी तक किसी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं होने से साफ है कि उपर से नीचे तक लोग इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं। इसलिए जलभराव पर कोई भी कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बारिश से दिल्ली में जगह-जगह पानी भर गया, घंटों ट्रैफिक जाम हुआ, कई जगह पेड़ गिर गए और उन्हें कोई हटाने वाला नहीं था। दुखद यह है कि पहली बारिश में नजफगढ़ में एक 26 वर्षीय महिला और उसके तीन बच्चों की भी मौत हो गईं। यह बहुत ही शर्म की बात है कि पहली ही बारिश में दिल्ली में एक महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई।

नगर पालिका में बनेगी दो मंजिला आधुनिक डिजिटल सुंदर व आकर्षक लाइब्रेरी

जिला अधिकारी ने मौके पर निरीक्षण कर मानचित्र को देखकर कार्य योजना बनाने के दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अमरोहा शशि जैन की उपस्थिति में नगर पालिका परिषद में बनाई जाने वाली आधुनिक और डिजिटल लाइब्रेरी के द्रष्टिगत मौके पर जाकर की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा गया। इस अवसर पर जिला अधिकारी ने मानचित्र में पार्किंक निकास शौचालय बैठने की व्यवस्थाओं सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखकर आधुनिक सुंदर और आकर्षक डिजटल लाइब्रेरी बनाए जाने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्य योजना तैयार कर लिया जाए कहा कि लाइब्रेरी दो मंजिला बनाई जाएगी जिसमें नीचे अखबार और मैगजीन पढ़ने की व्यवस्थाएं होंगी उपरी मंजिल में छात्र छात्राओं के अध्ययन के लिए डिजिटल लाइब्रेरी बनेगी जिसमें बच्चे बैठकर विधिवत अध्ययन कर सकेंगे। बच्चों के अध्ययन के लिए कंप्यूटर की भी व्यवस्था कराई जाएगी जिसमें पर्याप्त संख्या में कंप्यूटर लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि लाइब्रेरी सभी व्यवस्थाओं से सुसज्जित होगी लाइट पानी शौचालय वैठने की उचित व्यवस्था होगी। जिला अधिकारी ने निर्देशित किया है कि लाइब्रेरी के लिए पार्किंग और आने जाने के लिए अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए।जिलाधिकारी ने कहा कि लाइब्रेरी बन जाने से जहां एक और छात्र छात्राएं बैठकर कंप्यूटर पर अध्ययन कर सकेंगे वहीं वृद्ध व नगर पालिका में आने वाले नागरिक अखबार और मैगजीन पढ़ सकेंगे।निरीक्षण के अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका शशि जैन सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

सुल्तानपुरी में युवक की चाकू घोंपकर हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली, । बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में एक युवक की कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान ऋतिक (19), राहुल (23) और निखिल (19) के तौर पर की गई है और उनका हिंसक अपराधों का इतिहास रहा है। उसने बताया कि बुधवार को पीड़ित सूरज (21) को चाकू के घाव के साथ मंगोलपुरी संजय गांधी स्मारक अस्पताल लाया गया था, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर त्रतिक, राहुल और निखिल की आरोपी क तौर पर पहचान की गई और उन्हें एक स्थानीय नाले के पास से पकड़ा गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान तीनों ने लंबे समय से चली आ रही रंजिश की वजह से सूरज पर हमला करने की बात स्वीकार की। सूरज एक शादी समारोह में जा रहा था, तभी तीनों ने उसे रोक लिया और उसपर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि ऋतिक पहले भी दो मामलों में संलिप्त पाया गया था, राहुल पांच मामलों में, तथा निखिल जब किशोर था तब डकैती सहित तीन मामलों में हिरासत में लिया गया था।

अभी उजाला भी नहीं हुआ था, और आकाश गरज उठा – दिल्ली की सुबह बनी दहशत का अनुभव

प्रात : किरण : मनोज जैन

सुबह की चुप्पी अभी टूटी भी नहीं थी, चारों ओर अंधेरे का आलम था कि अचानक आसमान से एक के बाद एक बिजली की तड़तड़ाहट गूंजने लगी। बादलों की खरार्टेदार गर्जना और उनके साथ-साथ चमकती, काँपती बिजली ने शाहदरा समेत दिल्ली के कई इलाकों को हिला कर रख दिया। बारिश ऐसे बरस रही थी मानो बादल वर्षों का बोझ एक ही सुबह में खाली कर देना चाहते हों। घर के भीतर बैठे लोगों के चेहरे डर से पीले पड़ चुके थे। बच्चे अपनी माँओं की गोद में दुबक गए, बुजुर्ग खिड़कियों से दूर हट गए और नौजवान भी बाहर झांकने की हिम्मत नहीं कर पा रहे थे। बिजली की हर कड़क में मानो मौत की आहट समाई हो—कोई नहीं जानता था कि अगली चमक किस पर टूटेगी, कहाँ गिरी होगी या और गिरने वाली है। शाहदरा की गलियों में गूँजती यह दहशत, कुदरत की चेतावनी जैसी प्रतीत हो रही थी। इस असामान्य प्रातः वेला में न सिर्फ बारिश थी, न सिर्फ हवाएँ, बल्कि एक अदृश्य भय की चादर भी फैली हुई थी। मौसम विभाग ने पहले से कोई चेतावनी नहीं दी थी, इसलिए लोगों के लिए यह एक चौंका देने वाली शुरूआत थी। दिल्ली के कई इलाकों से जलभराव की खबरें भी आ रही हैं। यह सुबह न तो राहत लायी और न ही उम्मीद—बल्कि यह समझा गयी कि प्रकृति जब चाहे, अपने नियमों को बदल सकती है और इंसान को झुका सकती है।

बच्चों ने पोस्टर बनाकर साझा किया मजदूरों का दर्द

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। नगर के पुरुषोत्तम शरण राममूर्ति सरस्वती कन्या इंटर कॉलेज में पोस्टर बना कर श्रमिक दिवस पर मजदूरों का दर्द बयां किया गया। प्रधानाचार्या अंकिता शर्मा ने छात्र-छात्राओं को श्रमिक दिवस के महत्व की जानकारी दी। इस दौरान अनुज कसाना, सुषमा रस्तोगी, नेहा रस्तोगी, नीतू, आंचल अल्बर्ट, मुक्ता सारस्वत आदि मौजूद रहे।

डीसीपी प्रशांत गौतम की सूझबूझ से शाहदरा पुलिस की बड़ी सफलता, एटीएम कार्ड ठगी का मास्टरमाइंड गिरफ़्तार

- शातिर ठग फिरोज पकड़ा गया, 39 एटीएम कार्ड बरामद, दो साथी फर्मान और मोनू की तलाश जारी

प्रात : किरण : मनोज जैन

शाहदरा जिले के थाना मानसरोवर पार्क क्षेत्र में एटीएम बदलकर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। यह मामला तब सामने आया जब चंद्रलोक कॉलोनी निवासी बाबूराम अपने पास के पीएनबी एटीएम से नकद निकालने गए। जब उनके कार्ड से पैसे नहीं निकले तो उसी समय एक युवक फिरोज मदद का बहाना बनाकर पास आया और बाबूराम का एटीएम कार्ड चुपचाप बदल लिया। कुछ देर बाद बाबूराम को खाते से 60,000 निकलने का पता चला, जिस पर उन्होंने तत्काल थाना मानसरोवर पार्क में शिकायत दर्ज कराई। डीसीपी शाहदरा प्रशांत गौतम ने इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए थाना पुलिस को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सीसीटीवी कैमरों की जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी फिरोज को लोनी (गाज़ियाबाद) से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में फिरोज ने खुलासा किया कि उसके दो साथी झ फर्मान और मोनू झ भी इस तरह की ठगी में शामिल हैं और अलग-अलग स्थानों पर सक्रिय रहते हैं। पुलिस ने फिरोज के पास से 39 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। डीसीपी प्रशांत गौतम की तेज सूझबूझ, लगातार निगरानी और गंभीर रवैये की बदौलत शाहदरा पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली है। थाना मानसरोवर पार्क की टीम ने तत्परता और कुशलता का परिचय देते हुए ठग को धर दबोचा। फिलहाल पुलिस फर्मान और मोनू की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और उम्मीद है कि जल्द ही पूरे गिरोह को पकड़ लिया जाएगा।

दिल्ली : शेख सराय में आंधी-तूफान का कहर, कई मकान और गाड़ियां क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के शेख सराय इलाके में शुक्रवार को भारी बारिश और तेज हवा के चलते पेड़ गिरने से कई मकान और गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। यह हादसा सुबह 5 बजे के आसपास हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे कई बार प्रशासन को पत्र लिखकर यह मांग कर चुके हैं कि पेड़ों को हटा दिया जाए, लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय निवासी राकेश शर्मा ने बताया कि यह हादसा सुबह उस समय हुआ, जब तेज आंधी-तूफान चला था। इस वजह से कई गाड़ियां और मकान क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, अभी तक गाड़ियों की निश्चित संख्या के बारे में हमें जानकारी नहीं है कि कितनी क्षतिग्रस्त हुई हैं। यहां आसपास में कई ऐसे विशाल पेड़ हैं, जिनके बारे में मैं संबंधित अधिकारियों को कई बार पत्र लिख चुका हूं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आगे बताया कि इससे पहले हॉर्टिकल्चर विभाग के मनोज वैरी जी यहां आए थे। उन्होंने पूरे इलाके का मुआयना किया था। लेकिन, अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। एक अन्य स्थानीय निवासी प्रवीण वत्स ने बताया कि सुबह पांच बजे आंधी-तूफान चलने से यह हादसा हुआ। इन विशाल पेड़ों के गिरने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए, तो कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है। इस वजह से कई लोग स्कूल और ऑफिस नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि इस संबंध में हम पहले भी अधिकारियों को पत्र लिख चुके हैं, लेकिन अभी तक इस दिशा में किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई है। यही नहीं, हमने अधिकारियों को पत्र लिखकर उनका ध्यान इस दिशा में आकृष्ट कराया था कि हमारे आसपास करीब 35 से 40 ऐसे पेड़ हैं, जो काफी विशाल हैं। निश्चित तौर पर अगर उन्हें समय रहते छोटा नहीं किया गया, तो यह आगे चलकर किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम पर्यावरण का सम्मान करते हैं।

पेड़ पर लटका मिला मजदूर का शव, परिजनों में मच गया कोहराम

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। थाना सैदनगली क्षेत्र के ग्राम दमगड़ी में भतीजी के शादी के दिन पेड़ से मजदूर का शव लटका मिला। पत्नी का कहना है कि मामूली कहासुनी के बाद पति घर से निकल गए थे। वहीं मृतक की मां ने हत्या की आशंका जताई है। उधर, शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं। पुलिस में शव पोस्टमार्टम को भेजा है। जांच पड़ताल की जा रही है।

बाइक से जानलेवा स्टंट करने का वीडियो वायरल, जांच शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

रहरा। थाना क्षेत्र में बाइक से खतरनाक स्टंट करते युवक का वीडियो वायरल हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हालांकि, हिन्दुस्तान वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में युवक बाइक से जानलेवा स्टंट करता नजर आ रहा है। पुलिस के मुताबिक वीडियो चार माह पूर्व का बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि युवा बाइक आदि से खतरनाक स्टंट इसलिए करते हैं ताकि फेसबुक और इंस्टाग्राम आईडी पर फॉलोवर बढ़ सकें। रहरा थाना प्रभारी सुकर्मपाल राणा ने बताया कि वीडियो के आधार पर जांच-पड़ताल कर कार्रवाई होगी।

दिल्ली में चार लोगों की मौत पर मोहन सिंह बिष्ट ने जताया दुख, कहा- सरकार लेगी एक्शन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने शुक्रवार को तेज हवाओं के कारण द्वारका में पेड़ गिरने से हुई चार लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार इस पर कार्रवाई करेगी और लोगों को राहत दिलाने का काम करेगी। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, गरीब आदमी की झोपड़ी पर इस तरह पेड़ गिर जाए, तो कहीं न कहीं तो मन में दुख होता है। वास्तव में जहां वह पेड़ था, वह बहुत पुराना था और नहर के किनारे था, जिसके कारण वह उनकी झोपड़ी पर गिर गया। मैं मानता हूं कि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) की हर जगह पेड़ों की कटाई और छंटाई पर रोक रहती है, जिसके कारण ऐसी घटना घटी।

हमारी सरकार इस पर कार्रवाई करेगी और लोगों को राहत दिलाने का काम करेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बारिश में सड़क पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। मोहन सिंह बिष्ट ने इस कदम को सराहनीय कदम बताया। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री जनता के प्रति जवाबदेह हैं और जब ऐसी जवाबदेह मुख्यमंत्री हो तो निश्चित रूप से समस्याओं का समाधान होगा। ढाई महीने के सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री जिस प्रकार सड़कों पर घूम रही हैं और समस्याओं का समाधान तुरंत कर रही हैं, मैंने अपने 27 साल के राजनीतिक सफर में ऐसी मुख्यमंत्री नहीं देखी हैं। मैं उनका आभार जताता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे, ताकि वे इसी तरह से दिल्ली की जनता की समस्याओं का समाधान करती रहें। पूर्व सीएम आतिशी के जलभराव वाले पोस्ट पर विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, मैं आतिशी से पूछना चाहता हूं कि ढाई महीने में पूरी दिल्ली को ठीक किया जा सकता है? यदि इसमें कहीं न कहीं कोई दोषी है तो वह 11 साल शासन करने वाली दिल्ली की पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी की सरकार है, जिसने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। अब वही काम हमारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कर रही हैं, जो सड़क पर जाकर दौरा करती हैं और तुरंत समाधान करती हैं। मैं इतना ही कहूंगा कि दिल्ली के लोगों ने हम पर जो विश्वास किया है, उन्हें किसी भी तरह से परेशान होने नहीं देंगे।

शाहदरा जिले की सड़कें बनीं व्यापारिक स्थल, नगर निगम की कार्रवाई के बावजूद हालात जस के तस

- अतिक्रमण हटाने की रोजाना कोशिशें, पार्किंग की समस्या और इमरजेंसी सेवाओं में परेशानी
- उपायुक्त बादल कुमार की कार्यवाही पर उठते सवाल, भ्रष्टाचार और संरक्षकों का बड़ा हाथ

प्रात : किरण : मनोज जैन

शाहदरा जिले की सड़कें फिर से अतिक्रमण के जाल में फंसी हुई हैं। दिल्ली नगर निगम के उपायुक्त बादल कुमार के नेतृत्व में रोजाना अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन बावजूद इसके स्थिति में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। सड़कें अब व्यापारिक स्थल बन चुकी हैं, जहां वाहनों की पार्किंग से लेकर ठेलेवालों और अवैध दुकानदारों के कब्जे तक हर जगह समस्या बनी हुई है। दिल्ली नगर निगम की लगातार कार्रवाई और बुलडोजर चलने के बावजूद, अतिक्रमणकर्ता सड़क पर अपना सामान रखकर सड़कों को अवरुद्ध कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वे सड़क पर बिना किसी रुकावट के यात्रा करने में असमर्थ हैं, क्योंकि वाहनों की अवैध पार्किंग, ठेलों, और दुकानदारों के कब्जे ने पूरी सड़क को चोक कर दिया है। यही नहीं, जब इमरजेंसी सेवाओं की बात आती है तो एंबुलेंस, दमकल की गाड़ियां और अन्य आपातकालीन वाहन भी इन अतिक्रमणों की वजह से अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पाते। कई बार तो दमकल गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में आधे घंटे से ज्यादा का समय लग जाता है, जबकि किसी को जीवन-मरण की स्थिति में मदद चाहिए होती है। उपायुक्त बादल कुमार और उनके अधीनस्थ अधिकारियों ने कई बार अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई की, लेकिन स्थानीय संरक्षकों और भ्रष्टाचार के कारण कई अवैध दुकानदार और अतिक्रमणकर्ता फिर से सड़कों पर कब्जा कर लेते हैं। एक स्थानीय ठेलेवाले ने बताया, हम नियमित रूप से कुछ शुल्क देते हैं ताकि हमें सड़क पर अपनी दुकान लगाने की अनुमति मिल सके। यह भ्रष्टाचार का प्रतीक है जो इस समस्या को और भी जटिल बना रहा है। क्या यह स्थिति मान्य होनी चाहिए? क्या सरकारी अधिकारी और स्थानीय नेता इसे यूं ही नजरअंदाज करते रहेंगे? कई बार स्थानीय जनता ने भी यह सवाल उठाया है कि जब प्रशासन खुद अतिक्रमण हटाने की कोशिश कर रहा है, तो यह समस्या खत्म क्यों नहीं हो पा रही? नागरिकों की मान्यता है कि इस समस्या के पीछे कई बड़े संरक्षक हैं, जो इस अतिक्रमण को अपनी सख्ती से रोकने नहीं देते। स्थानीय नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों से भी कई बार यह सवाल पूछा गया कि क्या किसी खास वर्ग या ताकतवर लोगों के दबाव में आकर यह कार्रवाई विफल हो रही है? क्या ये ताकतवर लोग पैसे लेकर अतिक्रमणकताओं को संरक्षण दे रहे हैं? यह बड़ा सवाल है, जिसे प्रशासन को गंभीरता से लेना होगा। इसके अलावा, शाहदरा इलाके की सड़कों पर हर जगह गाड़ियों की अवैध पार्किंग भी एक बड़ी समस्या बन चुकी है। चाहे वह मुख्य सड़क हो, हाईवे हो या फिर गली-मोहल्ले– हर जगह पार्किंग की जगह नहीं है। स्थानीय लोग यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या दिल्ली जैसे शहर में इतनी पार्किंग की समस्या हो सकती है? क्या गाड़ियों को सड़क पर खड़ा करने के अलावा कोई और उपाय नहीं है? सड़कों की बढ़ती अतिक्रमण की समस्या और वाहनों की अवैध पार्किंग ने न केवल सार्वजनिक यात्रा को मुश्किल बना दिया है, बल्कि आपातकालीन सेवाओं को भी प्रभावित किया है। क्या प्रशासन और स्थानीय नेताओं को इस पर ठोस कदम नहीं उठाने चाहिए? क्या अतिक्रमण हटाने के अभियान को सचमुच सख्ती से लागू किया जा रहा है या फिर यह महज एक दिखावा है? दिल्ली नगर निगम और उपायुक्त बादल कुमार को अब सिस्टम में सुधार लाने के लिए कठोर कदम उठाने होंगे। अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई और पार्किंग व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए स्थायी उपाय किए जाने चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो यह स्थिति और भी जटिल होती जाएगी और नागरिकों को इससे निरंतर परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

दिल्ली में बारिश से बिजली की लाइनें टूटीं, मरम्मत का काम जारी

नई दिल्ली, । दिल्ली में शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण कई जगह पेड़ व बिजली के खंभे उखड़ गए और शहर भर के घरों में बिजली गुल हो गई। टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) के प्रवक्ता ने बताया कि उन्हें बिजली कटौती से जुड़ी 22 शिकायतें मिलीं, जिन्हें कुछ मिनटों से लेकर एक घंटे के भीतर बहाल कर दिया गया। उन्होंने बताया, ह्लआंधी, भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई और बिजली के तारों को नुकसान पहुंचा। पेड़ उखड़ गए और उनकी शाखाएं बिजली के तारों पर गिर गईं। करंट से बचने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से रोक दी गई। प्रवक्ता ने बताया कि विद्युत प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए वितरण नेटवर्क का मूल्यांकन किया जा रहा है।

दिल्ली की पहली ही बारिश में खटारा साबित हुए भाजपा के चारों इंजन : आप

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । आम आदमी पार्टी ने कहा कि दिल्ली की पहली ही बारिश में भाजपा सरकार के चारों इंजन खटारा साबित हुए। आप नेता संजय सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने बहुत कम समय में ही दिल्ली को बर्बाद करने का रिकॉर्ड बना दिया है। वहीं, आतिशी ने कहा कि क्या दिल्ली के लोगों को 4 इंजन वाली भाजपा सरकार से यही उम्मीद थी? आम आदमी पार्टी ने कहा कि दिल्ली की पहली ही बारिश में मिंटो रोड, आईटीओ, धौंला कुंआ, दिल्ली एयरपोर्ट, ओल्ड राजेंद्र नगर समेत दिल्ली के तमाम इलाकों की सड़कें जलमग्न हो गईं। पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष आतिशी और जैस्मीन शाह समेत अन्य नेताओं ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में हुए जलभराव की वीडियो एक्स पर साझा की। आम आदमी पार्टी ने जल भराव की वीडियो और फोटो साझा करते हुए कहा कि भाजपा की विपदा सरकार में अब नाले सड़कों पर बह रहे हैं। गुरुवार की रात हुई बारिश से सड़कें और गलियां जलमग्न हो गईं और कई मासूम लोगों की जान भी चली गई। देश की राजधानी दिल्ली को बर्बाद करने में भाजपा की सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारद्वाज ने एक्स पर कहा, पहली बारिश में 4 लोगों की मौत, एक मां और उसके तीन बच्चों की मौत। दिल्ली की चार इंजन की सरकार की सच्चाई आज सबके सामने है। दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश और धूल भरी आंधी के बाद 4 की मौत, उड़ान का संचालन प्रभावित। आप के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा, भाजपा राज में दिल्ली का हाल देखिए। ट्रिपल इंजन सरकार के सारे इंजन और उनके कलपुर्जे सुबह से शाम तक केवल अरविंद केजरीवाल जी के खिलाफ घुर्र -घुर्र करने में लगे रहते हैं और दिल्ली का ये हाल बना दिया। पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा, बबार्दी की गारंटी भाजपा। मैं बार-बार कहता हूं कि भाजपा के सारे इंजन खटारा हो चुके हैं। दिल्ली में तीन इंजन की सरकार का हाल देखिए। पहली ही बारिश में सड़कों पर पानी भरा हुआ है। भाजपा ने बहुत कम समय में ही दिल्ली को बर्बाद करने का रिकॉर्ड बना दिया है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक वीडियो को एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह दिल्ली में पहली बारिश के बाद धौला कुआं और दिल्ली एयरपोर्ट के आस-पास के इलाकों से ली गई तस्वीरें है। क्या दिल्ली के लोगों को 4 इंजन वाली भाजपा सरकार से यही उम्मीद थी?

संक्षिप्त खबरें

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों का संघर्ष प्रस्तुत किया

नोएडा,। सेक्टर 44 स्थित महामाया बालिका इंटर कॉलेज में श्रम दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने नृत्य, भाषण और नुक्कड नाटक के माध्यम से श्रमिकों के जीवन और संघर्ष को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्कूल के सफाईकर्मियों और अन्य सहायक कर्मचारियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में श्रमिकों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना और उन्हें परिश्रम के महत्व को समझाना था। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं से यह संकल्प लिया कि वे श्रमिकों का आदर करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

किराने की दुकान पर शराब बेचने वाला दबोचा

नोएडा,। सेक्टर-20 और आबकारी विभाग की टीम ने गुरुवार रात किराना स्टोर की आड़ में शराब की तस्करी करने वाले तस्कर को गिरफ्तार किया। उसके पास से दिल्ली मार्का शराब और बीयर बरामद हुई। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग की टीम गुरुवार रात सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-27 स्थित किराना स्टोर की दुकान पर शराब बेची जा रही है। दुकानदार ने अवैध तरीके से शराब का भंडारण कर रखा है। इसके बाद आबकारी विभाग और सेक्टर-20 थाने की टीम सेक्टर-27 में फौजी वाली गली स्थित एक किराने की दुकान पर पहुंची। यहां शराब बेची जा रही थी। पुलिस ने तस्कर भोगी झा को दबोच लिया। उससे पास से 10 पव्वे रायल स्टैग ब्रांड अवैध विदेशी शराब, 24 कैन किंगफिशर अल्ट्रा मैक्स बियर और 12 कैन बीरा बूम बीयर बरामद हुई। पकड़ी गई शराब केवल दिल्ली में ब्रिकी के लिए थी। तस्कर के खिलाफ सेक्टर 20 थाने में आबकारी अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कराया गया है।

चाकू संग वाहन चोर गिरफ्तार

नोएडा,। पर्थला गोलचक्कर के पास से शुक्रवार को सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने रेकी कर दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से चोरी की बाइक और चाकू बरामद हुआ। आरोपी की पहचान पश्चिम बंगाल के नादिया निवासी बबलू खान के रूप में हुई है। वर्तमान में वह बरौला गांव में किराये का कमरा लेकर रह रहा था। बबलू के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके पास से जो बाइक बरामद हुई है, उसे उसने करीब पांच महीने पहले चुराया था। इस संबंध में दिल्ली के थाने में ई एफआईआर भी दर्ज है। पुलिस बबलू का आपराधिक इतिहास पता कर रही है।

मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नोएडा,। पुलिस ने दिल्ली से गांजा लाकर शहर की फैक्टरियों में काम करने वाले श्रमिकों को बेचने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार किया। सेक्टर-63 थाने की पुलिस शुक्रवार को छिजारसी अंडरपास के पास चेकिंग कर रही थी, तभी उधर से एक संदिग्ध गुजरा। पुलिस ने उसको रुकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। पुलिस ने उसे दबोच लिया। आरोपी के पास से एक किलो 250 ग्राम गांजा मिला। उसकी पहचान संभल के हयातनगर गांव निवासी मोनिस खान के रूप में हुई। वर्तमान में वह चोटपुर कॉलोनी में रह रहा था। सेक्टर-113 थाने की पुलिस ने शुक्रवार को सेक्टर-71 अंडरपास के समीप से गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान सफाबार्द गांव निवासी जितेंद्र उर्फ मच्छर के रूप में हुई। उसके पास से दो किलो सौ ग्राम गांजा बरामद किया गया। जितेंद्र के खिलाफ अलग-अलग थानों में विभिन्न धाराओं में तीन केस दर्ज हैं।

फरीदाबाद: बंदूक दिखाकर दंपति से लाखों की नकदी लूटी

फरीदाबाद। एक परिवार के साथ लूटपाट का मामला सामने आया है। पीड़ित अनिल मखीजा ने बताया कि गुरुवार रात मनोज भाटी, उसकी पत्नी मीनू भाटी और उनका बेटा उनके घर में घुस आए। मीनू ने उनकी छाती पर रिवाल्वर रखकर जान से मारने की धमकी दी। कुछ देर बाद 15-20 बदमाश लाठी-डंडों से लैस होकर घर में घुस गए। उन्होंने परिवार के साथ मारपीट की और अलमारी तोड़कर 1.77 लाख रुपए नकद और सोने की चेन लूटकर फरार हो गए। भागते समय बदमाशों की स्कूटी की चाबी वहीं गिर गई। घटना जवाहर कॉलोनी खंड बी की है। अनिल मखीजा ट्रैक्टर चलाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले उन्होंने मनोज भाटी की रॉयल वाटिका में काम किया था। अब वाटिका किसी और के पास है, लेकिन मनोज को शक है कि वाटिका उन्होंने ले ली है।

हरियाणा में 30 जून से पहले बनेंगे नए जिले-उपमंडल और तहसील, कैबिनेट सब कमेटी को मिली एक्सटेंशन; मंडल बनाने पर भी चर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा में नए जिले, उपमंडल, तहसील और उप-तहसील बनाने के लिए गठित कैबिनेट सब-कमेटी को प्रदेश सरकार ने एक्सटेंशन दे दी है। विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में पिछले साल चार दिसंबर को गठित कमेटी का कार्यकाल चार मार्च को पूरा हो गया था। अब इस कमेटी का कार्यकाल 30 जून तक बढ़ाया गया है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव और वित्तायुक्त राजस्व डॉ. सुमित मिश्रा ने कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने के आदेश जारी कर दिए हैं। इस कमेटी में राजस्व एवं निकाय मंत्री विपुल गोयल, संसदीय कार्य मामले मंत्री महिपाल सिंह ढांडा और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा शामिल हैं। कमेटी की चार बैठकें हो चुकी हैं। जिलों से आई डिमांड की स्टडी के लिए संबंधित प्रशासन को निर्देश दिए जा चुके हैं। राज्य में बन सकते हैं नए मंडल कैबिनेट सब कमेटी के पास पांच नए जिले बनाने की मांग आई हुई है। इनमें हांसी, डबवाली, असंध, गोहाना और सफीदो शामिल है। हालांकि मानेसर को भी नया जिला बनाने की मांग उठ रही है, लेकिन कैबिनेट सब कमेटी के पास अभी तक लिखित में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं आया है। कैबिनेट सब कमेटी पिछली बैठकों में फैसला ले चुकी है कि राज्य में नए जिले, उपमंडल, उप तहसील और नई तहसीलें बनाने के लिए जिला उपायुक्तों की सिफारिश जरूरी है। ब्लॉक समिति के लिए संबंधित विधानसभा क्षेत्र के विधायक, नगर पालिका या नगर निगम का प्रस्ताव अनिवार्य कर दिया गया है। पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने संकेत दिए हैं कि यदि प्रस्ताव आया तो राज्य में नए मंडल भी बनाए जा सकते हैं।

फरीदाबाद : दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर रॉन्ग साइड दौड़ाया कैंटर

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद,। फरीदाबाद में दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक कैंटर का रॉन्ग साइड में तेज स्पीड में दौड का विडियो सामने आया है। एक्सप्रेसवे पर एक कार ड्राइवर ने इस विडियो को बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। जिसके बाद ये वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे पर तेज स्पीड में दौड़ रहे कैंटर का विडियो बल्लभगढ़ के पास का बताया जा रहा है। बिना किसी रोट टोक के एक्सप्रेसवे पर कैंटर ड्राइवर स्पीड में कैंटर को दौड़ा रहा है। ऐसे में कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। एक्सप्रेसवे पर तेज स्पीड के साथ गाड़ी चलती है, लेकिन कैंटर ड्राइवर बिना किसी की परवाह किए ही कैंटर को दौड़ा रहा है। एक्सप्रेसवे पर तेज स्पीड में कैंटर को ड्राइवर ने कई किलोमीटर तक इसी तरीके से चलाया। जिस समय कैंटर को ड्राइवर रॉन्ग साइड में दौड़ा रहा था, उस समय कैंटर के अंदर माल नहीं भरा हुआ था। रात के समय में इस तरीके से वाहन को चलाना खतरनाक माना जाता है। क्योंकि सामने से आने वाली गाड़ी कभी भी दूसरे वाहन से टकरा सकती है। दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे पर होने वाले हादसों का सबसे मुख्य कारण तेज स्पीड रहती है। रात के समय इस एक्सप्रेसवे पर भारी वाहनों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में इस तरह से वाहन चलाना अपनी ही नहीं दूसरे की जान के साथ खिलवाड़ करना है ।

फरीदाबाद : एनएचपीसी अंडरपास में भरा पानी, कार डूबी, क्रेन से बाहर निकाला

फरीदाबाद,। बारिश के चलते एनएचपीसी चौक के पास ग्रीन फिल्ड अंडरपास में पानी भर गया। पानी भर जाने से एक कार डूब गई, गनीमत रही कि समय रहते ड्राइवर ने कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। टैफिक पुलिस ने क्रेन की मदद से कार को बाहर निकाला। शुक्रवार की सुबह चार बजे से ही लगातार बारिश के चलते ग्रीन फिल्ड अंडरपास में कई फीट पानी भर गया। बारिश के चलते सीवरेज भी ओवरफ्लो होकर अंडर पास में एकत्रित हो गया। पुलिस के मुताबिक ड्राइवर गाड़ी को लेकर पानी में से अंडरपास को पार कर रहा था। लेकिन पानी में जाने के बाद गाड़ी बंद हो गई, कार ड्राइवर बिना देरी के गाड़ी से बाहर निकल गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वाहनों को रोकने के लिए अंडरपास के गेट बंद कर दिए। ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गाड़ी को बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। पुलिस कर्मचारी जाकिर हुसैन सहायक कर्मचारियों के साथ पानी में उतर गए और क्रेन की मदद से रस्सी से खींचकर कार को बाहर निकाला। पुलिस कर्मचारी जाकिर हुसैन ने बताया कि अभी तक जान की कोई हानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि हम सुबह 5 बजे यहां पहुंचे थे, उससे पहले ही कार डूब चुकी थी।

जिलाधिकारी ने की जिला कार्यक्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

जहां पर कुपोषित बच्चे ज्यादा हो वहां पर अभियान चलाकर उन्हें कुपोषण मुक्त किया जाए: डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कार्यक्रम विभाग द्वारा संचालित की जा रहे हैं विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने बिंदुवार विभागीय कार्यों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने कहा कि जो बच्चे गंभीर कुपोषित हैं साथ ही गर्भवती और गर्भधात्री महिलाओं को प्राथमिकता के साथ मिलने वाला पोषण युक्त आहार मिल जाए सुपरवाइजर यह सुनिश्चित करें। और कहा कि जो ग्राम पंचायत बड़ी हैं उन ग्राम पंचायत को 10-10 करके उनका सर्वे किया जाए और एक सप्ताह में विजिट की जाए। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सर्वप्रथम आंगनबाड़ी को प्रशिक्षित करें यदि आंगनबाड़ी प्रशिक्षित होगी तभी वह मापना और पढ़ना अच्छे से कर पाएगी और साथ ही बच्चों सहित उनके अभिभावकों को अच्छे से समझा पाएगी। कहा कि जहाँ पर ज्यादा कुपोषित बच्चे मिल रहे हैं।अभियान चलाकर उन्हें कुपोषण मुक्त किया जाए। वह बच्चे किस प्रकार कुपोषण मुक्त हो सकते हैं, इसके लिए प्रभावी कार्यवाही किया जाये ऐसे परिवारों का चिन्हाकन किया जाए। उन्होने कहा कि चिन्हित कर अधिक से अधिक बच्चों को एनआरसी में भर्ती कर उन्हें पोषण युक्त आहार दवाएं उपलब्ध कराकर बच्चों को कुपोषण मुक्त किया जाय। बच्चों का वजन कराया जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के कायाकल्प के तहत सभी पैरा मीटर में काम पूर्ण कर कम्प्लीट किया जाए। सभी आंगनबाड़ी सुपरवाइजर्स को निर्देश देते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र पर जो भी समान है उनका प्रयोग हो। उन्हें बक्से में बंद करके न रखा जाए। बच्चों को सामान के साथ-साथ किताबें दें और किताबों पर उन बच्चों के नाम अवश्य लिख दें। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों को डायरिया, मलेरिया आदि सहित विभिन्न बीमारियों से बचने के लिए फुल कपड़े पहनने के निर्देश दें, उन्हें समझाएं हाथ धोकर खाना खाएं, घर पर पानी ढका और स्वच्छ व साफ पानी का सेवन करे और अधिक से अधिक पानी पीने को बच्चों और उनके अभिभावकों को बताएं। उन्होंने कहा कि बच्चों के टीकाकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए यदि टीका लगा हुआ है तो बच्चों में प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है। उन्होंने सीडीपीओ को निर्देश दिए कि यदि किसी हैंडपंप में पानी पीला आने की शिकायत आ रही है तो उसे पर क्रॉस लगा दें और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर टीएलएम अवश्य चिपके हो। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र में 0 से 6 साल के बच्चे की देखभाल की जाती है तो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए की 6 साल के उपरांत आंगनबाड़ी से निकला हुआ बच्चा कक्षा-01 में प्रवेश लिया है या नहीं, चाहे वह किसी बेसिक स्कूल में हो या पब्लिक स्कूल में हो उसकी सूची बनाकर अवश्य दें। उन्होंने सूखा राशन बांटने की स्थिति की जानकारी प्रदान की और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैठक में जो भी दिशा निर्देश दिए हैं वह सभी अपने-अपने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अवश्य बता दे ताकि निरीक्षण करने पर उनसे उक्त बातें पूछने पर सही जानकारी प्राप्त हो सके। इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी, समस्त सीडीपीओ एवं आंगनवाड़ी सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

गुरुग्राम: आंधी, बारिश में हाइवे पानी-पानी, टूटे पेड़ व धंसी सडक

● बरसात में सडक मार्ग सुचारू करने के लिए पुलिस ने संभाला मोर्चा

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम,। बारिश और आंधी-तूफान से शादियों कई जगह जलभराव हो गया और अनेक सडकों पर पेड़ टूट कर गिर गए। इनके कारण रास्ता भी अवरुद्ध हो गया। यातायात पुलिस ने पूरी कसरत करते हुए टूटे पेड़ों को सडकों से हटाने का काम किया। यातायात को सुचारू चलाने केलिए यातायात पुलिस ने भी तैयारी पूरी कर ली थी। पुलिस कर्मचारी जगह-जगह पर बरसाती पानी की निकासी से लेकर टूटे हुए पेड़ों को हटवा रहे थे। पानी में बंद वाहनों को एक तरफ करवा रहे थे। बरसात के कारण यहां एक सडक भी धंस गई। शुक्रवार की अल सुबह आई तेज आंधी-तूफान और बरसात से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। लोग जब सुबह उठे तो जलभराव हो चुका था। यहां जयपुर एक्सप्रेस-वे पर बरसाती पानी भर गया। एक्सप्रेस-वे किनारे का नाला ओवरफ्लो हो गया। नाले का पानी एक्सप्रेस-वे पर भर गया। नाले की गंदगी भी एक्सप्रेस-वे पर आ गई। गंदे पानी और गंदगी में से निकलने के लिए लोग मजबूर हुए। एक्सप्रेस-वे पर फैली गंदगी से फिसलन भी हो गई। दुपहिया वाहन चालकों को काफी दिक्कत हुई। सर्विस लेने में पानी भरने के कारण दुपहिया वाहन निकल पाने में असमर्थ थे। पुलिस कर्मियों ने भीगते हुए सडक मार्ग में टूटे पेड़ों को हटाकर शहर में सुगमता से यातायात चलाया। यातायात पुलिस में तैनात सभी सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात निरीक्षकों, जोनल अधिकारियों व यातायात पुलिस कर्मचारियों ने सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण जलभराव में भी खड़े होकर यातायात का सुचारू रूप से संचालन कराया। पुलिस उपायुक्त यातायात डा. राजेश मोहन द्वारा जलभराव की परिस्थिति से निपटने के लिए यातायात में तैनात सभी पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी मुस्तैदी के साथ करने के लिए उचित दिशा निर्देश दिए। अधिक बारिश होने के कारण कई जगह पर रोड मार्ग में गड्ढे बन गए थे, जिन गड्ढों को यातायात पुलिस गुरुग्राम द्वारा मिट्टी, मलबा आदि भरवाकर यातायात का सफलतापूर्वक सुगमता से संचालन कराया गया। यातायात पुलिस गुरुग्राम ने विभिन्न जगहों पर बरसात के कारण रोड पर टूटकर गिरे पेड़ों, पेड़ों की टहनियों को आरी की मदद से काटकर सडक मार्ग से हटाया। इन स्थानों पर यातायात पुलिस ने संभाले रखा मोर्चा गुरुग्राम में बरसात होने के कारण सीआरपीएफ चौक, माता मंदिर रोड, सेक्टर 21/22 कट, महावीर चौक, हनुमान चौक, ट्यूलिप गार्डन, खांडसा रोड, नरसिंहपुर, वाटिका चौक, सेक्टर 46/47 रेड लाईट, बख्तावर चौक, एरिया माल बादशाहपुर, शनि मंदिर, सिकंदरपुर पावर हाउस, जेएमडी मेगापोलिश, खांडसा अंडरपास, कन्हई चौक, हुडा सिटी सेंटर, एंबियंस माल सहित विभिन्न स्थानों पर जल भराव की स्थिति में भी यातायात पुलिस में अपना ड्यूटी मोर्चा संभाले रखा और यातायात का सफलतापूर्वक संचालन कराया गया।

नोएडा : पुलिस के साथ मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

नोएडा,। जिले में थाना सूरजपुर पुलिस ने शुक्रवार को एक सूचना का आधार पर तीन बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। इस दौरान दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस उपायुक्त, जोन द्वितीय शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना सूरजपुर पुलिस मोजर बीयर गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी, तभी सूचना मिली कि रेलवे लाइन के किनारे जंगल में कुछ संदिग्ध लोग इकट्ठा है। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने वहां पर छापेमारी की। उनके अनुसार, खुद को घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस गोली चलाई। अवस्थी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बिट्टू उर्फ प्रवेश पुत्र ज्ञान सिंह तथा गोलू जाटव पुत्र हरगोविंद प्रसाद के पैर में गोली लग गई। उन्होंने बताया कि 24 वर्षीय बिट्टू गाजियाबाद के लोनी का रहने वाला है। गोलू की उम्र भी 24 साल है और वह जिला महोबा का निवासी है। अवस्थी ने बताया कि एक बदमाश नवीन पुत्र उधम सिंह मौके से भाग गया था जिसे पीछा करके पुलिस ने पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि तीनों के पास से दो पिस्टल, मैगजीन, कारतूस, एक देसी तमंचा, एक थार जीप, एक स्कॉर्पियो कार और एक बलेनो कार बरामद की गई है। उनके मुताबिक, पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि ये बदमाश लूटपाट और चोरी करते हैं। बिट्टू के ऊपर पूर्व में 10 मुकदमे दर्ज है। गोलू के ऊपर पूर्व में सात तथा नवीन के ऊपर तीन मुकदमे दर्ज हैं।

कार में टक्कर मारने का विरोध करने पर व्यक्ति को हेलमेट से पीटा

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। कार में टक्कर मारने का विरोध करने पर बाइक चालक ने एक व्यक्ति को उसकी पत्नी के सामने हेलमेट से पीट दिया। राहगीरों की मदद से घायल को अस्पताल पहुंचाया गया। फेज-3 थाने की पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की आरके लग्जरी सोसाइटी निवासी निष्ठा ओझा ने पुलिस को शिकायत दी कि वह और उनके पति कंपनी में काम करते हैं। दोनों काम के सिलसिले में गुरुवार सुबह कार से नोएडा जा रहे थे। कार जब सेक्टर-64 के ए ब्लॉक स्थित एक भूखंड के पास पहुंची, तभी विपरीत दिशा से आ रहे बाइक चालक ने कार में टक्कर मार दी। हादसे में कार क्षतिग्रस्त हो गई। महिला के पति ने कार से उतरकर बाइक चालक से विरोध जताया। बाइक चालक अभद्रता करने लगा तो निष्ठा के पति ने मामले की शिकायत पुलिस से करने की बात कही। इस पर आगबबूला हुए बाइक चालक ने निष्ठा के पति के सिर पर हेलमेट मार दिया। इससे निष्ठा के पति बेहोश हो गए। लोगों को एकत्र होता देख बाइक चालक भाग गया। राहगीरों की मदद से निष्ठा ने घायल पति को अस्पताल पहुंचाया और मामले की शिकायत फेज तीन थाने की पुलिस से की। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सहारनपुर नंबर की बाइक ने निष्ठा की कार में टक्कर मारी।

गुरुग्राम: हजारों की संख्या में लोगों ने ली नशा मुक्त होने की प्रतिज्ञा

● नशा मुक्त अभियान के तहत पटौदी के अनेक गांवों और शैक्षणिक संस्थानों में हुए कार्यक्रम

● ब्रह्माकुमारीज एवं भारत सरकार के तत्वाधान में देशभर में चलाया जा रहा है अभियान

गुरुग्राम,। ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर द्वारा शुक्रवार को पटौदी तहसील के अनेक गांवों एवं शैक्षणिक संस्थानों में नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम हुआ। भारत सरकार एवं ब्रह्माकुमारीज के तत्वाधान में आयोजित अभियान के तहत लोगों को नशे से होने वाले नुकसान की जानकारी दी गई। ओआरसी के डॉ. दुर्गेश ने कहा कि कमजोर मन का व्यक्ति ही नशा करता है। उन्होंने कहा कि कई बार तो लोग शौक से नशा करते हैं। लेकिन फिर उसकी आदत पड़ जाती है। नशा सभी बीमारियों को दावत देता है। नशे का एक कारण मानसिक तनाव भी है। तनाव के कारण मानव नशे का सहारा लेता है। नशा मुक्त होने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति जरूरी है। बीके रेखा ने लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि नशा मुक्त होने के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण जरूरी है। आध्यात्मिक मूल्य ही मनुष्य जीवन का श्रृंगार है। असली आनंद नशे में नहीं बल्कि आत्मा में निहित है। अभियान में लोगों को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा भी कराई है। शैक्षणिक संस्थानों में बीके पारुल ने छात्रों को मूल्यों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से हमारी जो आदत बन जाती है, वही ताउम्र रहती है। हमारे संस्कारों की नींव बचपन से ही पढ़ जाती है। अभियान का रॉयल पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, मैत्री पब्लिक स्कूल, श्रीराम पब्लिक स्कूल, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, एस. एस. सी. एकेडमी, सरस्वती पब्लिक स्कूल, उमा भारती पब्लिक स्कूल एवं अन्य कई शिक्षण संस्थाओं के छात्रों ने लाभ लिया। पटौदी तहसील के अंतर्गत भोराकलां, चैनपुरा, सिद्धरावली, नानुकला, बस्तपुर, खोड़, हेड़ीहेड़ा, खानपुर, बिनोला, बांसपदमका, मुमताजपुर, घोषगढ़ एवं सिद्रावली जैसे अन्य कई गांवों के लोगों ने नशा मुक्त होने की प्रतिज्ञा की। अभियान में प्रमुख रूप से संस्था के बीके जयप्रकाश, डॉ. दुर्गेश, बीके रेखा, बीके पारुल, बीके मनामी, बीके संजय, बीके धर्मा, बीके रूप लाल, बीके जयवीर, बीके सतीश एवं अन्य कई लोगों का सहयोग रहा।

चेयरपर्सन सना खानम ने पति मामून शाह खान के साथ डीएम से की मुलाकात

प्रात: किरण संवाददाता

रामपुर। सिविल लाइंस स्थित मीना बाजार की दुकाने ध्वस्त होने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष सना खानम ने जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह से मुलाकात कर दुकानदारों को रोजगार एवं पुनर्वास कराए जाने के संबंध मे मीना बाजार में दुकानो के निर्माण से संबंधित चर्चा की। जिलाधिकारी जोगिंदर सिंह ने आश्वासन दिया कि दुकानदारो को पुनर्वास कराने मे पूरी मदद कि जायेगी। पालिका अध्यक्ष सना खानम ने जल्द कार्ययोजना बनाए जाने के सम्बंध मे जानकारी दी जल्द ही दुकानदारों को बसाया जायेगा।

शादी समारोह से घर लौट रहे युवक पर हमला

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। ग्रेनो वेस्ट के सैनी गांव में बुधवार की रात शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे युवक पर पांच से अधिक लोगों ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उसे लाठी-डंडों से पीटा। पुलिस ने इस मामले में चार नामजद और कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक सैनी गांव में बुधवार को अजब सिंह की बेटी की शादी थी। शादी में प्रशांत नागर कन्यादान करने गया था। जब वह वापस घर लौट रहा था तो रास्ते में सैनी गांव निवासी दिपांशु नागर ने उसके साथ गाली गलौज की। विरोध करने पर दिपांशु ने अपने साथी हिमांशु, शिवम, सौरभ और अन्य के साथ मिलकर प्रशांत को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार किया। घायल प्रशांत का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस मामले में प्रशांत के पिता ने चार नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। सेक्टर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कृष्ण की बाल लीलाओं और गोवर्धन पूजा का वर्णन किया

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रह्मचारी कुटी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन किया गया। इसमें पहले प्रसंग में कथा व्यास आचार्य सुमित दीक्षित ने कहा कि बाल कृष्ण ग्वालों के साथ खेल रहे हैं और उनकी गेंद यमुना में चली जाती है। जिसमें, बिषैला कालिया नाग रहता है। कृष्ण यमुना में कूद जाते हैं और उस कालिया नाग का मान मर्दन करते हैं और उसे वहां से निकाल देते हैं। अगले प्रसंग में कथा व्यास ने बताया कि वृज में हर वर्ष इंद्र की पूजा होती है। लेकिन इस बार कृष्ण इंद्र की पूजा के लिए मना करते हैं और गोवर्धन पूजा के लिए सभी को मना लेते हैं। इस बात से इंद्र क्रोधित होकर भारी वर्षा करते हैं। सारे वृजवासी परेशान हो जाते हैं। तब भगवान कृष्ण अपनी उंगली पर गोवर्धन पर्वत को धारण कर सभी की रक्षा करते हैं। इंद्र भगवान कृष्ण से क्षमा मांगते हैं। इस मौके पर गोवर्धन भगवान का पूजन किया गया। आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि आज (शनिवार) को गोपी महारास, रुक्मणि मंगल कथाओं का वर्णन किया जाएगा।

मुठभेड़ में गोली लगने से दो बदमाश घायल

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा,। सूरजपुर कोतवाली पुलिस की गुरुवार की रात चोरी और लूटपाट करने वाले बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। उनके साथी को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि सूरजपुर कोतवाली की पुलिस टीम गुरुवार की रात मोजर बेयर गोलचक्कर पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान सूचना मिली कि रेलवे लाइन के किनारे जंगल में कुछ संदिग्ध लोग इकट्ठे हैं। उनके पास लूट और चोरी की कार है। पुलिस की टीम जंगल में पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस की टीम को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। उनकी पहचान बिट्टू उर्फ प्रवेश कसाना निवासी भूपखेड़ी थाना लोनी गाजियाबाद, गोलू उर्फ रवि जाटव निवासी गोटरा जिला महोबा के रूप में हुई। आरोपियों के एक साथी नवीन निवासी ग्राम जावली गाजियाबाद को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो पिस्तौल, एक मैंगजीन और बिना नंबर प्लेट लगी तीन लग्जरी गाड़ियां बरामद की। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि ये बदमाश लूट और चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश बिट्टू पर गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर के विभिन्न थानों में 10 और गोलू पर सात मुकदमे दर्ज हैं।

यूपी बोर्ड ने मूल्यांकन में अनुपस्थित परीक्षकों का ब्योरा मांगा

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा,। यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम के बाद माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा मूल्यांकन के समय अनुपस्थित रहने वाले परीक्षकों को तलब करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इसको लेकर शुक्रवार को विभाग द्वारा निर्देश जारी कर जिला विद्यालयों निरीक्षक से अनुपस्थित परीक्षकों एवं उप प्रधान परीक्षकों का विवरण मांगा गया हैं। बता दे कि जिले में 19 मार्च से दो अप्रैल तक हाइस्कूल और इंटरमीडिएट के मूल्यांकन के लिए जिले में 700 परीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसमें आंकड़ों के आधार पर हाईस्कूल में प्रतिदिन 513 में से 152 परीक्षक और इंटर में 283 में से 131 गुरुजी मूल्यांकन केंद्र पर अनुपस्थित रहे। ऐसे में सभी परीक्षकों को ब्योरा तैयार कर माध्यमिक शिक्षा परिषद तो भेजा जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समय जो शिक्षक अनुपस्थित रहे उनके खिलाफ बोर्ड को पत्र भेजा गया। विभाग द्वारा मूल्यांकन उन्हीं शिक्षकों से कराया गया जिनकी बोर्ड से ड्यूटी लगाई गई है। ऐसे में परिषद द्वारा निर्देश जारी कर संचालित मूल्यांकन कार्य में परिषद की ओर से नियुक्त अनुपस्थित परीक्षकों का विवरण एक सप्ताह में मांगा गया है।

फरीदाबाद : 35 किलोग्राम गांजा सहित व्यक्ति गिरफ्तार

फरीदाबाद,। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने 35 किलो 400 ग्राम के मामले में नशा उपलब्ध कराने वाले आरोपी को विशाखापट्नम से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने अपने गुप्त सुत्रों से प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए यशपाल निवासी ताजलका जिला तिजारा राजस्थान को फतेहपुर के पास नहर से 35 किलो 400 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। जिस संबंध में पुलिस थाना धौज में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। अपराध शाखा एनआईटी की टीम ने मामले में आगे कार्रवाई करते हुए नशा उपलब्ध कराने वाले आरोपी रेड्डी नानाजी (35) वासी गांव अगनामपुर, विशाखापट्नम को गिरफ्तार किया है। जिसने यशपाल को 35.400 किलो ग्राम गांजा दिया था।

हानिकारक ऊर्जा से इंसान को बचाता है : रुद्राक्ष

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारतीय संस्कृति में रुद्राक्ष, हर तरह की हानिकारक ऊर्जा से इंसान को बचाता है, इसलिए रुद्राक्ष का जीवन में बहुत महत्व है। रुद्राक्ष कवच की तरह नकारात्मक ऊर्जा से, असरदार रूप से, बचाने का काम करता है। इसलिए यह अपने आप में एक अलग विज्ञान है। अर्थव वेद में रुद्राक्ष के संबंध में बताया गया है कि रुद्राक्ष के ऊर्जा को, लोग अपने हित के लिए और दूसरे को अहित करने के लिए, कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है। रुद्राक्ष के संबंध में कहा गया है कि खुले में या जंगलों में रहने वाले साधु-संयासी अनजाने स्त्रोत का पानी नही पीते है, क्योंकि अक्सर किसी जहरीला गैस या किसी वजह से पानी जहरीला भी हो सकता है, रुद्राक्ष की मदद से यह जाना जा सकता है कि वह पानी पीने लायक है या नही। इसके लिए रुद्राक्ष को पानी के ऊपर लटकाना होता है। यदि पानी के ऊपर रुद्राक्ष घड़ी की दिशा में घूमता है तो इसका अर्थ हुआ कि पानी पीने योग्य है और यदि रुद्राक्ष घड़ी के उल्टे दिशा में घूमता है तो इसका अर्थ हुआ कि पानी पीने लायक नहीं है। रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। रुद्र अर्थात शिव और अश्र अर्थात आँसू। तात्पर्य यह है कि शिव के आँसू ही रुद्राक्ष है, जो फल के रूप में उत्पन्न हुए है। इस संदर्भ में शिव पुराण की विद्येश्वर संहिता में उल्लेख मिलता है। हमारे पौराणिक ग्रंथों में भी रुद्राक्ष के जन्मदाता भगवान शंकर को माना गया है। शिवपुराण, स्कन्दपुराण, लिंगपुराण आदि में रुद्राक्ष के सम्बंध में आध्यात्मिक, वैज्ञानिक और आयुर्वेदिक प्रकरण मिलते है। भारत में रुद्राक्ष, विशेषकर हिमालय के आंचलिक भागों में पाया जाता है। बिहार की सीमा से जुड़ा नेपाल के भोजपुर जिले में रुद्राक्ष की पैदावार अधिक होती है। इसके अतिरिक्त तिब्बत, इंडोनेशिया, सुमात्रा, चीन, जावा, मलेशिया, मेडागास्कर, पैसिफिक आइलैंड में भी रुद्राक्ष पैदा होती है। पुराणों में रुद्राक्ष एकमुखी से लेकर इक्कीसमुखी तक का उल्लेख है, जबकि सामान्य रूप से चौदहमुखी तक का ही रुद्राक्ष मिलता है। एकमुखी रुद्राक्ष एकमुखी रुद्राक्ष साक्षात शिव स्वरूप माना गया है। इसे धारण करने से ब्रह्महत्या जैसे महापाप भी दूर हो जाता है। एकमुखी रुद्राक्ष को अद्वितीय परब्रह्म, वृक्ष संभव ब्रह्म और वृक्ष सम्भव महारत्न माना गया है। इसलिए एकमुखी रुद्राक्ष सर्वोत्तम माना गया है। एकमुखी रुद्राक्ष अत्यंत दुर्लभ होता है। नेपाल के असली एकमुखी गोल दाने वाले रुद्राक्ष का दर्शन भी किसी भाग्यशाली को ही प्राप्त होता है। द्विमुखी रुद्राक्ष द्विमुखी रुद्राक्ष शिव और शक्ति का स्वरूप माना गया है। इसके धारण करने से मानव मुक्ति और मुक्ति, दोनों प्राप्त होता है। अनेक पापों के साथ-साथ गोवध जैसे महापाप भी दूर होता है। इसके धारक को मानसिक शांति, बुद्धि-विवेक जागृत, पारिवारिक सौहार्द में वृद्धि और कार्य-व्यापार में सफलता, मिलती है। यह द्विमुखी रुद्राक्ष भी अत्यंत दुर्लभ होता है, नेपाली गोल दाने के रूप में बहुत कम ही प्राप्त होता है। त्रिमुखी रुद्राक्ष त्रिमुखी रुद्राक्ष सत्व, रज और तम, इन तीनों के त्रिगुणात्मक शक्तियों का स्वरूप माना गया है। यह ब्रह्मा, विष्णु और शिव के स्वरूप का त्रिमूर्तिमय रूप होता है। त्रिमुखी रुद्राक्ष मानव को त्रिकालदर्शी बनाता है अर्थात भूत, भविष्य और वर्तमान का ज्ञान देने वाला होता है। त्रिमुखी रुद्राक्ष को अग्नि रूप माना गया है, इसलिए इसे धारण करने से मनुष्य की विध्वंसात्मक प्रवृत्तियों का दमन होता है और रचनात्मक प्रवृत्तियों का उदय होता है। चतुर्मुखी रुद्राक्ष चतुर्मुखी रुद्राक्ष को चतुर्मुख ब्रह्मा का स्वरूप और चारों वेदों का रूप माना गया है। यह चारों वर्ण ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र, और चारों आश्रम ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास, के द्वारा पूज्य और वंदनीय है। इसे धारण करने से चतुर्वर्ग फल यानि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति और सभी तरह के मानसिक रोग ठीक होता है। पंचमुखी रुद्राक्ष पंचमुखी रुद्राक्ष को भगवान शिव का पंचानन (पाँच मुखों) और पंचाक्षर मंत्र ह्लॐ नमः शिवायह्व का साक्षात स्वरूप बताया गया है। पंचमुखी रुद्राक्ष को कालाग्निरुद्र का प्रतीक भी माना गया है। इसे धारण करने से सब प्रकार के पाप मिट जाता है, इसलिए इसे अत्यंत प्रभावशाली तथा महिमामय माना जाता है। षष्टमुखी रुद्राक्ष षष्टमुखी रुद्राक्ष को षडानन कार्तिकेय का स्वरूप माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, षष्टमुखी रुद्राक्ष को स्वयं कार्तिकेय अपने सिर पर धारण करते थे। इसे धारण करने से शिक्षा, काव्य, व्याकरण, ज्योतिषशास्त्र, और चारों वेद, रामायण, महाभारत आदि ग्रंथों का मर्मज्ञ विद्वान हो सकता है। यह काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर को नष्ट करता है और चर्म रोग, हृदय की दुर्बलता तथा नेत्र रोग दूर होते है।

राष्ट्रीय एकता के ताने-बाने को तोड़ने की साजिश है, जातीय जनगणना

डॉ. राकेश दत्त मिश्र

भारत जैसे बहुजातीय, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश में जनगणना एक संवेदनशील विषय है। जब यह जनगणना जातीय आधार पर हो, तब यह केवल आंकड़े इकट्ठा करने का कार्य नहीं रह जाता है, बल्कि सामाजिक संरचनाओं में भारी बदलाव लाने वाला कदम बन जाता है। हाल ही में भारतीय जन क्रांति दल (डेमोक्रेटिक) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राकेश दत्त मिश्र ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित जातीय जनगणना के फैसले पर कड़ा विरोध जताया है और इसे ह्वहिन्दू समाज को विभाजित करने की राजनीतिक चालह्व कहा है। जातीय जनगणना का अर्थ होता है देश की जनसंख्या को जातीय पहचान के आधार पर वर्गीकृत करना। भारत में आखिरी बार पूर्ण जातीय जनगणना 1931 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। स्वतंत्रता के बाद से केवल अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का आंकड़ा लिया जाता रहा है। हाल ही में कुछ राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों ने यह मांग उठाई है कि ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की संख्या को भी आधिकारिक रूप से आंकलन किया जाए, जिससे नीतियों और आरक्षण में ह्वसमानुपातिक न्यायह्व सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. मिश्र ने स्पष्ट रूप से कहा है कि जातीय जनगणना भारत की सामाजिक एकता को खंडित करने की दिशा में एक षड्यंत्र है। उन्होंने वर्तमान सत्ताधारी दल पर आरोप लगाया कि ह्वकल तक जो पार्टी ह्वबटोगे तो कटोगेह्व और ह्वपाकिस्तान को सबक सिखाएंगेह्व की बात करती थी, वही आज हिन्दू समाज को जातियों में बांट रही हैह्व यह वक्तव्य सीधे तौर पर उस विरोधाभास की ओर इशारा करता है जो राष्ट्रवाद और जातिवाद के बीच झूलता दिखाई देता है। डॉ. मिश्र का तर्क है कि यह जनगणना ह्वहिन्दू समाज की एकजुटताह्व को तोड़ने के लिए किया जा रहा राजनीतिक षड्यंत्र है, जो अंततः भारत की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचा सकता है। डॉ. मिश्र का वाजिब सवाल है कि ह्वक्या आज के समय में महंगाई, बेरोजगारी, आतंकवाद, किसानों की दुर्दशा से बड़ा मुद्दा जातीय जनगणना है?ह्व इस प्रश्न में देश के आम नागरिक की चिंता स्पष्ट झलकती है। जब देश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा हो, किसान आत्महत्या कर रहे हों, आम जनता महंगाई से त्रस्त हो, तब जातिगत जनगणना जैसे मुद्दे को सर्वोपरि रखना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। राष्ट्रीय महासचिव डॉ. राकेश दत्त मिश्र ने कहा कि जातीय जनगणना समाज को वर्गीकृत करती है। इस वर्गीकरण के कई संभावित दुष्परिणाम हो सकते हैं, जैसे- जातिगत वैमनस्यता बढ़ेगी, एकता में विभाजन होगी और राजनीतिक ध्रुवीकरण। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान निर्माताओं ने जातिगत भेदभाव समाप्त करने का संकल्प लिया था। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए दी थी, न कि राजनीति जातिगत के लिए। डॉ. मिश्र ने अपने वक्तव्य में युवाओं, संत समाज, बुद्धिजीवियों और राष्ट्रभक्तों से अपील की है कि वे इस ह्वराजनीतिक जातिवादी षड्यंत्रह्व के खिलाफ मुखर हों। उन्होंने कहा कि ह्वजो समाज एकजुट नहीं रहता, उसकी दिशा भी बंट जाती है और उसकी दशा भी।ह्व यह बात भारतीय समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार के पास वंचित तबकों की मदद करने की ही उत्सुकता है, तो उसके लिए जरूरी है कि शैक्षणिक सुधार किए जाएं, न कि केवल जाति के आधार पर आरक्षण बढ़ाया जाए। आर्थिक सर्वेक्षण के आधार पर नीति निर्धारित की जाए, जिससे वास्तविक गरीबों को लाभ मिले। जाति को पहचान नहीं, सहअस्तित्व का आधार बनाया जाए। जनगणना का यदि करना ही है, तो वह सामाजिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति पर आधारित होनी चाहिए न की जाति पर।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा। जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा। जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरूआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है। जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गमार्या जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा। निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं। भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवेदनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो खत्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये कदम उठाया है। भाजपा इसके खिलाफ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके पक्ष में हैं।

पाकिस्तान के साथ निर्णायक युद्ध की घड़ी

दोनों पक्षों को इसे सुलझाना चाहिए। बहुत से लोगों ने इसके लिए ट्रंप पर विपरीत टिप्पणियां कीं। लेकिन लगता है ट्रंप ने जाने-अनजाने में इतिहास के एक बहुत बड़े तथ्य की ओर संकेत किया है। पाकिस्तान भारत के पश्चिमोत्तर का हिस्सा है। सन 712 में हिंदुस्तान पर अरबों का पहला हमला इसी क्षेत्र के सिंध प्रदेश पर हुआ था। सरल शब्दों में कहना हो तो आज के कराची शहर पर हुआ था। आज 2025 तक आते-आते उस हमले को हुए लगभग 1300 साल हो गए हैं। उसके बाद इस क्षेत्र में कभी शांति नहीं हो सकी। सन 1000 के आसपास तुर्कों ने इसी सप्त सिंधु क्षेत्र पर हमले करके इसे इस्लाम के घेरे में लाना शुरू किया था। पांच सौ साल तक यह दुखांत अबाध रूप से चलता रहा। लेकिन इन पांच सौ साल में हिंदुस्तान के पश्चिमोत्तर की बहुत सी जनसंख्या को डरा धमका कर या लालच से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में मतांतरित कर दिया गया। संघर्ष और विरोध भी होता रहा। सन 1500 के आसपास मुगलों ने हल्ला बोल दिया।

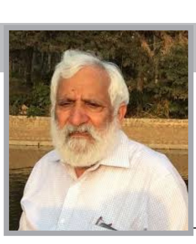

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

लेखक

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने पहलगाम पर पाकिस्तान द्वारा किए गए परोक्ष आक्रमण करते हुए कहा कि यह झगड़ा एक हजार साल से चला हुआ है। दोनों पक्षों को इसे सुलझाना चाहिए। बहुत से लोगों ने इसके लिए ट्रंप पर विपरीत टिप्पणियां कीं। लेकिन लगता है ट्रंप ने जाने-अनजाने में इतिहास के एक बहुत बड़े तथ्य की ओर संकेत किया है। पाकिस्तान भारत के पश्चिमोत्तर का हिस्सा है। सन 712 में हिंदुस्तान पर अरबों का पहला हमला इसी क्षेत्र के सिंध प्रदेश पर हुआ था। सरल शब्दों में कहना हो तो आज के कराची शहर पर हुआ था। आज 2025 तक आते-आते उस हमले को हुए लगभग 1300 साल हो गए हैं। उसके बाद इस क्षेत्र में कभी शांति नहीं हो सकी। सन 1000 के आसपास तुर्कों ने इसी सप्त सिंधु क्षेत्र पर हमले करके इसे इस्लाम के घेरे में लाना शुरू किया था। पांच सौ साल तक यह दुखांत अबाध रूप से चलता रहा। लेकिन इन पांच सौ साल में हिंदुस्तान के पश्चिमोत्तर की बहुत सी जनसंख्या को डरा धमका कर या लालच से इस्लाम पंथ या शिया पंथ में मतांतरित कर दिया गया। संघर्ष और विरोध भी होता रहा। सन 1500 के आसपास मुगलों ने हल्ला बोल दिया। उनके काल में तो ह्वइस्लाम में आ जाओ या फिर मरने की तैयारी करोह्ल का माहौल बनने लगा। लेकिन विरोध भी उतना ही तीखा होने लगा। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी तक की दशगुरु परंपरा इसी काल में शुरू हुई थी। लेकिन अब तक भारत का बहुत बड़ा हिस्सा मसलन बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश और पंजाब का बहुत बड़ा हिस्सा इस्लाम पंथ को ग्रहण कर चुका था। अठारहवीं सदी में भारत पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया। वे बीसवीं शताब्दी के मध्य में देश से तो चले गए, लेकिन जाने से पहले पश्चिमोत्तर भारत या सप्त सिंधु क्षेत्र के उस हिस्से को जो पिछले हजार साल में इस्लाम की चपेट में आ चुका था, पाकिस्तान नाम देकर भारत से अलग कर गए। उसके बाद अरबों, तुर्कों या मुगलों को हिंदुस्तान पर हमला करने की जरूरत नहीं पड़ी या फिर उनमें अब उतनी हिम्मत नहीं रही थी, लेकिन उनका यह काम भारत के ही उस हिस्से ने संभाल लिया जिसे अंग्रेज इस्लाम के आधार पर अलग करके गए थे। उसके बाद पाकिस्तान द्वारा 1947-48, 1965, 1971 में किए गए हमलों और उसके बाद कारगिल युद्ध को देखा जा सकता है। कारगिल के बाद तो अब तक आतंकवाद के रूप में यह युद्ध निरंतर चल रहा है। ट्रंप ने सही कहा है कि यह लड़ाई हजार-पंद्रह सौ साल से चली हुई है। अंतर केवल इतना ही है कि पहले हमले अरब, तुर्क या मुगल करते थे, लेकिन अब उनमें भारत पर हमले करने की हिम्मत तो नहीं बची है या फिर उन्हें शायद इसकी जरूरत भी नहीं है। अलबत्ता अब अपने ही वे लोग जिन्होंने इस कालखंड में इस्लाम ग्रहण कर लिया था, जब भारत पर हमला करते हैं तो तुर्क उनकी मदद पर आ जाते हैं। तुर्की इस समय यही कर रहा है। लेकिन अब मुख्य प्रश्न यही है कि क्या पंद्रह सौ साल से चली आ रही इस लड़ाई को खत्म करने का वक्त आ गया है? यह सवाल इसलिए भी जोर पकड़ रहा है क्योंकि इस समय देश में प्रधानमंत्री के पद पर नरेंद्र मोदी हैं और देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। भारतीय जनता पार्टी अपने जनसंघ काल से ही इस लंबी लड़ाई को निर्णायक रूप से खत्म करने के पक्ष में रही है। कुछ तथाकथित विद्वान इसकी व्याख्या यह कह कर करते हैं कि भारतीय जनता पार्टी इस्लाम पंथ और शिया पंथ के खिलाफ है। भाजपा किसी के खिलाफ नहीं है, वह भारत के पक्ष में है। भाजपा यह मानती है कि इस देश में भगवान की पूजा के हजारों तरीके हैं, उनमें नमाज पढ़ कर ईश्वर की आराधना भी एक है। इसी प्रकार ईश्वर के नाम भी अनेक हैं, उनमें से अल्लाह भी एक है। इसलिए विरोध का तो प्रश्न ही नहीं है। अलबत्ता भगवान की पूजा करने के जितने तरीके हैं, उन सभी के आधार पर देश के उतने टुकड़े नहीं किए जा सकते। पाकिस्तान नाम का टुकड़ा इसी आधार पर देश से अलग किया गया था। यह आधार ही गलत था। भाजपा मानती है कि यह घृणित कार्य साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतों ने किया था, जिन्हें भारत को कमजोर रखने के लिए इसकी जरूरत थी। पाकिस्तान के एक मंत्री ने तो सार्वजनिक रूप से यह मान ही लिया है कि हम पिछले चालीस साल से ब्रिटेन-अमेरिका के कहने से भारत के खिलाफ यह गंदा काम कर रहे हैं। पाकिस्तान के इन गंदे कामों के कारण ही भारत में यह मांग उठ रही है कि हजार-पंद्रह सौ साल से चले आ रहे इस युद्ध को समाप्त करने का सही समय आ गया है। इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं। पाकिस्तान में भी बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनखवा, सिंध प्रदेश से यह मांग उठ रही है। यह सब इलाके पाकिस्तान में नहीं बने रहना चाहते। लेकिन भारत के अंदर इस संभावित निर्णायक युद्ध के समय क्या स्थिति है, इस पर चर्चा करने से पहले मुझे बाबा साहिब अंबेडकर का संविधान सभा की अंतिम बैठक में दिया गया ऐतिहासिक भाषण याद आ रहा है। बाबा साहिब ने कहा था, ह्वमुहम्मद बिन कासिम द्वारा सिंध पर चढ़ाई के समय राजा दाहिर सेन के सैन्य कमांडरों ने मुहम्मद बिन कासिम के एजेंटों से रिश्वत ले ली और अपने स्वयं के राजा के पक्ष में लड से मना कर दिया। वह जयचंद ही था जिसने भारत पर आक्रमण करने और पृथ्वीराज चौहान से लड के लिए मुहम्मद गौरी को भारत में आमंत्रित किया और उससे स्वयं सोलंकी राजाओं के साथ उसकी सहायता करने का वादा किया। जब शिवाजी हिंदुओं की मुक्ति के लिए लड़ रहे थे, तो कई अन्य मराठा राजवंश और राजपूत राजा मुगल सम्राटों के साथ मिलकर उनके खिलाफ लड़ाई लड़ रहे थे। झ क्या इतिहास स्वयं को दोहराएगा? यह ऐसा विचार है जो मुझे चिंतित करता है। यह चिंता इस तथ्य के बोध से और अधिक गहरी हो जाती है कि ह्वजातिह्ल और ह्वपंथह्ल के रूप में हमारे पुराने शत्रुओं के अतिरिक्त, अब हमारा साथ बहुत से राजनीतिक दलों व उनके विविध एवं विरोधी राजनीतिक पंथों के साथ भी जुड जा रहा है। क्या भारतीय अपने देश को अपने पंथ से ऊपर रखेंगे या वे देश के ऊपर पंथ स्थापित करेंगे? मुझे नहीं पता। लेकिन यह बहुत निश्चित है कि यदि इन राजनीतिक दलों ने देश से ऊपर पंथ रखा, तो हमारी स्वतंत्रता को दूसरी बार संकट में डाल दिया जाएगा और संभवतः यह हमेशा के लिए खो जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती रुपए की ताकत एवं भारत में बढ़ता विदेशी मुद्रा भंडार

दिनांक 07 फरवरी 2025 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की तुलना में भारतीय रुपए की कीमत सबसे निचले स्तर अर्थात 87.44 रुपए प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई थी। इसके बाद धीरे धीरे इसमें सुधार होता हुआ दिखाई दिया है एवं अब दिनांक 30 अप्रेल 2025 को यह 84.50 रुपए प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। वहीं दिनांक 18 अप्रेल 2025 को भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भी तेज गति से आगे बढ़ता हुआ 68,610 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है और यह दिनांक 27 सितम्बर 2024 के उच्चतम स्तर 70,489 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर के बहुत करीब है। भारतीय रुपए की मजबूती एवं विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब विश्व के समस्त देश अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ युद्ध का सामना करते हुए संकट में दिखाई दे रहे हैं। परंतु, भारत पर टैरिफ युद्ध का असर लगभग नहीं के बराबर दिखाई दे रहा है। यह भी सही है कि हाल ही के समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव बढ़ा है और अमेरिकी डॉलर इंडेक्स लगभग 109 के स्तर से नीचे गिरकर दिनांक 30 अप्रेल 2025 को 99.43 के स्तर पर आ गया है। शायद अमेरिका भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को कम करना चाहता है ताकि अमेरिका में आयात महंगे हों एवं अमेरकी निर्यातकों को अधिक लाभ पहुंचे। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर पर दबाव के बढ़ने से सोने की कीमतों में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और यह दिनांक 22 अप्रेल 2025 को अपने उच्चतम स्तर 3500 अमेरिकी डॉलर प्रति आउन्स पर पहुंच गई थी। साथ ही, अमेरिकी शेयर बाजार भी धराशायी हुआ है और डाउ जोंस एवं अन्य इंडेक्स में भारी गिरावट दर्ज हुई है। अब ऐसा आभास हो रहा है कि ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध छेड़े गए टैरिफ युद्ध का विपरीत असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रुपए के मजबूत होने के चलते भारतीय शेयर (पूंजी) बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशक एक बार पुनः अपना निवेश बढ़ाने लगे हैं एवं पिछले लगातार 8 दिनों से इन विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में शेयरों की भारी मात्रा में खरीद की है। जबकि, सितम्बर 2024 के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपना निवेश निकाल रहे थे और इस बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगभग 3 लाख करोड़ रुपए के शेयरों की बिक्री भारतीय शेयर बाजार में की है। जिसके चलते भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी इंडेक्स में लगभग 3500 अंकों की भारी गिरावट दर्ज हुई थी। परंतु, भारतीय संस्थागत निवेशकों, भारतीय म्यूचअल फण्ड एवं खुदरा निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में अपना निवेश बढ़ाकर भारतीय पूंजी बाजार को सम्हालने में मदद की है अन्यथा भारतीय शेयर बाजार क्रेश हो गया होता। परंतु, अब भारतीय शेयर बाजार में सुधार होता हुआ दिखाई दे रहा है एवं अब एक बार पुनः यह आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही के समय में निफ्टी इंडेक्स में लगभग 1500 अंकों की वृद्धि दर्ज हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के विदेशी व्यापार में लगभग 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। विभिन्न देशों को भारत से निर्यात 5.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 82,093 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं वहीं अन्य देशों से भारत में होने वाले आयात 6.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 91,519 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गए हैं। निर्यात की तुलना में आयात में वृद्धि दर अधिक रही है जिसके चलते भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 9,426 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। व्यापार घाटे के बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव बढ़ा और रुपया कमजोर हुआ। भारत में कच्चे तेल एवं स्वर्ण का आयात भारी मात्रा में होता है। मुख्य रूप से इन्हीं दो मदों की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ीं थी, जिसका प्रभाव भारत में अधिक आयात के रूप में दिखाई दिया है। परंतु, अब हर्ष की बात है कि कच्चे तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल से घटकर लगभग 65 अमेरिकी डॉलर प्रति बेरल पर नीचे आ गई है और स्वर्ण के महंगे होने के चलते स्वर्ण का आयात भी कुछ कम हुआ है। उक्त दोनों घटनाओं के परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए पर दबाव कुछ कम होता हुआ दिखाई दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में भले स्थितियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं है, परंतु भारत में आंतरिक मजबूती के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, स्टैंडर्ड एवं पूअर आदि अंतरराष्ट्रीय रेटिंग संस्थानों ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में विकसित हो रही विपरीत परिस्थितियों के बीच भी, भारतीय अर्थव्यवस्था के 6 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ने की सम्भावना व्यक्त की है।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग से दुष्कर्म मामला : सड़कों पर उतरे लोग, किया बंद का आह्वान

देहरादून। उत्तराखंड के नैनीताल में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आने के दूसरे दिन भी माहौल तनावपूर्ण है। इस घटना के विरोध में लोगों ने रोष जाहिर करते हुए बंद का ऐलान किया है। इस वजह से सभी दुकानें, रेस्टोरेंट, होटल और ढाबे बंद हैं। दूर-दूर तक लोगों का आवागमन देखने को नहीं मिल रहा है। सड़कें वीरान पड़ी हैं। लोगों ने आह्वान किया कि हमें इस घटना के विरोध में एकजुट होकर प्रदर्शन किया और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इस घटना के विरोध में पथराव की घटना भी सामने आई है। हालांकि, किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा न हो, इसके लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिस बलों को तैनात कर दिया गया। कड़ी चेकिंग के बाद ही शहर में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश दिया जा रहा है। साथ ही, जो पर्यटक यहां पहुंचे थे, वे अब समय से पहले ही अपने-अपने स्थान रवाना हो रहे हैं। वहीं यहीं, जिन लोगों ने यहां आने का प्लान बना लिया था और टिकट बुक करा लिया था, अब ऐसे लोग अपनी टिकट कैंसिल करवा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, अब तक 30 प्रतिशत बुकिंग रद्द हो चुकी है। बता दें कि गुरुवार को नैनीताल में नाबालिग संग दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया था। दुष्कर्म का आरोप 76 वर्षीय आरोपी पर लगा था। इस घटना के विरोध में लोगों ने बड़ी संख्या में सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कर दिया था कि जब तक आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं की जाती है, तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। वहीं, परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली। इसके बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने नाबालिग पीड़िता के परिजनों को आश्वस्त किया है कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मध्यप्रदेश में तबादलों से हटा बैन, 30 मई तक होंगे तबादले

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में आज से 30 मई तक के लिए तबादले शुरु हो गए हैं और तबादले के इच्छुक अधिकारी-कर्मचारी तबादला कराने के लिए जानकारी जुटाने में जुट गए हैं। इस बीच प्रदेश में आईएएस और आईपीएस अफसरों के तबादले होना भी तय है। जबलपुर कमिश्नर अभय कुमार वर्मा के रिटायर होने के बाद यहां नए अधिकारी की पोस्टिंग होना है, वहीं इस माह 31 मई को दतिया कलेक्टर संदीप कुमार मॉकिन और 30 जून को सागर संभागायुक्त वीरेंद्र सिंह रावत भी सेवानिवृत्त हो जाएंगे। बता दें जबलपुर कमिश्नर अभय वर्मा 30 अप्रैल को रिटायर हो चुके हैं। उनके रिटायरमेंट के बाद अब जबलपुर संभागायुक्त के पद के लिए सचिव स्तर के अधिकारी की पोस्टिंग की जाना है। प्रदेश के बड़े संभागों में शामिल जबलपुर कमिश्नर बनने के लिए कुछ आईएएस अधिकारी लॉबिंग कर रहे हैं और माना जा रहा है कि सीएम डॉ मोहन यादव की हरी झंडी मिलते ही इस सप्ताह किसी अधिकारी की पदस्थापना जबलपुर संभागायुक्त के पद पर हो जाएगी। इसी तरह सामान्य प्रशासन विभाग में अपर सचिव पद पर कार्यरत शैलबाला मार्टिन भी 30 अप्रैल को रिटायर हो चुकी हैं। इसके बाद 31 मई को दतिया कलेक्टर मॉकिन का रिटायरमेंट है। इसलिए दतिया समेत कुछ अन्य जिलों के कलेक्टरों को भी बदला जा सकता है। वहीं सागर संभागायुक्त वीरेंद्र सिंह रावत का रिटायरमेंट जून में होगा।

फर्जी टीआई बनकर वसूली, बिलासपुर का आरक्षक गिरफ्तार

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में एक पुलिस आरक्षक की आपराधिक हरकत सामने आई है, जिसने न सिर्फ अपनी ड्यूटी में लापरवाही बरती, बल्कि पुलिस टीआई बनकर वाहन चालकों से अवैध वसूली भी करता पकड़ा गया। यह सनसनीखेज मामला डभरा थाना क्षेत्र का है, जहां रात करीब 1:30 बजे डभरा-चंद्रपुर मार्ग पर बोलेरो सवार युवक खुद को टीआई बताकर लोगों से पैसे वसूल रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी रजनीश लहरे बिलासपुर पुलिस लाइन में आरक्षक के पद पर पदस्थ है और उसे एक बंदी की सुरक्षा में बिलासपुर के अस्पताल में तैनात किया गया था। लेकिन ड्यूटी के दौरान बंदी फरार हो गया, और लहरे बंदी की तलाश के बहाने सक्ती जिले के हसौद क्षेत्र तक पहुंच गया। मगर बंदी को खोजने के बजाय उसने डभरा-चंद्रपुर मार्ग पर वाहनों को रोकना शुरू कर दिया और खुद को डभरा टीआई बताकर धमकी देते हुए वाहन चालकों से कागजात के नाम पर वसूली शुरू कर दी। गश्त पर निकले डभरा थाना प्रभारी ने जब रात में सड़क पर वाहनों की लंबी कतार देखी, तो मौके पर पहुंचे। यहां एक बोलेरो में तीन युवक मिले, जिसमें आरक्षक रजनीश लहरे पुलिस अधिकारी बनकर वसूली कर रहा था।

योगी सरकार की बड़ी पहल, ट्रांसजेंडर समुदाय को मिलेगा राशनकार्ड

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक और सामाजिक सरोकार निभाते हुए ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार अब विशेष अभियान चलाकर ट्रांसजेंडर नागरिकों को राशन कार्ड मुहैया कराएगी। इसके तहत उन्हें पात्र गृहस्थी राशन कार्ड जारी कर खाद्यान्न की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

खाद्य एवं रसद विभाग के निर्देश के अनुसार, राज्य के सभी जिलों में विशेष अभियान चलाकर ऐसे ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक किसी कारणवश राशन कार्ड से वंचित हैं। यह कदम समाज के इस उपेक्षित वर्ग को न केवल भोजन की सुरक्षा देगा, बल्कि उन्हें शासन की मुख्यधारा से भी जोड़ेगा। उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड ने शासन को अवगत कराया है कि राज्य में बड़ी संख्या में ट्रांसजेंडर नागरिक आज भी आजीविका के स्थायी साधनों से वंचित हैं। सामाजिक असमानताओं के चलते न तो उनके पास स्थायी रोजगार है और न ही राशन कार्ड जैसी बुनियादी सरकारी सुविधा। इससे वे खाद्य सुरक्षा जैसी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशील सोच और समावेशी विकास की नीति के तहत इस गंभीर समस्या का संज्ञान में लेते हुए अब इन वंचित नागरिकों के लिए राशन कार्ड बनाए जाएंगे और उन्हें नियमित खाद्यान्न की आपूर्ति दी जाएगी।

खाद्य एवं रसद विभाग ने समस्त जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में ट्रांसजेंडर समुदाय के सभी पात्र व्यक्तियों को चिह्नित कर तत्काल प्रभाव से राशन कार्ड जारी करें। राशन कार्ड जारी करने की प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और सरल बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति को योजना से वंचित न रहना पड़े। इस अभियान के अंतर्गत पात्रता की पुष्टि के उपरांत संबंधित व्यक्तियों को ह्यपात्र गृहस्थीह्न श्रेणी में सम्मिलित कर उन्हें राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लाभान्वित किया जाएगा। योगी सरकार का यह कदम उनके उस संकल्प का हिस्सा है, जिसके तहत ह्यसबका साथ, सबका विकासह्न की भावना को व्यवहार में उतारा जा रहा है। ट्रांसजेंडर समुदाय, जो अक्सर समाज की उपेक्षा का शिकार होता आया है, अब समान अधिकारों और सुविधाओं का लाभ पाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी अक्सर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश का कोई भी नागरिक चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहेगा।

पहलगाम हमले के बाद भारत पर साइबर युद्ध का खतरा, 10 लाख से अधिक हमले दर्ज महाराष्ट्र साइबर सेल

महाराष्ट्र साइबर सेल द्वारा तैयार की गई एक विस्तृत रिपोर्ट इकोज ऑफ पहलगाम में खुलासा हुआ है कि 23 अप्रैल के बाद से देश पर करीब 10 लाख साइबर हमले हो चुके हैं। ये हमले न केवल डिजिटल सुरक्षा को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि देश के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को भी खतरे में डाल रहे हैं। महाराष्ट्र साइबर सेल के प्रमुख यशस्वी यादव ने बताया, पहलगाम हमले के बाद साइबर हमलों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। यह कोई सामान्य डिजिटल हमला नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साइबर युद्ध है, जिसका मकसद भारत की डिजिटल और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करना है। रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले मुख्य रूप से पाकिस्तान, मध्य पूर्व, मोरक्को और इंडोनेशिया से संचालित हो रहे हैं। इन हमलों के पीछे स्वयं को इस्लामिक ग्रुप्स बताने वाले साइबर संगठन सक्रिय हैं, जिनमें पाकिस्तान का टीम इन्सैन पीके सबसे प्रमुख है। यह एक एडवांस्ड परसिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) क्या है। ग्रुप है, जिसने आर्मी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सैनिक वेलफेयर और कई आर्मी पब्लिक स्कूलों की वेबसाइट्स को निशाना बनाया है।

प्रात : किरण/एजेंसी

मुंबई। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत अब एक नए मोर्चे पर हमले का सामना कर रहा है, जिसे साइबर वॉर फेयर का नाम दिया जा रहा है। महाराष्ट्र साइबर सेल द्वारा तैयार की गई एक विस्तृत रिपोर्ट इकोज ऑफ पहलगाम में खुलासा हुआ है कि 23 अप्रैल के बाद से देश पर करीब 10 लाख साइबर हमले हो चुके हैं। ये हमले न केवल डिजिटल सुरक्षा को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि देश के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर को भी खतरे में डाल रहे हैं। महाराष्ट्र साइबर सेल के प्रमुख यशस्वी यादव ने बताया, पहलगाम हमले के बाद साइबर हमलों में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई है। यह कोई सामान्य डिजिटल हमला नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साइबर युद्ध है, जिसका मकसद भारत की डिजिटल और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करना है। रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले मुख्य रूप से पाकिस्तान, मध्य पूर्व, मोरक्को और इंडोनेशिया से संचालित हो रहे हैं। इन हमलों के पीछे स्वयं को इस्लामिक ग्रुप्स बताने वाले साइबर संगठन सक्रिय हैं, जिनमें पाकिस्तान का टीम इन्सैन पीके सबसे प्रमुख है। यह एक एडवांस्ड परसिस्टेंट थ्रेट (एपीटी) क्या है। ग्रुप है, जिसने आर्मी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सैनिक वेलफेयर और कई आर्मी पब्लिक स्कूलों की वेबसाइट्स को निशाना बनाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों में वेबसाइट डिफेसमेंट, कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम एक्सप्लॉइटेशन और कमांड एंड कंट्रोल (सी2) अटैक्स जैसे तरीके अपनाए गए हैं। इसके अलावा, बांग्लादेश का एमटीबीडी और इंडोनेशिया का इंडो हेक्स सेक जैसे ग्रुप भी भारतीय टेलीकॉम डेटा और स्थानीय प्रशासनिक पैनलों को निशाना बना रहे हैं। ये हमले 26 अप्रैल से शुरू हुए और कई मामलों में सफल भी रहे। डार्क वेब पर भारतीय टेलीकॉम का टेराबाइट डेटा लीक होने की घटना ने देश की साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। महाराष्ट्र साइबर ने कुछ अटैक्स को रोका है, लेकिन रिपोर्ट बताती है कि भारत की क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे रेलवे, बैंकिंग और सरकारी पोर्टल्स पर खतरा मंडरा रहा है। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि कई जगहों पर साइबर सुरक्षा कमजोर है, जिसकी वजह से अटैक सफल हुए, डार्क वेब पर भारतीय टेलीकॉम का टेराबाइट डेटा लीक किया गया है, जिससे देश की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा होता है। यशस्वी यादव ने बताया कि कई सरकारी और निजी संस्थानों में साइबर सुरक्षा व्यवस्था कमजोर है, जिसका फायदा हैकर्स उठा रहे हैं। हमने सभी एजेंसियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी साइबर सुरक्षा को मजबूत करें। रेड टीम असेसमेंट, डीडीओएस फेलओवर टेस्ट और सिस्टम ऑडिट्स को अनिवार्य करना होगा। ह्यइकोज ऑफ पहलगामह्न रिपोर्ट को राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइबर युद्ध अब भौतिक हमलों जितना ही खतरनाक हो चुका है।

हमारी सरकार सिर्फ बोलती ही नहीं है, बल्कि कार्रवाई भी करती है : दिलीप घोष

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के नेता दिलीप घोष ने शुक्रवार को पहलगाम हमले के संदर्भ में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सिर्फ बोलते नहीं हैं, बल्कि करके भी दिखाते हैं। सरदार पटेल के बाद तो लोग भूल ही गए थे कि देश में कोई गृह मंत्री का भी पद होता है, लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई, उससे लोगों को गृह मंत्री के पद का एहसास हुआ।

भाजपा नेता ने ये बातें पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कही, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकियों का समूल नाश किया जाएगा। उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अब समय आ चुका है कि आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारें।

इसके अलावा, भाजपा नेता दिलीप घोष ने ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के उस बयान पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार कह रही है कि हम आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शेंगे नहीं, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि अगर केंद्र सरकार आतंकियों के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर पाई, तो फिर भाजपा उनके घर में घुस जाएगी। ओवैसी के इसी बयान पर दिलीप घोष ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, क्या होगा। आप उसे छोड़िए। भाजपा सरकार ने आतंकियों के खिलाफ क्या किया है, जरा वो देखिए। उन्होंने सवाल पूछा, पिछले 75 सालों में आतंकियों के खिलाफ किसने कार्रवाई की? आतंकियों को किसने खत्म किया? जवाब बिल्कुल स्पष्ट है, मोदी सरकार ने किया है।

आप ये देखिए कि अभी तक तो प्रधानमंत्री मोदी ने ये भी नहीं कहा है कि हम पाकिस्तान पर हमला करेंगे। लेकिन, उससे पहले ही पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। वहां पर लोग खौफ में हैं। पाकिस्तान अब धीरे-धीरे खाली होता जा रहा है। वहां के सभी मंत्री अब विदेश रवाना हो रहे हैं। इस तरह से पाकिस्तान खाली होता जा रहा है। पाकिस्तानियों को कुछ समझ नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। भाजपा नेता ने पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब जहाज डूबता है, तो सबसे पहले चूहे ही भागते हैं। पाकिस्तान में मौजूदा स्थिति ऐसी ही बनी हुई है। सभी चूहे अब भाग रहे हैं। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया था। यह सभी पर्यटक देश के अलग-अलग राज्यों से थे। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर ए तैयबा ने ली थी। इस आतंकी हमले के बाद केंद्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सबसे पहले 1960 के सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इसके बाद भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कह दिया था। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के साथ अपने राजनयिक संबंधों में कटौती करते हुए दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग से कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने का आदेश दिया था।

शुभ मुहूर्त में खोले गए केदारनाथ धाम के कपाट, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

प्रात : किरण/एजेंसी

केदारनाथ। उत्तराखंड में स्थित विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार को विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ भक्तों के लिए खोल दिए गए। अब अगले छह महीनों तक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर पाएंगे। शुक्रवार सुबह 7 बजे शुभ मुहूर्त में विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम के कपाट विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ खोले गए। मंदिर के कपाट खुलते ही हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई। कपाट खुलते समय आर्मी बैंड ने मधुर धुनें बजाईं। इस दौरान केदारनाथ घाटी श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज उठी।

इस अवसर पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी समेत प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा, केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग, मुख्य पुजारी वागेश लिंग, तीर्थ पुरोहित, बीकेटीसी के पदाधिकारी, स्थानीय समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद रहे।इससे पहले, अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर यमुनोत्री धाम के कपाट खोले गए थे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बीते बुधवार को 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी मौजूद रहे थे।बता दें कि यमुनोत्री और गंगोत्री के बाद केदारनाथ धाम के कपाट भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं। अब चार मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट भी खुल जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यमुनोत्री से यात्रा शुरू करने पर चारधाम यात्रा में किसी भी प्रकार की रुकावट भक्तों को नहीं आती है। यमुनोत्री, यमुना नदी का उद्गम स्थल है।

यमुना जी यमराज की बहन हैं और उन्हें वरदान प्राप्त है कि वह अपने जल के माध्यम से सभी का दुख दूर करेंगी। मान्यता है कि जो श्रद्धालु यमुनोत्री में स्नान करता है, उसे मृत्यु के भय से मुक्ति मिल जाती है। इसी वजह से भक्त चारधाम यात्रा की शुरूआत यमुनोत्री से करते हैं। हर साल की तरह इस बार भी बाबा केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवाएं 2 मई से शुरू होंगी। तिरुवनंतपुरम, 02 मई (वेब वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का केरल में स्वागत करने पर खुशी जताई। पीएम मोदी विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार शाम को केरल पहुंचे। कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी का केरल में स्वागत करने पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली एयरपोर्ट पर देरी के बावजूद मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन पर उनका स्वागत करने के लिए समय पर तिरुवनंतपुरम में उतरने में सफल रहा। मैं विझिनजाम बंदरगाह के आधिकारिक रूप से चालू होने का इंतजार कर रहा हूं। यह एक ऐसी परियोजना है जिसमें शुरू से ही शामिल होने पर मुझे गर्व है। बता दें कि पीएम मोदी शुक्रवार (दो मई) को विझिनजाम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का आधिकारिक रूप से उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने के लिए पीएम मोदी केरल पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर विमान से उतरने के बाद पीएम मोदी राजभवन की तरफ रवाना हो गए। इस दौरान सड़क किनारे पीएम मोदी के स्वागत के लिए खड़े आम लोगों और भाजपा कार्यकताओं का पीएम मोदी ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया। बंदरगाह के चालू होने से केरल को वैश्विक समुद्री मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं नौवहन में देश की भूमिका में बदलाव की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना 8 हजार 867 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पूरी हुई है। सफल परीक्षण के बाद बंदरगाह को पिछले साल दिसंबर में वाणिज्यिक कमीशनिंग प्रमाणपत्र मिला था। बता दें कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा था कि यह सिर्फ एक नए बंदरगाह का उद्घाटन नहीं है। यह एक नए युग की शुरूआत है, जो भारतीय व्यापार और रसद को एक मजबूत वैश्विक उपस्थिति प्रदान करेगा।

साइबर पुलिस ने पंकजा मुंडे को अश्लील कॉल करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण/एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकजा मुंडे को कथित तौर पर अश्लील कॉल करने और अभद्र मैसेज भेजने के आरोप में पुणे के भोसरी से एक 25 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान अमोल काले के रूप में हुई है, पिछले कुछ दिनों से पंकजा मुंडे को फोन कॉल और मैसेज के जरिए परेशान कर रहा था। इस घटना ने साइबर अपराध और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मामले की जानकारी देते हुए साइबर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पंकजा मुंडे के कार्यालय ने अश्लील कॉल और मैसेज की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर साइबर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय न्यास संहिता (बीएनएस) की धारा 78 (महिलाओं के खिलाफ अश्लील व्यवहार) और धारा 79 (महिलाओं की गरिमा का अपमान) के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच शुरू की और कॉल करने वाले का स्थान ट्रेस किया, जो पुणे के भोसरी क्षेत्र में मिला। पुणे पुलिस के भोसरी स्टेशन के अधिकारियों के सहयोग से साइबर पुलिस ने आरोपी अमोल काले को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ में काले ने पंकजा मुंडे को कॉल करने और मैसेज भेजने की बात स्वीकार की। इसके बाद उसे नोटिस देकर मुंबई लाया गया, जहां औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। काले को स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दो दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अब इस मामले में गहन जांच कर रही है ताकि आरोपी के इरादों और इस कृत्य के पीछे की मंशा का पता लगाया जा सके।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अमोल काले मूल रूप से महाराष्ट्र के बीड जिले के परली का रहने वाला है और वर्तमान में पुणे में रहकर पढ़ाई कर रहा है। साइबर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने कॉल और मैसेज में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था, जिससे पंकजा मुंडे को मानसिक रूप से परेशानी हुई। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि काले का यह व्यवहार व्यक्तिगत रंजिश से प्रेरित था या किसी अन्य कारण से प्रेरित था।

मप्र के विदिशा में बारातियों से भरा पिकअप वाहन पलटा, चार की मौत व 12 घायल

प्रात : किरण/एजेंसी

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले में सिरोंज तहसील क्षेत्र के मदागन घाटी में गुरुवार देर रात बारातियों से भरी पिकअप गाड़ी बेकाबू होकर पलट गई। इस हादसे में एक महिला समेत चार बारातियों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख व्यक्त किया और पीड़ितों को आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। जानकारी के अनुसार इंदौर के पास मानपुर तहसील के आंवलीपुरा गांव से गुरुवार को एक बारात विदिशा जिले के सिरोंज से आई थी। आदिवासी परिवार में शादी समारोह के बाद रात में ही पिकअप वाहन से बारात वापस जा रही थी। रात करीब साढ़े 10 बजे मदागन घाटी के पास वाहन असंतुलित होकर पलट गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल लटेरी के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। अन्य 12 घायलों का इलाज चल रहा है। देर रात कलेक्टर अंशुल गुप्ता और एसपी रोहित काशवानी लटेरी स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे और घायलों से बातचीत की। हादसे के सूचना मिलते ही लटेरी एसडीओपी अजय मिश्रा घटनास्थल पर पहुंच गए थे।

उन्होंने बताया कि बारात इंदौर के आंवलीखेड़ा गांव लौट रही थी। ये लोग बारात लेकर सिरोंज की जटाशंकर के पास से वापस आ रहे थे। पिकअप में 16 लोग सवार थे, जिनमें छोटे बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल थे। हादसे के बाद पुलिस ने घायलों को तत्काल लटेरी के अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। दूल्हा-दुल्हन दूसरी गाड़ी में सवार थे।

एसडीओपी अजय मिश्रा ने बताया कि मृतकों की पहचान नारायण (20) पुत्र कालू निवासी मानपुरा जिला रतलाम, गोकुल (18) निवासी कारोदिया जिला रतलाम, बसंती बाई (32) पत्नी हुकुम सिंह निवासी ग्राम बरोड़ जिला खंडवा और हजारी लाल (40) पुत्र बिहारी निवासी सिबनी बनापुरा जिला नर्मदापुरम के रूप में हुई है। इसके अलावा शांतिबाई (30) पत्नी रमेश, जितेन्द्र (16) पुत्र कालू, हेमराज (12) पुत्र नन्दू, तीन वर्षीय रागिनी पुत्री किशोर, लक्ष्मी (22) पत्नी किशोर, अजय (11) पुत्र संतोष नंदू (40) पुत्र सुखराम, द्वारिका बाई (35) पत्नी नंदू, छोटू (12) पुत्र हुकुम, किशोर (13) पुत्र करण, तोफान (25) पुत्र कालू, दीपक (8) पुत्र हुकुम और रीना (22) पत्नी मुकेश घायल हैं। ये सभी आवलीपुरा मानपुर के रहने वाले हैं। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख मुआवजे की घोषणामुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे में चार लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से दो-दो लाख एवं गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही घायलों के बेहतर इलाज के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं।

कुपवाड़ा, बारामूला, पूंछ, नौशेरा और अखनूर में 8 बार फायरिंग कर चुका है पाकिस्तान

प्रात : किरण/एजेंसी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान लगातार एलओसी पर फायरिंग कर रहा है। भारत भी कम नहीं है वो एक गोली चलाते हैं इधर से 10 गोलियां दागने में भारत पीछे नहीं रहता है। बीती रात भी पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर उल्लंघन किया और फायरिंग कर दी, जिसका भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। पाकिस्तान सेना ने एक बार फिर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्षविराम का उल्लंघन करते हुए 1 मई की रात को जम्मू-कश्मीर के कई क्षेत्रों में छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू की। यह घटना कुपवाड़ा, बारामूला, पूंछ, नौशेरा और अखनूर क्षेत्रों में हुई, जिसका भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। यह लगातार आठवीं रात थी जब पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम का उल्लंघन किया। इससे पहले 24 अप्रैल की रात से शुरू हुई इस तरह की घटनाओं में कुपवाड़ा और बारामूला से लेकर पूंछ, अखनूर, सुंदरबनी, नौशेरा और जम्मू के परगवाल सेक्टर तक गोलीबारी की खबरें आई हैं। भारतीय सेना के एक प्रवक्ता ने बताया, 1-2 मई की रात को पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने कुपवाड़ा, बारामूला, पूंछ, नौशेरा और अखनूर के सामने नियंत्रण रेखा के पार से बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी शुरू की। भारतीय सेना के जवानों ने भी तुरंत और माकूल जवाब दिया। इस गोलीबारी में तत्काल किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। इस बीच, भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच मंगलवार को हॉटलाइन पर बातचीत हुई, जिसमें भारतीय पक्ष ने पाकिस्तान को अकारण गोलीबारी के खिलाफ चेतावनी दी। सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तानी सेना को इन उकसावों के लिए सख्त चेतावनी दी गई है।नियंत्रण रेखा पर तनाव के बीच, कश्मीर घाटी में आतंकवाद विरोधी अभियानों को तेज कर दिया गया है। अनंतनाग, पुलवामा और शोपियां के इलाकों में सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया है। सीमा क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया गया है और नजदीकी कस्बों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

जिस जाति की संख्या अधिक, उसे मिलेगा उतना आरक्षण : अंबादास दानवे

प्रात : किरण/एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अंबादास दानवे ने शुक्रवार को जातिगत जनगणना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं किया जा सकता है कि जातिगत जनगणना की मांग अगर किसी ने सबसे पहले उठाई थी, तो वह कांग्रेस ही थी। हमारी पार्टी के नेताओं ने ही सबसे पहले इस मांग को उठाया था और अब जब जातिगत जनगणना कराए जाने का फैसला केंद्र सरकार की तरफ से किया जा चुका है, तो भाजपा के नेता बेकार का श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। अंबादास दानवे ने कहा कि जातिगत जनगणना के बाद जिस जाति के लोगों की संख्या जितनी ज्यादा होगी, उसे उतना ज्यादा आरक्षण दिया जाएगा। आखिरकार जातिगत जनगणना का मकसद तो यही है, न? लेकिन, भाजपा के लोग इधर-उधर की बातें कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

महराजगंज में ट्रैक्टर-कार की भिड़ंत, दो मरे, पांच घायल

महराजगंज। उत्तर प्रदेश में महराजगंज जिले के श्यामदेउरवा क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्राली और कार की भिड़ंत में कार चालक समेत दो लोगों की मृत्यु हो गई जबकि पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र के कैथवलिया से बीती रात सात बाराती महराजगंज जिले के कोतवाली थाना के पड़री गांव में शादी समारोह में शामिल होने आ रहे थे कि श्यामदेउरवा थाना के बसहिया खुर्द के पास कार अनियंत्रित होकर गोबर लदी ट्रैक्टर-ट्राली में जाकर भिड़ गई। टक्कर इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में चालक और एक अन्य यात्री कार में फंस गए। स्थानीय लोग मदद के लिए पहुंचे। कुछ घायलों को तो बाहर निकाल लिया गया, लेकिन चालक कार में ही फंसा रहा। आनन-फानन में गैस कटर मंगवाकर दरवाजा काटकर उसे बाहर निकाला गया। सभी को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां पिपराइच थाना के जंगल अहमद अलीशाह तुरा बाजार निवासी चालक अलीम खां तथा गोबरी कन्नौजिया को चिकित्सकों ने मृत्यु घोषित कर दिया। कैथवलिया निवासी अभिजीत, अंकित, बिंद, हृदेश और मनोहर घायल हो गए हैं। उन्हें उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया।

गंगा एक्सप्रेसवे पर फाइटर जेट्स ने किया ह्यटच एंड गोह्न रिहर्सल, दिखाई अपनी ताकत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी एयर स्ट्रिप पर शुक्रवार को भारतीय वायुसेना की ताकत देखने को मिली। इस आधुनिक एयर स्ट्रिप की लंबाई तीन किलोमीटर है।इस पर भारतीय वायुसेना के राफेल, मिराज, जगुआर जैसे एडवांस फाइटर जेट्स ने दिन में ह्यटच एंड गोह्न रिहर्सल करके अपनी शक्ति और कौशल का प्रदर्शन किया। यह भी बताया गया है कि भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान रात में भी इस क्रम को दोहराएंगे दरअसल, शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमानों का ह्यटच एंड गोह्न रिहर्सल किया गया। लड़ाकू विमानों का शो देखने के लिए 500 से ज्यादा स्कूली बच्चों को बुलाया गया। गंगा एक्सप्रेसवे पर तीन किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी बनाई गई है, जिस पर मिराज, जगुआर, मिग 29 और राफेल ने अपनी ताकत दिखाई।इसके अलावा कैरियर एयरक्राफ्ट और हरक्यूलस जैसे विमानों ने भी अपने कौशल का परिचय दिया। अदाणी ग्रुप से जुड़े अधिकारी ने बताया कि गंगा एक्सप्रेसवे देश में सबसे बड़ा है। यह एक्सप्रेसवे 594 किलोमीटर लंबा है। यह मेरठ से प्रयागराज को जोड़ता है। यह एक ऐतिहासिक प्रोजेक्ट है। गंगा एक्सप्रेसवे देश और राज्य के लिए काफी अहम है। यहां से चीन की सीमा नजदीक है, इस लिहाज से इस एक्सप्रेसवे का रणनीतिक महत्व भी है। इस एक्सप्रेसवे की क्वालिटी भी काफी अच्छी है। मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाले 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का 464 किलोमीटर का निर्माण कार्य (बदायूं से प्रयागराज तक) अदाणी ग्रुप कर रहा है। बदायूं से हरदोई तक 151.7 किमी, हरदोई से उन्नाव तक 155.7 किमी और उन्नाव से प्रयागराज तक 157 किमी के हिस्सों में काम तेजी से चल रहा है।इस एक्सप्रेसवे को छह लेन से आठ लेन तक बढ़ाया जा सकता है। डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण मॉडल पर बने इस एक्सप्रेसवे का 80 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। इसकी रियायत अवधि 30 वर्ष होगी। अदाणी समूह के पास इस समय 35,000 करोड़ रुपए से अधिक लागत के 13 प्रोजेक्ट्स हैं, जिनके तहत देश के नौ राज्यों में पांच हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कों का निर्माण किया जा रहा है।

राम लला मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा 3 जून से , दर्शन को प्रतिदिन दिए जाएंगे 750 पास

अयोध्या। राम मंदिर निर्माण की प्रगति की समीक्षा के लिए भवन निर्माण समिति की तीन दिवसीय बैठक का शुभारंभ आज अयोध्या में हुआ। समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कल दोपहर अयोध्या पहुंचकर कार्यदायी संस्था द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने परकोटा और इसके बाहर बन रहे सप्त मंदिरों के निर्माण की प्रगति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि मुख्य मंदिर अगस्त या सितंबर में और परकोटा नवंबर में हैंडओवर हो जाएगा। उन्होंने अहम जानकारी साझा करते हुए कहा कि परकोटा और सप्त मंदिरों में साधु-संतों और भगवान की मूर्तियों की स्थापना शुरू हो चुकी है। मुख्य मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की प्रतिमा और शेषावतार मंदिर की प्रतिमाएं शेष हैं। 23 मई को राम दरबार की प्रतिमा गर्भगृह में स्थापित की जाएगी। इसके अलावा, 30 मई तक शेषावतार मंदिर में लक्ष्मण जी की प्रतिमा भी पहुंचकर स्थापित की जाएगी।

योगी सरकार का 2030 तक निर्यात को तीन गुना करने का लक्ष्य

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक निर्यात को तीन गुना करने का है। निर्यात बढ़ाने के इस लक्ष्य में खेती-बाड़ी की अहम भूमिका होगी। राष्ट्रीय स्तर के निर्यात के आंकड़े भी यही कहते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 के बाद से ही कृषि एवं खाद्य पदार्थों के निर्यात में लगातार वृद्धि हुई है। 2023-2024 की तुलना में 2024-2025 में वृद्धि की यह दर करीब 10 फीसद रही। कई फलों एवं सब्जियों को नए बाजार मिले। वैश्विक स्तर की बेहतरीन कनेक्टिविटी और देश के इकलौते अंतरराज्यीय जलमार्ग (प्रयाग से हल्दिया) के कारण पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों से खाड़ी के देशों को सब्जियों के निर्यात में वृद्धि हुई है। वैसे तो सेहत का सेक्टर शुरू से सर्वोपरि रहा है, कोविड के बाद यह क्रेज के रूप में उभरा है। लोगों के फूड बिहेवियर में आमूलचूल बदलाव आया है। यूरोप और अमेरिका में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग बढ़ी है। इन देशों के निर्यात के मानक उत्पादों की गुणवत्ता को लेकर बेहद सख्त हैं। योगी सरकार निर्यात के मानकों को सुनिश्चित करने के लिए एशिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (जेवर) के पास एक्सपोर्ट हब विकसित कर रही है। इस हब में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला भी होगी। ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग से प्राकृतिक खेती करने वाले

किसान खुशहाल होंगे। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ सरकार का फोकस कृषि विविधीकरण और प्राकृतिक खेती पर भी है। समूचे बुंदेलखंड, गंगा के बहाव क्षेत्र में उसके दोनों किनारों पर प्राकृतिक खेती तो पहले से हो रही है। अब तो क्रमबद्ध तरीके से सरकार इसे पूरे प्रदेश में प्रोत्साहित कर रही है। विश्व बैंक के सहयोग से बुंदेलखंड और पूर्वांचल पर केंद्रित यूपी एग्रीज जैसी योजनाएं भी आने वाले दिनों में निर्यात बढ़ाने में मददगार होंगी। इस सेक्टर के जरिए निर्यात बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश की संभावनाएं कई वजहों से बढ़ जाती हैं। मसलन, दुनिया की सबसे उर्वर भूमि इंडो गंगेटिक बेल्ट का सर्वाधिक हिस्सा उत्तर प्रदेश में ही है। गंगा, यमुना, सरयू जैसी नदियों में वर्ष पर्यंत पानी रहता है। सिंचित क्षेत्र का योगी सरकार लगातार विस्तार कर रही है। नौ तरह के कृषि जलवायु क्षेत्र, हर तरह की फसल, सब्जी और फल के लिए इसे उपयुक्त बनाते हैं। देश का सबसे अधिक आबादी वाला प्रदेश होने के कारण श्रम भी अपेक्षाकृत सस्ता है। इन्हीं खूबियों की वजह से उत्तर प्रदेश कई खाद्य पदार्थों और फलों एवं सब्जियों के उत्पादन में देश में नंबर एक पर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी अक्सर कहते हैं कि प्रकृति और परमात्मा की असीम अनुकंपा की वजह से उत्तर प्रदेश देश का फूड बास्केट बन सकता है। इन्हीं संभावनाओं की वजह से सरकार ने निर्यात का जो लक्ष्य रखा है, उसमें इस सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सरकार इन संभावनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए किसानों और बागवानों की बीज से लेकर बाजार तक हर संभव मदद भी कर रही है।

कांग्रेस, सपा और राजद मचा रहे जाति जनगणना का श्रेय लेने का झूठमूठ का हल्ला : केशव प्रसाद

केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा, परिवादी तिकड़ी में जकड़ी कांग्रेस, सपा और राजद तीनों जाति जनगणना का श्रेय लेने का झूठमूठ का हल्ला मचा रहे हैं। दस साल पहले यूपीए शासनकाल में राजद नेता लालू प्रसाद यादव और सपा नेता मुलायम सिंह यादव यानी दो यादव परिवार कांग्रेस के शाही परिवार की मजबूत बैसाखी बनकर केंद्र की सत्ता में अपना हिसाब-किताब साफ कर रहे थे। कांग्रेस दोनों को जांच एजेंसियों का खौफ दिखा रही थी। आय से अधिक संपत्ति के संगीन मामले थे। अमेरिका से परमाणु समझौता कराने में भी सपा की कथित भूमिका थी।

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ, 02 मई (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता केशव प्रसाद मौर्य ने जाति जनगणना का झूठा श्रेय लेने के लिए कांग्रेस, सपा और राजद की आलोचना की। केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा, परिवादी तिकड़ी में जकड़ी कांग्रेस, सपा और राजद तीनों जाति जनगणना का श्रेय लेने का झूठमूठ का हल्ला मचा रहे हैं। दस साल पहले यूपीए शासनकाल में राजद नेता लालू प्रसाद यादव और सपा नेता मुलायम सिंह यादव यानी दो यादव परिवार कांग्रेस के शाही परिवार की मजबूत बैसाखी बनकर केंद्र की सत्ता में अपना हिसाब-किताब साफ कर रहे थे। कांग्रेस दोनों को जांच एजेंसियों का खौफ दिखा रही थी। आय से अधिक संपत्ति के संगीन मामले थे। अमेरिका से परमाणु समझौता कराने में भी सपा की कथित

भूमिका थी। जाति जनगणना की पैरोकारी तब केवल छलावा भर थी। अब जाति जनगणना का झूठा श्रेय लेकर खुशी में पटाखा फोड़कर अपनी जग हंसाई करा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा कि इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश की कमान संभालने के बाद दबी-कुचली जातियों को एक नई चेतना मिली है। जाति जनगणना से उनको सबको हर स्तर पर अपना हक मिलेगा और देश भी मजबूत बनेगा। पिछले कुछ सालों से जाति जनगणना भारतीय राजनीति के प्रमुख मुद्दों में एक रही है। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने जाति जनगणना को लोकसभा के चुनाव में भी प्रमुख मुद्दे की तरह पेश किया था। अब केंद्र सरकार ने भी जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। बुधवार को राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने इस बारे में घोषणा दी है। इसके साथ ही यह पहली बार होगा जब आजाद भारत में जातिगत जनगणना कराई जाएगी। इससे पहले जाति सर्वेक्षण कराए गए हैं। बिहार समेत कुछ राज्यों ने भी जाति सर्वेक्षण कराए हैं। केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना कराने के फैसले के लिए भारतीय राजनीति में यह मामला एक बार फिर सतह पर आ गया है और कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों इसका श्रेय लेने में जुट गए हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आंधी बारिश से जनजीवन प्रभावित

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में शुक्रवार भोर तेज रफ्तार हवाओं के बीच बारिश से जनजीवन आंशिक रुप से प्रभावित हुआ। इस दौरान वर्षा जनित हादसों में कम से कम दो लोगों की मृत्यु हो गयी जबकि कई अन्य घायल हो गये। आंधी बारिश से सैकड़ों एकड़ फसल को नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए।

उन्होने कहा कि अधिकारी सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस सम्बन्ध में अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके। जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

कांग्रेस-भाजपा की नीयत बहुजन के प्रति साफ होती तो ओबीसी समाज की देश के विकास में उचित भागीदारी होती : मायावती

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती जातीय जनगणना को लेकर हमलावर दिखाई दी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता ।बसपा प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि काफी लंबे समय तक ना-ना करने के बाद अब केंद्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़, जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित है।

उन्होंने लिखा कि कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के

विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिससे इनके मसीहा परमपूज्य बाबासाहेब डा. भीमराव अंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता। बसपा प्रमुख मायावती ने आगे लिखा कि बाबासाहेब एवं बीएसपी के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरूक है, तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए लालायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने का स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बीएसपी में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। उन्होंने कहा कि ह्यवोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगाह्न के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है, जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है।

इसके पहले मायावती ने कहा कि देश में मूल जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने का केंद्र सरकार द्वारा आज लिया गया फैसला काफी देर से उठाया गया सही दिशा में कदम है। इसका स्वागत है। बीएसपी इसकी मांग काफी लंबे समय से करती रही है। उम्मीद है कि सरकार ह्यजनगणना से जनकल्याणह्न के इस फैसले को समय से जरूर पूरा कराएगी। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार के जातीय जनगणना वाले निर्णय के बाद से ही विपक्षी दलों में इस मुद्दे को अपना बताने की होड़ मची है। खासकर सपा और बसपा इसे लेकर सरकार को घेरने में जुटी हैं।

उत्तर प्रदेश में गेहूं किसान एमएसपी में हुये इजाफे से गदगद

प्रात : किरण/एजेंसी

सहारनपुर। योगी सरकार द्वारा इस साल तय किये गये गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से उत्तर प्रदेश के किसान गदगद है। इसका कारण है कि यूपी में सरकारी एजेंसियों द्वारा प्रयास करके की जा रही खरीद से किसानों को खुले बाजार में प्रति क्विंटल ज्यादा भाव मिल रहा है। पंजाब के बाद गेहूं की पैदावार करने वाला उत्तर प्रदेश दूसरा बड़ा राज्य है। अबकी गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल है। सरकारी एजेंसियों ने खरीद को लेकर पूरा दम लगाया हुआ है। इससे खुले बाजार में किसानों को लगातार ऊंचे दाम मिल रहे हैं। हरियाणा और पंजाब में सरकारें आढतियों के जरिए गेहूं खरीदती है। इससे वहां के किसानों को सरकार समर्थित भाव ही मिल रहा है। मध्य प्रदेश सरकार बाजार और समर्थन मूल्य के अंतर के बराबर बोनस देती है। यूपी में गेहूं की सरकारी खरीद तो कम हो रही है पर बाजार में प्रतिस्पर्धा के कारण ऊंचे यानि 500 रुपए प्रति क्विंटल के दाम मिलने से किसान खुश हैं। सहारनपुर के कमिश्नर अटल कुमार राय रोज गेहूं खरीद की समीक्षा कर रहे हैं और अफसरों को खरीद बढ़ाने को लगातार प्रेरित और उत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल तक सहारनपुर मंडल में सरकार लक्ष्य के सापेक्ष 26.87 फीसद गेहूं की खरीद कर चुकी है यानि कुल 26463.007 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। किसानों को 6470.21 लाख रुपए का भुगतान किया गया। आरएफसी श्री कृष्ण ने बताया कि वर्ष 2021-22 में गेहूं खरीद का लक्ष्य एक लाख 98 हजार मीट्रिक टन था। जिसके सापेक्ष गेहूं की कुल खरीद 44 हजार मीट्रिक टन ही हो पाई थी।

सहारनपुर जिले में इस बार 30 अप्रैल तक 17969.317 मी. टन यानि 30.95 प्रतिशत, मुजफ्फरनगर में 4057. 140 यानि 16.03 फीसद और शामली जनपद में 4406.550 मी.टन गेंहू खरीदा गया। कमिश्नर अटल कुमार राय ने बताया कि पूरे मंडल में 181 केंद्रों पर गेहूं की खरीद हो रही है।

योगी सरकार परिषदीय स्कूलों को बनाएगी अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिभाओं की नर्सरी

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए सुनहरा दौर शुरू हो चुका है। योगी आदित्यनाथ की सरकार अब प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों को सिर्फ पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिभाओं की नर्सरी बनाने जा रही है। गांव-गांव और कस्बों में बिखरी हुई अपार प्रतिभा को खोजने, तराशने और विश्व मंच तक पहुंचाने के लिए सरकार ने एक योजना बनाई है।

जिस व्यवस्था में अब तक स्कूलों में खेल महज समय काटने या वार्षिक उत्सव की रस्म अदायगी तक सीमित था, वही अब विद्यालयों में खेलों की व्यवस्था कराने हेतु राष्ट्र स्तरीय संस्था स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) द्वारा चयनित खेलों में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) जैसी तैयारी और पेशेवर प्रशिक्षण की राह पर कदम रख चुकी है। सत्र 2025-26 के लिए सरकार ने 1.34 लाख से अधिक स्कूलों के लिए 134 करोड़ रुपए का बड़ा बजट आवंटित किया है। योगी सरकार का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के स्कूलों से देश को अंतर्राष्ट्रीय चैंपियन दिया जाए। योगी सरकार की यह पहल परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को खेलों के क्षेत्र में न केवल प्रदेश का बल्कि देश का गौरव बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। अब उत्तर प्रदेश के स्कूलों से निकलने वाले बच्चे कक्षा की पढ़ाई के साथ खेल के मैदान में भी अपनी मेहनत और प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे। सरकार के इस कदम को ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें उचित मंच प्रदान करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब यह उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलकर देश का नाम रोशन करेंगे।

योगी सरकार ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए परिषदीय विद्यालयों में प्रयास शुरू किए हैं। सरकार ने सत्र 2025-26 के लिए लगभग 1.34 लाख से अधिक स्कूलों के लिए 134 करोड़ रुपए का बड़ा बजट आवंटित किया है। इसके अंतर्गत 86,764 प्राथमिक विद्यालयों को 43.382 करोड़ रुपए, 45,245 जूनियर हाई स्कूल और केजीबीवी विद्यालयों को 45.245 करोड़ रुपए और 2,304 सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूलों को 5.76 करोड़ रुपए, एक केजीबीवी एक खेल योजना को 19.41 करोड़ रुपए, ओपन जिम-स्पोर्ट्स सामग्री हेतु 14.92 करोड़ रुपए एवं राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण शिविर आयोजन हेतु 5.33 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है।

यह राशि खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, नए उपकरण खरीदने और विद्यार्थियों के लिए बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने में खर्च की जाएगी। खेल उपकरणों के क्रय करने हेतु प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को 5,000, प्रत्येक जूनियर हाई स्कूल और केजीबीवी को 10,000 और प्रत्येक सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 25,000 रुपए उपलब्ध कराए जाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 आयु वर्ग में चयनित बालक-बालिकाओं को राष्ट्र स्तरीय खेल स्पधाओं के पूर्व चरणबद्ध तरीके से 10 दिवसीय तैयारी शिविर में भेजा जाएगा। यह शिविर बच्चों को एक-दूसरे को जानने, समझने, आपस में टीम भावना विकसित करने और खेल की भूमिका और स्थिति को समझने का अवसर प्रदान करेगा। यह शिविर खिलाड़ियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से तैयार करने एवं आगामी राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने में सहायक होगा। दरअसल, पहले अलग-अलग जिलों में राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं हेतु चयनित बच्चों को खेल किट देकर सीधे राष्ट्रीय प्रतियोगिता स्थल भेज दिया जाता था, जहां वे टूनार्मेंट का हिस्सा बनते थे, लेकिन उनमें परस्पर तालमेल नहीं रहता था और वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दे पाते थे। अब योगी सरकार 10 दिवसीय शिविर के माध्यम से बच्चों के बीच जान-पहचान बढ़ाकर आपसी सामंजस्य, टीम भावना और खेल की भूमिका और स्थिति की समझ विकसित करेगी।

1983 विश्व कप विजेता, पीजीटीआई चीफ कपिल देव ने की लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात

प्रात : किरण/एजेंसी

लखनऊ। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के प्रमुख और 1983 में भारत को पहला क्रिकेट वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान कपिल देव ने शुक्रवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, प्रख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव ने आज लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। कपिल देव ने 1978 से 1994 तक भारत के लिए क्रिकेट खेला। वे दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं। उन्होंने 131 टेस्ट मैचों में 5,248 रन बनाए और 434 विकेट लिए। वनडे में 225 मैच खेलते हुए उन्होंने 3,783 रन बनाए और 253 विकेट भी लिए। वह 1983 में भारत को वर्ल्ड कप जिताने वाले पहले कप्तान बने।क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्होंने कोच, कमेंटेटर और हरियाणा के स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के चांसलर जैसे कई भूमिकाएं निभाईं। अक्टूबर 1999 से अगस्त 2000 तक वे भारत के कोच भी रहे।

फिरोजाबाद में आकाशीय बिजली ने ली दो मजदूरों की जान

प्रात : किरण/एजेंसी

फिरोजाबाद। उत्तर भारत के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह से ही तेज हवाओं के बीच मूसलाधार बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो मनरेगा मजदूरों की मौत हो गई है, जबकि एक मजदूर घायल हुआ है ।मामला थाना नसीरपुर क्षेत्र के कुतकपुर गांव का है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार सुबह एक ही गांव के 15 मनरेगा मजदूर एक साथ काम करने के लिए निकले थे, तभी आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। इस बीच अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिसकी चपेट में आने से दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा, एक मजदूर घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस दर्दनाक हादसे के बाद मृतकों के परिवार में मातम पसर गया है। साथ ही पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

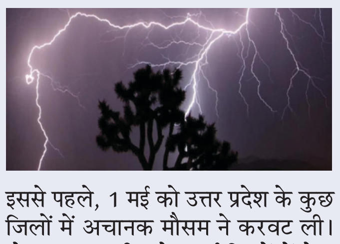

इससे पहले, 1 मई को उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में अचानक मौसम ने करवट ली। गोरखपुर, बस्ती समेत कई जिलों में तेज आंधी, तूफान, बारिश के साथ आकाशीय बिजली भी गिरी। फिरोजाबाद में भी बिजली की गरज, तेज हवाओं और फिर भारी बारिश के चलते स्थानीय निवासियों में अफरा-तफरी मची रही। सुबह रोशनी काफी कम रही और दैनिक कार्य प्रभावित हुए। सीएम योगी ने इसका संज्ञान लेते हुए प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों को मौके पर जाकर जनहानि के सर्वे करने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेमौसम बारिश, आंधी, तूफान और आकाशीय बिजली से होने वाली जनहानि का मुआवजा 24 घंटे के भीतर देने के निर्देश दिए हैं। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आया। तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश और आंधी-तूफान को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। इस कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली और यहां उतरने वाली कई फ्लाइट्स पर भी इसका असर पड़ा है। कई फ्लाइट्स को या तो रद्द कर दिया गया है या फिर उन्हें डायवर्ट किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ घंटों में उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी भारत के कई हिस्सों में तेज आंधी, बिजली गिरने और भारी बारिश की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से उत्तर पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, दक्षिण गंगा तटीय पश्चिम बंगाल और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश में खराब मौसम की चेतावनी दी गई है।

अच्छी रोमांटिक फिल्मों की कमी पर बोले आर माधवन

आर माधवन हाल ही में फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आए थे। फिल्म में उन्होंने नेविल मैकिनले का किरदार निभाकर हर किसी का दिल जीत लिया। इस फिल्म के बाद अब माधवन आप जैसा कोई फिल्म में नजर आएंगे। इसी फिल्म के एक इंटरव्यू के दौरान जब आर माधवन से रोमांटिक फिल्मों को लेकर एक सवाल पूछा गया तो एक्टर ने जवाब में शाहरुख की तारीफ की और कहा कोई भी शाहरुख खान जैसा नहीं कर सकता.....

रोमांटिक फिल्मों को लेकर माधवन की राय न्यूज 18 डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक, आर माधवन जल्द ही नई फिल्म आप जैसा कोई में नजर आने वाले हैं, जो एक प्रेम कहानी है, जिसमें वे फातिमा सना शेख के साथ नजर आएंगे। माधवन का मानना है कि वृद्ध पुरुषों और महिलाओं की प्रेम कहानियां बहुत रोमांटिक होती हैं, लेकिन ऐसी कहानियां कम बन रही हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म ऐज गुड ऐज इट गेट्स का उदाहरण दिया और कहा कि भारतीय सिनेमा में ऐसी परिपक्व प्रेम कहानियों का अभाव है।

कैसी होना चाहिए स्क्रिप्ट

माधवन ने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर हाल में कोई यादगार भारतीय रोमांटिक फिल्म नहीं आई। उन्होंने कहा कि उनकी उम्र (55 साल) के लिए उपयुक्त प्रेम कहानियां तो और भी मुश्किल से मिलती हैं। उनके मुताबिक, उनकी पीढ़ी प्यार और रिश्तों की गहराई को बेहतर समझती है, लेकिन अच्छे लेखकों की कमी है जो ऐसी कहानियां लिख सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रेम कहानियां अच्छी तरह से लिखी जाएं, तो वे दर्शकों को जरूर पसंद आएंगी।

शाहरुख को लेकर कही खास बात

आर माधवन ने शाहरुख की तारीफ की और उनका मानना है कि रोमांटिक फिल्मों के लिए शाहरुख जैसा कोई नहीं है। दरअसल, शाहरुख खान को रोमांस का बादशाह बताते हुए आर माधवन ने कहा कि उनके जैसा रोमांस कोई नहीं कर सकता।

आर माधवन जल्द ही फिल्म आप जैसा कोई में नजर आने वाले हैं। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसे विवेक सोनी ने निर्देशित किया है और करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। यह दो अलग-अलग व्यक्तियों की दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी है। इस फिल्स से पहले आर माधवन फिल्म केसरी चैप्टर 2 में नजर आए थे। केसर 2 में माधवन के अलावा अक्षय कुमार और अनन्या पांडे ने अहम भूमिका निभाई है।

दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना ही नहीं

अनुष्का शर्मा और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की दो सबसे मशहूर एक्ट्रेसेस हैं। दीपिका ने साल 2007 में बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था, जबकि अनुष्का ने एक साल बाद 2008 में एक्टिंग की तरफ कदम बढ़ाया। बॉलीवुड में कैटफाइट के कई किस्सों में से एक किस्सा अनुष्का और दीपिका का भी है। अनुष्का शर्मा और दीपिका एक ही शहर से हैं और उन्होंने एक ही कॉलेज, माउंट कार्मेल कॉलेज से पढ़ाई भी की है। अनुष्का ने कहा था कि उन्हें लेकर इतनी गॉसिप हुई हैं कि जब दोनों आमने-सामने मिलती हैं, तो उस समय वास्तव में सिचुएशन ऑकवर्ड हो जाता है।

अनुष्का और दीपिका की कैटफाइट के किस्से

ये कहानी उन दिनों की है जब अनुष्का और दीपिका की कैटफाइट के किस्से खबरों की सुर्खियां रहा करते थे। अपने काम में माहिर दोनों एक्ट्रेसेस करियर में आगे बढ़ रही थीं। एक बार अनुष्का ने एक इंटरव्यू में दीपिका की खिंचाई की थी और कहा था कि वह लोगों को नीचा दिखाना पसंद नहीं करतीं।

दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना नहीं है

बता दें कि अनुष्का ने कथित तौर पर पहले रणवीर सिंह को डेट किया था जो दीपिका के हसबैंड हैं। वहीं अनुष्का अब क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी हैं। एक इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा ने दीपिका पादुकोण के साथ अपने रिश्ते को लेकर कहा था, दीपिका और मेरे बीच कोई तुलना नहीं है। हममें कोई समानता नहीं। हम दोनों अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं। बल्कि, उन्होंने और भी ज्यादा फिल्में की हैं। मैं बहुत ही चुनिंदा रही हूं। मैंने मेरे सामने आए हर रोल को नहीं चुना।

दीपिका और सोनम पर कॉमेंट

एक पुराने इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा से किसी जर्नलिस्ट ने पूछा था कि उन्हें सोनम कपूर और दीपिका पादुकोण की तरह इंडस्ट्री में क्यों नहीं जाना जाता? इस पर अनुष्का ने कहा कि उन्होंने लगातार तीन हिट फिल्में दी हैं और उन्हें उनके टैलेंट के लिए जाना जाता है। दीपिका और सोनम पर कॉमेंट करते हुए अनुष्का ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें उन दोनों एक्ट्रेसेस की तरह क्यों नहीं पहचाना जाता, लेकिन वह वास्तव में खुश हैं कि उन्हें उनके टैलेंट और काम के लिए लोग जानते हैं न कि उनके कपड़ों और कॉन्स्ट्रोवर्सी के लिए।

हम खुद को कूल कहते हैं लेकिन असल में हम कूल नहीं हैं

एक इंटरव्यू में अनुष्का शर्मा से उनके और दीपिका के बीच कोल्ड वॉर को लेकर सवाल किया गया था। इस पर, एक्ट्रेस ने कहा था कि वो काम करने के लिए इंडस्ट्री में हैं, किसी से लड़ने के लिए नहीं। उन्होंने ये भी कहा था, दीपिका के एक दोस्त ने फोन करके बताया कि वो ये जवानी है दीवानी कर रही हैं, अनुष्का नहीं। मेरे दोस्त फोन नहीं करते, है न? कश्यप और हिरानी मेरे साथ फिल्में करना पसंद करते हैं। वह अयान और किसी और की पसंद हैं। मैं कभी किसी को नीचा नहीं दिखाती। यही बात मुझे अच्छा बनाती है, है न? मुझे लेकर बकवास करना बंद करो क्योंकि मैं तुम्हारे लिए ऐसा नहीं करती। हम खुद को कूल कहते हैं लेकिन असल में हम कूल नहीं हैं। मैं यह नहीं कह रही कि मैं किसी से बेहतर या खराब हूं। मैं खुद बहुत अच्छी स्थिति में हूं और कोई भी मेरा मजाक उड़ाकर इसे मुझसे नहीं छीन सकता।

अपने ऐड की फीस में कटौती को लेकर बोलीं वहीं एक इंटरव्यू में अपने ऐड की फीस में कटौती को लेकर बोलेत हुए अनुष्का शर्मा ने कहा था, मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मेरे पास काफी सारे ब्रैंड हैं और उनमें से हर एक ने कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू किया है, उनमें से कुछ ने तीसरी बार ऐसा किया। मुझे नहीं लगता कि और एक्ट्रेसेस के साथ ऐसा हो रहा है। मैं ज़रूर कुछ सही कर रही हूं।

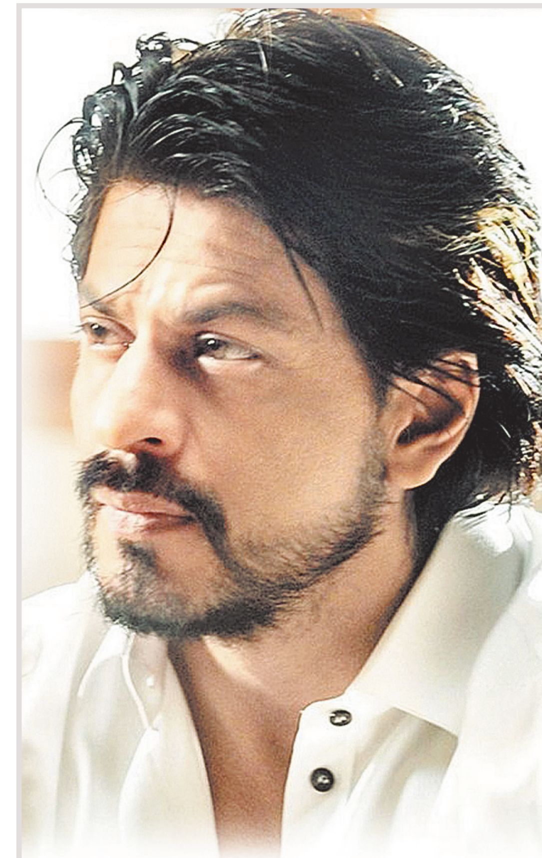

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स में नजर आएंगे शाहरुख खान?

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान अब हॉलीवुड में नजर आ सकते हैं। कहा जा रहा है कि वह मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स (एमसीयू) का हिस्सा बन सकते हैं। यह खबर सोशल मीडिया पर मार्वल लीक्स नाम के एक्स हैंडल ने दी है।

एक्स पोस्ट से फैंस उत्साहित

शाहरुख की तस्वीर के साथ साझा की गई इस जानकारी ने फैंस में उत्साह जगा दिया। पोस्ट में दावा किया गया है कि शाहरुख और मार्वल स्टूडियोज के बीच एक प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। हालांकि, यह साफ कर दिया गया कि यह प्रोजेक्ट आगामी फिल्म 'एवेंजर्स- डूम्सडे' का हिस्सा नहीं है। अगर यह खबर सही साबित हुई तो शाहरुख बॉलीवुड के उन चुनिंदा सितारों में शामिल हो जाएंगे जो मार्वल की इस विशाल दुनिया का हिस्सा बने हैं।

मार्वल के साथ शाहरुख की बातचीत

शाहरुख खान मार्वल स्टूडियोज के साथ एक भविष्य के प्रोजेक्ट के लिए शुरुआती बातचीत में हैं (यह एवेंजर्स- डूम्सडे नहीं है)। इस ट्वीट ने फैंस के बीच हलचल मचा दी। हालांकि, न तो मार्वल स्टूडियोज और न ही शाहरुख की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। अगर ऐसा होता है तो फरहान अख्तर, हरीश पटेल, और मोहन कपूर जैसे अभिनेताओं की लिस्ट में शाहरुख खान भी शामिल हो जाएंगे।

हॉलीवुड सितारों को पसंद हैं किंग खान

मार्वल की फिल्मों में काम कर चुके कई अभिनेता को पसंद शाहरुख खान काफी पसंद हैं। हाल ही में 'कैप्टन अमेरिका- ब्रेव न्यू वर्ल्ड' के स्टार एंथनी मैकी ने शाहरुख को अपनी पसंदीदा बॉलीवुड हस्ती बताया था। मैकी ने शाहरुख को कमाल का अभिनेता बताते हुए जमकर तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि वह उनके साथ भारत के किसी द्वीप पर उड़ान भरना चाहेंगे। उनकी फिल्म में हिंद महासागर में एक इटर्नल के उभरने की कहानी दिखाई गई थी, जिसने भारत से एक सुपरहीरो या विलेन के उभरने की संभावना को जन्म दिया था। इसके अलावा डॉक्टर स्ट्रेंज यानी बेनेडिक्ट कंबरबैच भी शाहरुख के टैलेंट की तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि शाहरुख जैसे सितारे मार्वल की दुनिया में शानदार योगदान दे सकते हैं। 'मिस मार्वल' सीरीज में कमाला उन्हें अपना पसंदीदा अभिनेता बता चुकी हैं। साथ ही, 'स्वदेस' का गाना 'डेडपूल 2' में भी सुनाई दे चुका है।

किंग में जल्द आएंगे नजर

वर्क फ्रंट की बात करें तो डंकी के बाद शाहरुख खान जल्द ही किंग में नजर आ सकते हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन और सुहाना खान भी हैं। फिल्म का निर्देशन पठान बना चुके सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। पहले इस फिल्म का निर्देशन सुजॉय घोष कर रहे थे, लेकिन बाद में उन्होंने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

भूल चूक माफ के अलावा इन फिल्मों में नजर आएंगी वामिका गब्बी, शुरू हुई शूटिंग

फिल्म भूल चूक माफ 9 मई को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी अहम किरदार में हैं। वामिका गब्बी हिंदी के अलावा पंजाबी और तमिल सिनेमा में नजर आती हैं। वामिका गब्बी इससे पहले जब वी मेट, लव आज कल और मौसम जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। ऐसे में आज हम आपको बता रहे हैं कि वामिका गब्बी आगे किन फिल्मों में नजर आएंगी।

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग

दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग फिल्म का एलान पिछले साल नवंबर में किया गया था। नवंबर में ही फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी। इस फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा जया बच्चन, सिद्धांत चतुर्वेदी और स्वानन्द किरकिरे साथ में काम करने वाले हैं। यह फिल्म इमोशनल ड्रामा होगी। इस फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान नहीं किया गया है।

भूत बंगला

भूत बंगला फिल्म साल 2026 में रिलीज होने वाली है। फिल्म के नाम से ही लग रहा है कि यह फिल्म हॉरर होगी। हालांकि यह फिल्म हॉरर कॉमेडी फिल्म है। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा अक्षय कुमार होंगे। इसका निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं।

किकली

किकली फिल्म पंजाबी फिल्म है। फिल्म का निर्देशन कवि राज कर रहे हैं। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा मैंडी टाखर और जोबनप्रीत सिंह होंगे। इसे जोबनप्रीत सिंह, कमलजीत सिंह और मैंडी टाखर ने लिखा है।

टीकी टाका

टीकी टाका फिल्म मलयालम फिल्म है। इसकी शूटिंग जारी है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं। फिल्म में असिफ अली, लुकमान अवरान और वामिका गब्बी हैं। फिल्म को फिरोज नजीब, नियोग और यदु पुष्पाकरण ने लिखा है।

जी2

जी2 तेलुगु फिल्म है। यह जासूसी थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में वामिका गब्बी के अलावा अदिवी सेष, इमरान हाशमी और मधु शालिनी हैं। फिल्म का निर्देशन विनय कुमार श्रीजनी कर रहे हैं। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई फिल्म गुडाचारी की सीक्वल है।

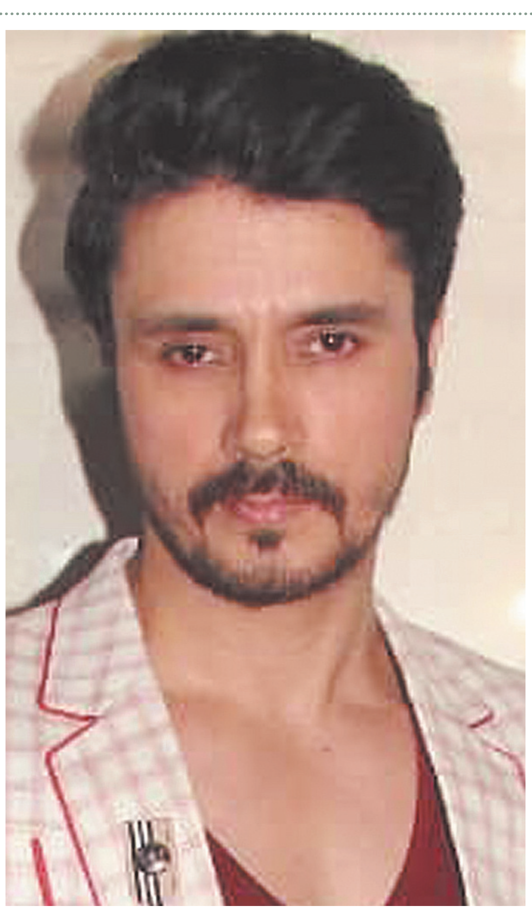

हम आउटसाइडर के लिए राह आसान नहीं होती

इंडस्ट्री में लगभग 15 साल बिता चुके दर्शन कुमार उन अभिनेताओं में से हैं, जिन्होंने संघर्ष भी खूब किया, मगर उन्हें उस स्ट्रगल का फल भी मिला। कई यादगार फिल्में कर चुका ये अदाकार एक समय छोटे पर्दे पर भी काफी लोकप्रिय रहा। मगर बीते कुछ सालों में दर्शन ने ओटीटी पर सराहनीय काम किया है। आश्रम सीरीज का उजागर सिंह जैसा पॉजिटिव किरदार हो या फिर द फैमिली मैन का नेगेटिव चरित्र मेजर समीर, दर्शकों ने उन्हें काफी पसंद किया है।

एक वो भी दौर था जब इस मायानगरी में आपको कोई जानता नहीं था, मगर अब सोशल मीडिया हो या आम लोग, आपकी फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हुआ है?

हां, वाकई ये काफी कमाल की यात्रा रही है। हाल ही में मैं फैमिली मैन थ्री की शूटिंग के लिए लंदन में था। हमें भूख भी काफी लग रही थी और हमने काफी अच्छे से ऑर्डर दिया। खा -पी कर जब मैंने बिल देने के लिए होटल वाले को अपना कार्ड दिया, तो वो बोलै, मैं उजागर सिंह (आश्रम में उनके किरदार का नाम) से पैसे कैसे ले सकता हूं? वो अच्छा-खासा बिल था। मैंने काफी आग्रह किया, इसके बावजूद उन लोगों ने बिल नहीं लिया। फिर और एक बात हुई। वहां बादाम और मैदे का केक था, जो मैदा होने के कारण मैं खा नहीं सका था, मगर तभी देखता हूं कि होटल वालों ने मेरे लिए खास तौर पर आटे और बादाम का केक बना कर दिया। मैं तो उनके इस जेस्चर से काफी भावुक हो गया। ऐसा मेरे साथ लंदन के कई रेस्त्रां में हुआ, जहां लोग मुझसे बिल के पैसे लेने को राजी नहीं थे। लंदन के एक फेमस क्लब में यही हुआ। हम दस-बारह लोगों ने खाया, मगर होटल वालों को बिल नहीं बल्कि मेरे साथ तस्वीर खिंचवानी थी। आज मैं इंडिया हो या विदेश कहीं भी जाता हूं, तो लोग मुझे बहुत प्यार देते हैं। मगर मैं वो दिन नहीं भूल सकता, जब मैं मुंबई में दर-दर की ठोकरें खाया करता था।

ऐसा कोई रिजेक्शन जो आप पर बहुत भारी पड़ा हो?

रोल्स के लिए कई बार नकारे जाने के दर्द से गुजरा हूं, मगर एक रिजेक्शन मुझे सदमा दे गया। बहुत बड़ी फिल्म थी। निर्देशक भी काफी दिग्गज थे। मैं उनका नाम नहीं बताना चाहूंगा, मगर उस मेन रोल के लिए नसीर सर (नसीरुद्दीन शाह) ने मुझे रिकमंड किया था। मैंने ऑडिशन दिया और मैं चुन लिया गया। मैं बहुत खुश और उत्साहित था, क्योंकि उस फिल्म में मुझे एक साथ मुझे पांच कैरेक्टर करने का मौका मिलने वाला था। उस भूमिका के लिए मुझे अपने बाल और दाढ़ी बढ़ानी। थी मैंने पूरे साल भर तक उस रोल के लिए तैयारी की थी। उस दौरान मेरे पास जो रोल आए मैं उनके लिए मना करता चला गया, क्योंकि मैं फिल्म के लिए खास लुक में था। मगर उस वक्त मुझ पर मुझ पर गाज गिर गई, जब एक साल तक लगे रहने के बाद मुझे बुलाकर कहा गया कि हम आपको ये रोल नहीं दे सकते। हम किसी नए कलाकार पर इतना बड़ा दांव नहीं खेल सकते। ये सुनकर मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। उन्होंने किसी दूसरे एक्टर को कास्ट किया। हालांकि रिलीज के बाद वो फिल्म चली नहीं, मगर मेरा तो एक साल बर्बाद हुआ, मुझे एक रुपया नहीं मिला।

क्या आपने अपने करियर में इनसाइडर और आउटसाइडर वाली फीलिंग महसूस की है?

ये तो फिल्म जगत की सचाई है। इनसाइडर को सब कुछ बना-बनाया मिलता है। .उनके पास रिसोर्सेज होते हैं और उन्हें पूरी इंडस्ट्री सपोर्ट करती है, मगर हम आउटसाइडर के लिए राह आसान नहीं होती। जब मेरी फिल्म मैरी कॉम आई थी, तो मेरी भूमिका हर अवॉर्ड में नॉमिनेटेड थी। यदि मैं इंडस्ट्री से होता, तो मुझे सम्मानित किया जाता और मैं किसी और मुकाम पर हो सकता था। मेरी जितनी भी फिल्में चाहे एनएच 10, मैरी कॉम, धोखा, कश्मीर फाइल्स हों या वेब सीरीज आश्रम, फैमिली मैन हों, मेरा काम जितना अच्छा रहा है, उसे देखते हुए तो इंडस्ट्री को मुझे सिरआंखों पर बैठाना चाहिए, मगर चूंकि मैं आउटसाइडर हूं, तो मुझे लगातार खुद को साबित करते रहना पड़ता है। मगर एक बात जरूर कहूंगा कि अंत में चलता तो आपका टैलेंट ही है। बड़े निर्देशक चाहते हैं कि वे मेरे साथ फिल्म बनाएं, तो वो भी यही कहते हैं कि आपको लेकर फिल्म बनाना है, मगर बजट ज्यादा बैठ रहा है, निर्माता को रिकवरी की चिंता है। मुझे इंडस्ट्री के सपोर्ट की जरूरत है, निर्माता-निर्देशकों के भरोसे की दरकार है। आज कंटेंट का दौर है। अब मेरी 8 करोड़ की फिल्म (कश्मीर फाइल्स) ने 400 करोड़ कमाए ही न?

आश्रम में आप एक पॉजिटिव किरदार में यहीं, जबकि द फैमिली मैन में नेगेटिव, आपके अंदर के राम और रावण क्या हैं?

मेरे अंदर का राम यही है कि मैं बहुत दयालु हूं। असल जिंदगी मैं बहुत इमोशनल भी हूं। सभी को एक समान इज्जत देता हूं। कोशिश करता हूं, किसी का दिल न दुखाऊं। जहां तक मेरे भीतर के रावण की बात है, तो वो है मेरा गुस्सा। मैं जाट हूं और हमारे बारे में कहा जाता है कि प्यार के नाम पर हम अपनी जान भी दे सकते हैं, मगर यदि हमारी इज्जत की बात आए, तो हम मरने-मारने पर उतारू हो जाते हैं। अपने गुस्से पर काबू पाने के लिए मैंने मेडिटेशन शुरू किया है, जिसका मुझे काफी फायदा हो रहा है। कॉलेज के दिनों में इसी गुस्से के चलते कई बार मारपीट कर चुका हूं।

जलवायु परिवर्तन: प्राकृतिक आपदाएं बनीं बीमा उद्योग की चुनौती

2025 में 14500 करोड़ पहुंच सकता है नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता और आवृत्ति में बढ़ोतरी बीमा उद्योग के लिए गंभीर सिरदर्द बनती जा रही है। प्रमुख वैश्विक पुनर्बीमा कंपनी स्विस रे की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में जलवायु से जुड़ी आपदाओं के कारण बीमित नुकसान की राशि 14,500 करोड़ डॉलर तक पहुंच सकती है। यह संभावित क्षति 2024 के बीमित नुकसान (13,700 करोड़ डॉलर) की तुलना में करीब 6 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े देखें तो आपदाओं से होने वाला बीमित नुकसान सालाना 5 से 7 फीसदी की दर से बढ़ रहा है जो न केवल बीमा कंपनियों के लिए बल्कि वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए भी खतरे की घंटी है। यदि यही हालात रहे तो 1990 के बाद दूसरा सबसे बड़ा वार्षिक बीमा नुकसान होगा। हालांकि 2017 में आए तूफानों हार्वे, इरमा और मारिया ने अब तक का सबसे बड़ा झटका दिया था। स्विस रे के आपदा जोखिम मॉडल के अनुसार 2025 में बीमा दावों का आंकड़ा 30,000 करोड़ डॉलर तक भी पहुंच सकता है, हालांकि इसकी संभावना करीब 10 फीसदी मानी जा रही है।

2024 सबसे बड़े बीमा दावों का वर्ष

प्राकृतिक आपदाओं के कारण वैश्विक स्तर पर 2024 में 31,800 करोड़ डॉलर का कुल आर्थिक नुकसान हुआ, परंतु इसमें से केवल 57 फीसदी यानी 18,100 करोड़ डॉलर की ही भरपाई बीमा द्वारा हो सकी। बचा हुआ नुकसान असुरक्षित रहा, जिससे स्पष्ट है कि अब भी बड़ी संख्या में व्यक्ति और व्यवसाय बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। 2024 में तूफान हेलेन और मिल्टन ने भारी तबाही मचाई। अमेरिका में भीषण बवंडरों, वैश्विक शहरी बाढ़ और कनाडा में अब तक के सबसे बड़े बीमा दावों ने इस वर्ष को बीमा इतिहास में विशेष बना दिया।

अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में पॉलिसी जारी करने से कतराने लगीं बीमा कंपनियां

रिपोर्ट के अनुसार चरम मौसमी घटनाओं के कारण बीमा उद्योग की रणनीति में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। अब कंपनियां अत्यधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में पॉलिसी जारी करने से कतराने लगी हैं। उदाहरण के लिए लॉस एंजेल्स में 2024 की जंगल की भयंकर आग ने 23,000 हेक्टेयर क्षेत्र को खाक कर दिया। इसमें 29 जानें गईं और 16,000 से अधिक संरचनाएं तबाह हो गईं। इसके कारण कैलिफोर्निया की लगभग दर्जनभर प्रमुख बीमा कंपनियों ने नई पॉलिसियां देना या तो बंद कर दिया या उन पर सख्त शर्तें लगा दीं।

स्विगी इंस्टामार्ट ने शुरू की सोने की डिलीवरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया पर सोने की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। इस बार अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को थी। इस मौके पर स्विगी इंस्टामार्ट ने कई शहरों में मिनटों में सोने और चांदी की डिलीवरी की शुरुआत की। कंपनी का कहना था कि वह ग्रॉसरी के रेट पर ही सोने की डिलीवरी करेगी। कंपनी ने घर-घर सोने की डिलीवरी के लिए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए थे। सोशल मीडिया पर इससे जुड़े कई वीडियो वायरल हो रहे हैं और यूजर्स ने इन पर मजेदार कमेंट किए हैं।

इंस्टाग्राम पर इसका एक क्लिप काफी वायरल हो रहा है। इसमें स्विगी का एक डिलीवरी एक्जीक्यूटिव अपना टू-वीलर लेकर जा रहा है। उसके पीछे एक सिक्योरिटी गार्ड बैठा है। गार्ड के एक हाथ में डंडा है और दूसरे हाथ में उसके हाई सिक्योरिटी लॉकर है। इस वीडियो क्लिप पर यूजर्स ने कई मजेदार कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा, ये क्या हो रहा है इस पर स्विगी ने जवाब दिया, रियल गोल्ड डिलीवरी करने के लिए रियल सिक्योरिटी चाहिए भाई। एक अन्य यूजर ने पूछा, क्या इसमें सच में सोना है। इस पर कंपनी ने कहा, डिलीवरिंग सोना इन एवरी कोना कोना।

कब तक होगी डिलीवरी

स्विगी इंस्टामार्ट ने घोषणा की थी कि कंपनी अक्षय तृतीया के मौके पर कल्याण जूलर्स से कस्टमर्स को मिनटों में सोने और चांदी के सिक्कों की डिलीवरी की शुरुआत कर रही है। इनमें 0.5 ग्राम और 1 ग्राम सोने के सिक्के और 5, 10 और 15 ग्राम चांदी के सिक्के शामिल हैं। ये सिक्के हालमार्क, सर्टिफाइड हैं और काफी सजावटी हैं। यह डिलीवरी पूरे साल के लिए है।

जुबिलैंट बेवरेजेज हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा

सीसीआई की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने जुबिलैंट बेवरेजेज लिमिटेड (जेबीएल) और हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (एचसीसीएच) के बीच शेयर अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। जुबिलैंट हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स में 40 प्रतिशत हिस्सा खरीदेगा।
कंपनी ने सौदे के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपये के भुगतान की बात कही गई है।
बॉटलिंग परिचालन में अपनी हिस्सेदारी बेच रही कोका-कोला कंपनी
यह सौदा कोका-कोला कंपनी की रणनीति के अनुसार वैश्विक स्तर पर बॉटलिंग परिचालन में अपनी हिस्सेदारी बेचने की नीति का हिस्सा है। एचसीसीबीएल 13 कारखानों का संचालन करता है। यह कंपनी विभिन्न पेय पदार्थों/ उत्पादों का विनिर्माण और बिक्री भी करती है।

झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी के हाथ लगा 1663 करोड़ रुपये का काम

शेयरों में करीब 3 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। कंस्ट्रक्शन कंपनी एनसीसी लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को करीब 3 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। एनसीसी लिमिटेड के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह 1663 करोड़ रुपये का काम मिलना है। बीएसई में आज शुक्रवार को एनसीसी लिमिटेड के शेयर 213.35 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयर 2.80 प्रतिशत की तेजी के साथ 217.95 रुपये के लेवल पर पहुंचने में सफल रहा है। बता दें, इस कंपनी में झुनझुनवाला ने भी दांव लगाया है।

उनके पास 10 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा है। टेक्निकल चार्ट पर यह स्टॉक 48.6 के आरएसआई 48.60 प्रतिशत खड़ा है। जोकि दर्शाता है कि यह स्टॉक ना तो बहुत बेचा गया है और ना बहुत खरीद हुई है। बता दें, एनसीसी लिमिटेड की तरफ से 15 मई 2025 को तिमाही नतीजों का ऐलान किया जाएगा। कंपनी की तरफ से डिविडेंड का भी ऐलान संभव है।
कंपनी ने एक्सचेंज को क्या बताया है- एनसीसी लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में बताया है कि अप्रैल 2025 के महीने में कंपनी को 1663 करोड़ रुपये (जीएसटी छोड़कर) का काम मिला है। इसमें से 1082 करोड़ रुपये का काम बिल्डिंग डिविजन का है। वहीं, 581 करोड़ रुपये का काम ट्रांसपोर्टेशन डिविजन का है। कंपनी को यह काम सरकार, प्राइवेट कंपनियों से मिला है।
रेखा झुनझुनवाला के पास 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सा

एसएसआई मंत्रा के निर्माता एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल

इंक ने एनएएसडीएक्यू में किया ऐतिहासिक प्रवेश

- एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल का राजस्व 2023 की तुलना में 2024 में 3.5 गुना बढ़कर 20.6 मिलियन डॉलर पर पहुंचा- ग्रॉस मार्जिन में 40.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई
- एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने यूरोप एवं यूएस में प्रवेश के साथ विश्वस्तरीय विस्तार की योजना बनाई
- एसएसआई मंत्रा की मदद से 3700 सर्जरियां की जा चुकी हैं, जिसमें 200 से अधिक रोबोटिक कार्डियक सर्जरियां शामिल हैं- इन प्रक्रियाओं में सिस्टम से जुड़ी शून्य जटिलताएं दर्ज की गई हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्वस्तरीय मंच पर भारतीय मेडिकल टेक्नोलॉजी में बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, स्वदेशी एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के निर्माता एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल को एनएएसडीएक्यू पर सूचीबद्ध किया गया है। उम्मीद की जा रही है कि 25 अप्रैल, 2025 से ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी, कंपनी के शेयर्स को टिकर सिंबल 'एसएसआईआई' के तहत सूचीबद्ध किया जाएगा।

एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने 31 दिसम्बर 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष में प्रभावशाली आर्थिक विकास दर्ज किया, इस अवधि के दौरान कंपनी का राजस्व जो पिछले साल 5.9 मिलियन डॉलर था, वह 3.5 गुना बढ़ोतरी के साथ 20.6 मिलियन डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया। इसी तरह ग्रॉस मार्जिन भी 2023 में 12.3 फीसदी था जो बढ़कर 40.9 फीसदी पर पहुंच गया। ये आंकड़े कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मार्केट में बढ़ती मौजूदगी को दर्शाते हैं।

इसके अलावा एसएस इनावेवेशन्स इंटरनेशनल ने अपने चिकित्सकीय रूप से मान्य तथा पेटेंट प्राप्त एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के साथ उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जिसे देश भर के 75 स्थानों पर स्थित 80 अस्पतालों में इंस्टॉल किया जा चुका है। साथ ही कंपनी नेपाल, इक्वाडोर, ग्वाटेमाला, फिलिपीन्स, इंडोनेशिया, श्रीलंका, युक्रेन सहित कई देशों में अपने फुटप्रिन्ट का विस्तार कर रही है। एसएसआई मंत्रा सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम, किफ़ायती समाधान उपलब्ध कराकर आधुनिक रोबोटिक सर्जरी को बड़ी संख्या में मरीज़ों की पहुंच में लाया है। आने वाले समय में यूरोप एवं संयुक्त राज्यों में विस्तार की योजनाओं के साथ एसएसआईआई ने अपने आप को मेडिकल रोबोटिक्स के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित किया है तथा दुनिया भर में आधुनिक हेल्थकयर टेक्नोलॉजी में भारत की भूमिका को और मजबूत बना दिया है।

चुनौतीपूर्ण माहौल में मारुति, महिंद्रा की बिक्री बढ़ी तो शेयर ने भी दिखाया दम

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनौतीपूर्ण बाजार माहौल में मारुति सुजुकी इंडिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा की थोक बिक्री अप्रैल महीने में बढ़त पर रही। इसका असर दोनों कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिल रहा है। मारुति के शेयर निफ्टी ऑटो इंडेक्स में टॉप गेनर हैं। इनमें सवा दस बजे तक करीब साढ़े तीन फीसद की तेजी आ चुकी थी। जबकि, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर डेढ़ फीसद ऊपर थे। पीटीआई के मुताबिक मारुति सुजुकी इंडिया की कुल बिक्री अप्रैल महीने में 7 प्रतिशत बढ़कर 1,79,791 इकाई रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा के यूटिलिटी वाहनों की बिक्री पिछले महीने घरेलू बाजार में 28 प्रतिशत बढ़कर 52,330 इकाई हो गई। घरेलू यात्री वाहन खंड में पिछले महीने महिंद्रा एंड महिंद्रा एवं टाटा मोटर्स क्रमश दूसरे एवं तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। वहीं लंबे समय से दूसरे स्थान पर कायम हुंदै मोटर इंडिया चौथे स्थान पर खिसक गई।

टाटा की बिक्री घटी, शेयर चढ़े- टाटा मोटर्स लिमिटेड की अप्रैल 2025 में कुल बिक्री 6.1 प्रतिशत घटकर 72,753 इकाई रह गई। टाटा मोटर्स की घरेलू बिक्री अप्रैल 2024 के 76,399 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने सात प्रतिशत घटकर 70,963 इकाई रह गई। इसके बावजूद इसके शेयर 2.24 प्रतिशत चढ़कर 658.65 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे।

हुंदै मोटर इंडिया का हाल

हुंदै मोटर इंडिया की अप्रैल में कुल बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत घटकर 60,774 इकाई रही। इसका असर इसके शेयर पर दिख रहा है। इसमें 0.25 पर्सेंट की कमजोरी है। यह 1703 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। बता दें किआ इंडिया की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 23,623 इकाई हो गई। वहीं, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की अप्रैल में थोक बिक्री सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़कर 27,324 इकाई हो गई।

अनिल अंबानी बना रहे एशिया का सबसे बड़ा बेस प्रोजेक्ट, 10,000 करोड़ के निवेश की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी की रिलायंस पावर की कंपनी रिलायंस एनयू सनटेक ग्रीन एनर्जी में बड़ा दांव खेलने जा रही है। रिलायंस एनयू सनटेक ने सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के साथ एक पावर परचेज एग्रीमेंट किया है। यह समझौता 25 साल का है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस समझौते में 930 मेगावाट सोलर पावर शामिल है। इसके साथ ही 465 एमडब्ल्यू/1,860 एमडब्ल्यूएच की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी है। कंपनी का कहना है कि यह एशिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन सोलर-बेस प्रोजेक्ट है। यह प्रोजेक्ट अगले 24 महीनों में बनेगा। इसमें लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इसके लिए बिजली की कीमत 3.53 रुपये प्रति यूनिट तय की गई है।

यह डील को देश की क्लीन एनर्जी के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह डील बड़े पैमाने पर और रणनीतिक रूप से भी बहुत खास है। 930 एमडब्ल्यू की क्षमता को पूरा करने के लिए रिलायंस एनयू सनटेक 1,700 से ज्यादा की सोलर जनरेशन क्षमता लगाएगी। इसमें एडवांस एनर्जी स्टोरेज सिस्टम भी होगा।

न्युवोको विस्टास ने चौथी तिमाही और वित्तवर्ष 25 के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की

- चौथी तिमाही वित्तवर्ष25 में ऐतिहासिक तिमाही में उच्चतम कंसोलिडेटेड एबिटिडा रु. 556 करोड़ प्राप्त किया

वित्तवर्ष 25 के लिए सीमेंट की मात्रा 19.4 एमएमटी पर बंद हुई

मुंबई, एजेंसी। युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत में एक प्रमुख बिल्डिंग मैटीरियल्स कंपनी, ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 25 एमएमटीपीए की ज्वाइंट स्थापित क्षमता के साथ, न्युवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड, भारत में 5वां सबसे बड़ा सीमेंट ग्रुप है और पूर्वी भारत में अग्रणी सीमेंट कंपनियों में से एक है। एनसीएलटी द्वारा वडराज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के अधिग्रहण के लिए सॉल्यूशन प्लान को मंजूरी दिए जाने के बाद कंपनी वित्त वर्ष 27 की तीसरी तिमाही तक 31 एमएमटीपीए सीमेंट क्षमता हासिल करने की राह पर है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 5.7 एमएमटी की कंसोलिडेटेड सीमेंट बिक्री मात्रा हासिल की, जिसमें पूरे साल की मात्रा 19.4 एमएमटी तक पहुंच गई। ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड राजस्व चौथी तिमाही में 4 प्रतिशत सालाना आधार पर बढ़कर 3,042 करोड़ रुपये हो गया, जिससे वित्त वर्ष 25 का राजस्व 10,357 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 556 करोड़ रुपये का अपना अब तक का सबसे अधिक तिमाही कंसोलिडेटेड एबिटिडा भी दर्ज किया, जिसमें पूरे साल का एबिटिडा 1,391 करोड़ रुपये रहा। इसके अलावा, कंपनी अपने डेलेवरेजिंग एजेंडे के प्रति समर्पित रही और अपने नेट डेट को सालाना आधार पर 390 करोड़ रुपये घटाकर 3,640 करोड़ रुपये कर दिया। वित्त वर्ष 25 सीमेंट इंडस्ट्री के लिए मजबूती और सुधार का वर्ष रहा, जिसमें पहली छमाही के सुस्त रहने के बाद मांग में लगातार तेजी आई। न्युवोको ने इस उछाल का लाभ लक्षित पहलों के साथ उठाया, जिससे विशेष रूप से दूसरी छमाही में वॉल्यूम में वृद्धि हुई।

सोना हुआ और सस्ता

78000 तक आ सकता है 10 ग्राम गोल्ड का भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। शादियों के सीजन के बीच एक लाख से ऊपर पहुंचने के बाद सोने-चांदी के भाव औंधेमुंह गिर रहे हैं। फरवरी, मार्च और अप्रैल में रिकॉर्डतोड़ तेजी के बाद सोना मई की शुरुआत गिरावट के साथ कर रहा है। 24 कैरेट सोना आज 2 मई को 968 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया है। आज सर्राफा बाजारों 24 कैरेट गोल्ड 93393 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। जबकि, चांदी 86 रुपये महंगी होकर 94200 रुपये प्रति किलो के भाव से खुली। जीएसटी समेत सोने का भाव अब 96194 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया है। जबकि, चांदी की कीमत 97026 रुपये प्रति किलो रह गई है।

बता दें सर्राफा बाजार के रेट इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं, जिनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है।

18 से 22 कैरेट गोल्ड के लेटेस्ट रेट

आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 964 रुपये सस्ता होकर 93019 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 887 रुपये टूटकर 85548 रुपये पर खुला।

भारत की तरफ से खेलने का सपना अब भी पहले की तरह बरकरार है : रहाणे

मुंबई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शुक्रवार को कहा कि पिछले दो साल से राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बावजूद भारत की तरफ से खेलने के उनकी इच्छा और भूख पहले की तरह बरकरार है। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी ने आखिरी टेस्ट मैच 2023 में खेला था और वह करीब एक दशक से सीमित ओवरों की टीम से बाहर हैं लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय टीम में वापसी करने को लेकर अभी हार नहीं मानी है।

रहाणे ने कहा, 'मैं फिर से भारतीय टीम में जगह बनाना चाहता हूं। मेरी इच्छा, भूख, जज्बा पहले की तरह बरकरार है। मैं अब भी पहले की तरह फिट हूं। मैं एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान देना चाहता हूं और अभी मेरा ध्यान केवल आईपीएल पर है। इसके बाद देखते हैं कि भविष्य में क्या होता है।% उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो कभी हार नहीं मानता। मैं हमेशा मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं। मैं मैदान पर 100 प्रतिशत से अधिक देता हूं। यह उन चीजों से जुड़ा है जो मेरे नियंत्रण में हैं। मैं घरेलू क्रिकेट भी खेल रहा हूं और इस समय मैं वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं।

रहाणे के लिए गौरव का सबसे बड़ा क्षण शायद 2020-21 का ऑस्ट्रेलिया दौरा था जिसमें उन्होंने चोटों से जूझ रही टीम का नेतृत्व करते हुए भारत को टेस्ट श्रृंखला में 2-1 से जीत दिलाई थी। इसके बाद वह हालांकि लंबे समय तक भारतीय टीम का हिस्सा नहीं रहे। उन्होंने कहा, 'हर सुबह जब मैं उठता हूं तो यही सोचता रहता हूं कि मैं कौन से लक्ष्य हासिल करना चाहता हूं। मेरे लिए अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बढ़कर कुछ नहीं है। मैं फिर से भारतीय जर्सी पहनना चाहता हूं। जब कोई टूर्नामेंट नहीं चल रहा होता है तो मैं एक दिन में दो से तीन सत्र तक अभ्यास करता हूं। मुझे लगता है कि अभी मेरे लिए खुद को फिट रखना वास्तव में काफी महत्वपूर्ण है।

रहाणे ने कहा, 'मैं अपने आहार पर भी ध्यान दे रहा हूं। मेरे अंदर भारत की तरफ से अच्छा प्रदर्शन की प्रेरणा पहले की तरह बनी हुई है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि मैं पहले की तरह खेल का पूरा आनंद ले रहा हूं। मैं खेल को लेकर भावुक हूं। मैं अब भी खेल से प्यार करता हूं। रहाणे ने आईपीएल के संदर्भ में कहा कि टीम प्रबंधन नाइट राइडर्स के उप कप्तान वेंकटेश अय्यर का पूरा समर्थन करती है जो इस सत्र में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम पूरी तरह से वेंकटेश अय्यर का समर्थन कर रहे हैं। वह बड़ा स्कोर बनाने से सिर्फ एक पारी दूर हैं। आप शायद अगले चार मैचों में उनकी एक अच्छी पारी देख सकते हैं।

वाकई एक परफेक्ट मैच था- राजस्थान को हराकर बोले हार्दिक पांड्या

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के मैदान पर राजस्थान रॉयल्स को हराने के बाद मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि हमने जिस तरह बल्लेबाजी की और गेंदबाजी में भी जिस तरह सटीकता दिखाई ये वाकई एक परफेक्ट मैच था। हम शायद 15 रन और बना सकते थे। हमारी आपस में बातचीत यही थी कि

प्रतिशत के हिसाब से शॉट्स खेलें। सूर्या और मैंने कहा कि यहां शॉट्स की वैल्यू है। रोहित और रायन ने भी उसी अंदाज में बल्लेबाजी की। मुझे लगता है यह शानदार था। यह कभी इस बात पर निर्भर नहीं करता कि किसे मौक़ा मिला, बल्कि इस पर होता है कि उस स्थिति में क्या जरूरी है।

हार्दिक ने कहा कि लोग अब फिर से बल्लेबाजी के मूल सिद्धांतों की ओर लौट रहे हैं। एक यूनिट के तौर पर हमने जिस तरह बल्लेबाजी की, वो असली बल्लेबाजी थी। मैं नहीं जानता किन-किन गेंदबाज़ों का नाम लूं। हर कोई अपने रोल को लेकर स्पष्ट है। हम सीधी और साधारण क्रिकेट खेल रहे हैं, और वही हमारे लिए काम कर रही है। हम हर मैच को एक-एक करके देखना चाहते हैं और विनम्र व अनुशासित रहना चाहते हैं।

वहीं, प्लेयर ऑफ़ द मैच रायन रिकलटन ने कहा कि आज शानदार अनुभव रहा। इस हफ्ते मेरा परिवार भी यहां आया हुआ है, तो यह हफ्ता और भी ख़ास बन गया। शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन अब हमारी साझेदारी अच्छी तरह क्लिक कर रही है। मौसम को लेकर थोड़ी अनिश्चितता थी, बादल मंडरा रहे थे। आईपीएल में सबसे जरूरी बात यही है। हालात के अनुसार ख़ुद को ढालना। टूर्नामेंट के पहले हिस्से में मैं शायद ज्यादा करने की कोशिश कर रहा था, जिसकी मुझे कीमत चुकानी पड़ी। हमारे पास एक शानदार थिंकटैंक है, सीनियर खिलाड़ी हैं और मजबूत मैनेजमेंट टीम भी है।

सात्विक-चिराग को खेल रत्न, खेलमंत्री मांडविया से मिला विशेष पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बैडमिंटन सितारे सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार प्रदान किया। सात्विक और चिराग को पिछले साल यह सम्मान मिला था लेकिन खेल में व्यस्त होने के कारण वे राष्ट्रपति भवन में सम्मान लेने

नहीं जा सके।

उन्हें फरवरी में खेलमंत्री से सम्मान लेना था लेकिन सात्विक के पिता आर कासी विश्वनाथम का दिल का दौरा पड़ने से निधन होने के कारण उसे स्थगित करना पड़ा। मांडविया ने एक्स पर दोनों खिलाड़ियों के साथ तस्वीर साझा करके लिखा, 'हमारे बैडमिंटन चैम्पियन चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी को आज दिल्ली में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2023 प्रदान किया।

उन्होंने लिखा, 'यह पुरस्कार कोर्ट पर उनके शानदार प्रदर्शन और प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सात्विक और चिराग ने 2022 एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों और 2023 एशियाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीते। दोनों बीडब्ल्यूएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रहने वाली और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 खिताब जीतने वाली एकमात्र भारतीय जोड़ी थी।

आज चेन्नई के खिलाफ आरसीबी की निगाहें प्लेऑफ में जगह पक्की करने पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना करेगा तो उसकी निगाह प्ले ऑफ ने अपनी जगह लगभग पक्की करने पर होगी। महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली की मौजूदगी के कारण यह मैच खास बन गया है क्योंकि क्रिकेट प्रेमियों को भारतीय क्रिकेट के इन दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को संभवत- आखरी बार एक दूसरे के खिलाफ खेलते हुए देखने का मौका मिलेगा।

इस मैच में जीत दर्ज करने पर आरसीबी के कुल 16 अंक हो जाएंगे और उसका प्लेऑफ में जगह बनाना लगभग सुनिश्चित हो जाएगा। आरसीबी को इसके बाद तीन और मैच खेलने हैं और जिस तरह से उसकी टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए टीम की निगाह शीर्ष दो में जगह बनाने पर लगी होगी ताकि उसे फाइनल में पहुंचने के लिए दो मौके मिलें। जहां तक चेन्नई का सवाल है तो उसके 10 मैच में केवल चार अंक हैं और वह प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है।

धोनी की अगुवाई वाली टीम हालांकि ऋष्क्र के समीकरण बिगाड़ने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस मैच में हालांकि सभी की निगाहें धोनी और कोहली पर टिकी रहेंगी। कोहली इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। उन्होंने अभी तक टूर्नामेंट में 443 रन बनाए हैं और वह फिर से ऑरेंज कैप हासिल करने की कोशिश करेंगे जो प्रतियोगिता में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज को मिलती है।

उन्हें तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले देवदत्त पडिक्कल से अच्छा सहयोग मिल रहा है। देवदत्त ने अपनी पिछली दो पारियों में दो अर्द्धशतक बनाए हैं। लेकिन कोहली निश्चित रूप से अपने सलामी जोड़ीदार फिल साल्ट से अधिक योगदान देखना चाहेंगे। आरसीबी को अपने कप्तान रजत पाटीदार से भी बड़ी पारी की उम्मीद होगी।

चेन्नई के गेंदबाजों में अभी तक तेज गेंदबाज खलील अहमद और स्पिनर नूर अहमद ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं और आरसीबी के बल्लेबाज इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। लेकिन चेन्नई के बल्लेबाजों को इस तरह की राहत नहीं मिलेगी क्योंकि उनका सामना जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार, कृणाल पंड्या और सुयश शर्मा से होगा।

चेन्नई के बल्लेबाजों ने अभी तक टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसकी टीम को उम्मीद होगी कि उनके बल्लेबाज जैसे आयुष म्हात्रे, सैम कुरेन, डेवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे अच्छा योगदान देंगे जिससे कि धोनी अंतिम ओवर में अपने सर परिचित आक्रामक अंदाज में रन बना सकें।

टीमें

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु – रजत पाटीदार (कप्तान) फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कृणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, लुंगी एनगिडी, लियाम लिविंगस्टोन, स्वप्निल सिंह, मनोज भांडागे, रसिख दार सलाम, नुवान तुषारा, जैकब बेथेल, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

चेन्नई सुपर किंग्स – एमएस धोनी (कप्तान, विकेटकीपर), शेख रशीद, आयुष म्हात्रे, दीपक हुडा, सैम कुरेन, रवींद्र जडेजा, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, नूर अहमद, खलील अहमद, मथीशा पथिराना, अंशुल कंबोज, आर अश्विन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवरटन, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, श्रेयस गोपाल, डेवोन कॉनवे, रचिन रवींद्र, मुकेश चौधरी, नाथन एलिस, सी आंद्रे सिद्धार्थ, वंश बेदी।

समय -शाम 7.30 बजे।

पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा

साइ सुदर्शन को इंग्लैंड दौरे के लिए शामिल किया जाना चाहिए

दुबई (एजेंसी)। पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने युवा साइ सुदर्शन को हर प्रारूप का बल्लेबाज बताते हुए कहा कि उसे इस साल इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल किया जाना चाहिए। भारतीय टीम नए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र (2025 - 2027) की शुरूआत इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट की श्रृंखला से करेगा। भारत को न्यूजीलैंड ने घरेलू टेस्ट श्रृंखला में 3.0 से और आस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 3.1 से हराया था।

आईपीएल में इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में 456 रन के साथ दूसरे स्थान पर काबिज गुजरात टाइटंस के सुदर्शन के बारे में शास्त्री ने कहा कि काउंटी खेलने के अनुभव और अपनी तकनीक के कारण वह इंग्लैंड के हालात में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे का आगाज 20 जून से शुरू हो रहे हेडिंग्ले टेस्ट से करेगी। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में कहा, 'मुझे लगता है कि यह युवा खिलाड़ी साइ सुदर्शन हर प्रारूप का खिलाड़ी है। वह शानदार क्रिकेटर है। इंग्लैंड के हालात में एक खब्बू बल्लेबाज और तकनीक में कुशल होने के कारण मैं चाहूंगा कि वह भारतीय टीम में रहे। उन्होंने कहा कि भारत के लिए सीमित ओवरों के क्रिकेट और आईपीएल में फॉर्म में चल रहे श्रेयस अय्यर भी चुने जा सकते हैं लेकिन उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना होगा। शास्त्री ने कहा, 'श्रेयस वापसी कर सकता है लेकिन प्रतिस्पर्धा कड़ी होगी। सफेद गेंद के प्रारूप में तो उसका चयन पक्का है लेकिन टेस्ट क्रिकेट में देखना होगा कि बाकी खिलाड़ी कौन हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के चोट से उबरकर वापसी करने के बीच शास्त्री ने कहा कि भारत के गेंदबाजी आक्रमण में एक बाएं हाथ का गेंदबाज होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'बाएं हाथ का गेंदबाज होना चाहिए जिसे छठा गेंदबाजी विकल्प बनाया जा सकता है। वह सफेद गेंद का विशेषज्ञ भी हो सकता है। वैसे मुझे यह पसंद नहीं है जब लोग कहते हैं कि अर्शदीप सिंह सफेद गेंद का विशेषज्ञ है। उन्होंने कहा, 'मैं लाल गेंद के प्रारूप में उसके रिकॉर्ड पर नजर रखूंगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम का खराब प्रदर्शन जारी, ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हारी

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने बृहस्तिवार को पर्थ हॉकी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया दौरे के अपने तीसरे मैच में 0-2 की शिकस्त से पहले मेजबान टीम को कड़ी टक्कर दी। कर्टनी शोनेल (नौवें मिनट) ने पहले क्वार्टर में मेजबान टीम के लिए पहला गोल किया जबकि ग्रेस स्टीवर्ट ने 52वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। इससे पहले मेहमान टीम को ऑस्ट्रेलिया 'ए% के ??खिलाफ शुरुआती दो मैच में 3-5 और 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। बृहस्पतिवार का मुकाबला भारत का ऑस्ट्रेलिया की मुख्य टीम के खिलाफ पहला मैच था।

शुरुआत से ही ऑस्ट्रेलिया ने भारत के डिफेंस पर कड़ा दबाव बनाया और शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन इसे गोल में तब्दील नहीं कर सके। आखिरकार ऑस्ट्रेलिया ने नौवें मिनट में गतिरोध तोड़ा जब शोनेल ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। मेजबान टीम ने एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन टीम इस पर भी गोल नहीं कर

सकी।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने वापसी का प्रयास किया और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन मेहमान टीम बराबरी हासिल नहीं कर पाई। दूसरे क्वार्टर में बेहतर प्रदर्शन के बावजूद भारत मध्यांतर तक 0-1 से पीछे रहा।

राजस्थान को हराकर मुंबई अंक तालिका में टॉप पर, सूर्यकुमार ने हासिल की ऑरेंज कैप

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने राजस्थान रॉयल्स को उसी के घर जयपुर में हराकर जीत का सिक्सर लगाते हुए आईपीएल 2025 के अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई है। मुंबई के टॉप पर पहुंचने के कारण रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स को एक-एक स्थान नीचे खिसकना पड़ा है।

मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरूआत

में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

मुंबई के 11 मैचों में 7 जीत और 4 हार के बाद कुल 14 अंक हो गए हैं। हालांकि बेंगलुरु के 10 मैचों में 7 जीत और 3 हार के साथ 14 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण मुंबई टॉप पर है और बेंगलुरु खिसक कर दूसरे स्थान पर आ गई है। पंजाब के 10 मैचों में 6 जीत 3 हार और एक ड्रॉ के कारण 13 अंक हैं और वह इस समय तीसरे स्थान पर है। टॉप 4 में अंतिम टीम गुजरात टाइटंस है जिसने 9 मैचों में 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हैं। राजस्थान की बात करें तो वह 11 मैचों में मात्र 3 जीत के साथ 6 अंक सहित 8वें स्थान पर कायम है।

ऑरेंज कैप- मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने साई सुदर्शन और विराट कोहली को पछाड़कर ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। मुंबई बनाम राजस्थान मैच से पूर्व वह तीसरे स्थान पर थे लेकिन उन्होंने नाबाद 48 रन की पारी खेलते हुए ऑरेंज कैप हासिल कर ली है। सूर्यकुमार के होल्ड 11 मैचों की 11 इनिंग्स में 68 के हाईएस्ट और 67.86 की औसत के साथ कुल 475 रन हो गए हैं। उनके नाम मौजूदा ढ्ढक्क सीजन में 3 अर्धशतक हैं।

पर्पल कैप – पर्पल कैप की बात करें तो आरसीबी के जोश हेजलवुड के पास पर्पल कैप बनी हुई हैं। उनके नाम 10 मैचों की 10 इनिंग्स में 18 विकेट्स हैं। हेजलवुड ने 33/4 के बेस्ट और 8.44 की इकोनॉमी के साथ 18 विकेट्स लिए हैं।

ट्रेंट बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे

जयपुर (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के टी20 में 300 विकेट पूरे हो गए हैं। बोल्ट ने शुक्रवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ अपनी टीम के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच के दौरान पावरप्ले में विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के इस अनुभवी खिलाड़ी ने अपनी नई फॉर्म जारी रखी, हालांकि उन्होंने कुछ रन भी लुटाए। बोल्ट ने 2.1 ओवर में 12.90 की इकॉनमी रेट से 28 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

उन्होंने दूसरे ओवर में यशस्वी जायसवाल के खिलाफ दो छक्के खाए, लेकिन कीवी ने जल्द ही फॉर्म में चल रहे युवा सलामी बल्लेबाज के स्टंप उखाड़कर उन्हें पवेलियन भेज दिया। चौथे ओवर में नितीश राणा और राजस्थान के स्टैंड-इन कप्तान रियान पराग ने 35 वर्षीय खिलाड़ी का मुकाबला करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने पुल करने की कोशिश

में नितीश का विकेट ले लिया, लेकिन तिलक वर्मा ने कैच कर लिया। उन्होंने पारी का अंतिम विकेट जोफ्रा आर्चर का लिया, जिसे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कैच किया।

अब 257 टी20 में बोल्ट ने 25.10 की औसत से 302 विकेट लिए हैं जिसमें 4/13 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और 8.05 की इकॉनमी रेट शामिल है। वह टिम साउथी (343 विकेट), ईश सोढ़ी (310 विकेट) के बाद 300 विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के तीसरे गेंदबाज हैं। अपने पिछले पांच मैचों में 11 विकेट के साथ बौल्ट शानदार फॉर्म में हैं और 21.00 की औसत और 8.80 की इकॉनमी रेट से 16 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ आंकड़ा 4/26 है।

मैच की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स को जयपुर के मैदान पर ही मुंबई इंडियंस ने धूल चटाते हुए सीजन की लगातार छठी जीत हासिल की और अंक तालिका में टॉप पर पहुंच गई। मुंबई ने जयपुर के मैदान पर 13 साल बाद राजस्थान को हराया है। जबकि 100 रन से हार राजस्थान की रनों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी हार है। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया था। रिकल्टन, रोहित, हार्दिक और सूर्यकुमार की पारियों के दम पर मुंबई ने राजस्थान को 217 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में खेलने उतरी राजस्थान की पारी शुरूआत में ही बिखर गई। उन्होंने पावरप्ले में ही 5 विकेट गंवा लिए थे जोकि इस सीजन में पहली बार हुआ है। मुंबई के लिए कर्ण शर्मा और ट्रेंट बोल्ट ने 3-3 तो जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लीं।

श्रीसंत पर गिरी गाज

केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने लगाया तीन साल का प्रतिबंध

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम से संजू सैमसन को बाहर किए जाने से जुड़े विवाद के संबंध में कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने के लिए पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिए निलंबित कर दिया है।

केसीए ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 30 अप्रैल को कोच्चि में आयोजित अपनी विशेष आम सभा की बैठक में लिया गया। श्रीसंत वर्तमान में केरल क्रिकेट लीग की एक फ्रेंचाइजी टीम कोल्लम एरीज के सह-मालिक हैं। इससे पहले उनकी विवादास्पद टिप्पणी के संबंध में श्रीसंत के साथ-साथ फ्रेंचाइजी टीमों कोल्लम एरीज, अलाप्पुझा टीम लीड और अलाप्पुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। बयान में कहा गया है, चूंकि फ्रैंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दिया है, इसलिए उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। हालांकि बैठक में टीम प्रबंधन में सदस्यों की नियुक्ति करते समय अधिक सावधानी बरतने की सलाह देने का फैसला किया गया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गिरिजा व्यास का निधन, राजनीतिक जगत में शोक की लहर

उदयपुर, एजेंसी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास का निधन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद के जाइडस अस्ताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस लीं। कुछ दिनों पहले, उदयपुर स्थित उनके निवास पर पूजा के दौरान अचानक साड़ी में आग लग गई थी, जिससे वे 90 प्रतिशत झुलस गईं। इस हादसे के बाद से उनका इलाज चल रहा था, लेकिन अंततः वे इस संघर्ष को हार गईं। डॉ. गिरिजा व्यास ने अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे उदयपुर से विधायक और सांसद रही थीं। इसके अलावा, उन्होंने नरसिम्हा राव सरकार में केंद्रीय मंत्री के तौर पर भी अपनी सेवाएं दीं। यूपीए सरकार में उन्होंने महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाई। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष और महिला कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में भी उनका योगदान महत्वपूर्ण रहा। डॉ. गिरिजा व्यास का निधन भारतीय राजनीति और समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। उनके संघर्षपूर्ण जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। डॉ. व्यास दर्शन शास्त्र में पीएचडी थीं और मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में बतौर प्रोफेसर रहीं। उदयपुर में शिल्पग्राम निर्माण, जयसमंद से पाइप लाइन समेत अन्य विकास कार्यों में उनका योगदान रहा। डॉ. गिरिजा व्यास के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर दुख जताते हुए लिखा-पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ गिरिजा व्यास का निधन हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ गिरिजा व्यास ने शिक्षा, राजनीति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में बड़ा योगदान था। उनका इस तरह एक हादसे का शिकार होकर असमय जाना हम सभी के लिए एक बड़ा आघात है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता हूं।

मुस्लिमों को टारगेट न करें; पहलगाम में मारे गए विनय नरवाल की पत्नी की अपील

करनाल, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नेवी के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने सभी से शांति की अपील की है। उन्होंने गुरुवार को लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की जयंती पर कहा कि हमें मुस्लिमों और कश्मीरियों को टारगेट नहीं करना चाहिए। हम शांति चाहते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इस हमले में शामिल लोगों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। हिमांशी ने कहा, इस हमले में जो लोग शामिल हैं, इन्हें सख्त सजा दी जाए। लेकिन हमें मुस्लिमों और कश्मीरियों को टारगेट नहीं करना है। विनय की जयंती पर परिवार ने ब्लड डोनेशन कैंप का भी आयोजन किया था। आज यदि विनय नरवाल जीवित होते तो उनका जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाता, लेकिन आज परिवार उनकी याद में जयंती मनाता दिखा। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुटे थे। इस दौरान हिमांशी बेहद भावुक हो गईं। कैंप में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और उन्होंने रक्तदान किया। हिमांशी ने कहा कि मैं भी पति विनय नरवाल की ओर से दिखाए गए देशभक्ति के रास्ते पर आगे बढ़ूंगी। मुझे देश की सेवा करनी है। हिमांशी ने कहा, देशवासियों को विनय नरवाल के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। वह जहां भी हों, सुखी हों। हम आज यहां शोक व्यक्त करने के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं बल्कि हम उनकी देशभक्ति और जज्बे का सम्मान करने के लिए आए हैं। हिमांशी और विनय नरवाल की 16 अप्रैल को ही शादी हुई थी और फिर 19 तारीख को रिसेप्शन हुआ था। यह जोड़ा हनीमून पर पहलगाम घूमने गया था, जहां 22 अप्रैल को आतंकियों ने विनय नरवाल का कत्ल कर दिया। इस हमले में कुल 26 लोग मारे गए थे। आतंकियों ने विनय नरवाल समेत सभी लोगों का धर्म पूछकर कत्ल किया था। ब्लड डोनेशन कैंप में विनय नरवाल की बहन सृष्टि भी मौजूद थीं। सृष्टि ने कहा कि मैं यहां आए सभी लोगों का आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने हमारा साथ दिया है।

मुश्ताक ने सुनील बनकर रचाई शादी, रुद्रपुर की प्रेमिका का गला काटकर सिर नहर में फेंका; धर्मांतरण भी कराया

रुद्रपुर (खटीमा), एजेंसी।
उत्तराखंड के रुद्रपुर में रहने वाली पूजा मंडल का उसके प्रमी से बेरहमी से उसका मर्डर कर दिया। हरियाणा के गुरुग्राम में लिव इन रिलेशन में रहते हुए मुश्ताक ने नाम बदलकर उसके साथ शादी रचाई। दूसरी लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसाकर उसने शादी कर ली।

पूजा के दबाव बनाने पर उसका मर्डर कर दिया। सिर को धड़ से अलग कर नहर में फेंक मुश्ताक फरार हो गया था। पुलिस ने हत्यारोपी का गिरफ्तार कर लिया है। पांच महीने से लापता नानकमत्ता की 38 वर्षीय पूजा मंडल की उसके प्रेमी मुश्ताक ने नृशंस हत्या कर दी। बेरहमी से पूजा का गला काटकर उनका धड़ और शव अलग-अलग कट्टे में रखकर नहर में फेंक दिया। पूजा हरियाणा के गुरुग्राम में एक स्पा सेंटर में काम करती थीं और नवंबर 2024 से लापता थीं।

दिसंबर में उनकी बहन ने पूजा की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए मुश्ताक पर शक जताया था। इसके बाद से पुलिस जांच में लगी थी। कुछ दिन पहले ही हरियाणा पुलिस ने मुश्ताक को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने सब उगल दिया। हरियाणा पुलिस ने खटीमा पुलिस की मदद से युवती का धड़ नहर से बरामद किया, जबकि सिर खबर लिखे जाने तक नहीं मिला था। मूलरूप से नानकमत्ता की बंगाली कॉलोनी की रहने वाली पूजा मंडल का 2019 में अपने पति से तलाक हो गया था।

पूजा के दो बच्चे अपने पिता के साथ शक्तिफार्म में ही रहते हैं। इसके बाद पूजा स्पा सेंटर में काम करने के लिए गुरुग्राम चली गईं। यहीं टैक्सी चालक सितारगंज निवासी मुश्ताक से उनकी मुलाकात हुई और एक ही राज्य और जिले के होने के कारण दोनों करीब आ गए। इसके बाद दोनों गुरुग्राम में करीब डेढ़ वर्ष तक लिव-इन-रिलेशनशिप में रहे और साल 2022 में दोनों ने शादी कर ली।

इधर, मुश्ताक ने पूजा को बगैर बताए किच्छा से दूसरी शादी भी कर ली। इसकी खबर जब पूजा को लगी तो नवंबर 2024 में यह मामला सितारगंज कोतवाली पहुंचा। तब पूजा ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि मुश्ताक ने पहचान छिपाकर उससे हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया है।

पूजा ने नवम्बर 2024 में पुलिस व जांच अफसरों को बताया था कि वर्ष 2022 में मुश्ताक ने अपने को सुनील यादव बताकर उनके साथ शादी की। बाद में उनका धर्मांतरण करवा दिया। दोनों के बालिग होने के कारण पुलिस ने दोनों पक्षों की काउंसलिंग की। बाद में पूजा मुश्ताक के साथ हरियाणा चली गई और कुछ दिन बाद ही लापता हो गई।

पूजा और मुश्ताक के बीच प्रेम संबंध की शुरुआत 2022 में रुद्रपुर में हुई। मुश्ताक चकरपुर कुटरी में पंक्चर की दुकान चलाता था। एक दिन रुद्रपुर में पूजा और मुश्ताक की मुलाकात हुई। मुलाकात के बाद धीरे-धीरे मुश्ताक ने पूजा से नजदीकी बढ़ा ली और दोनों गुरुग्राम चले गए। जहां पूजा एक स्पा सेंटर में काम करने लगी और मुश्ताक एक कैब चलाने लगा।

पुलिस का कहना है कि हरियाणा में रहने के दौरान दोनों आपस में मिलते रहते थे। मामले में नया मोड़ तब आया, जब मुश्ताक ने दो नवंबर 2024 को सितारगंज आकर किच्छा की लड़की से शादी कर ली। इसकी जानकारी जब पूजा को हुई तो वह इसको बर्दाश्त नहीं कर सकी। वह सितारगंज आ गई। पूजा के आने की तारीख आठ नवंबर के आसपास बताई जा रही है।

पूजा ने सितारगंज आने के बाद मुश्ताक के सामने शादी को लेकर काफी हंगामा किया। बताया जा रहा है कि इस मामले में दोनों के बीच पंचायत भी हुई, लेकिन पूजा जिस धोखे से गुजर रही थी, उसे वह बर्दाश्त नहीं कर पा रही थी। पूजा के नहीं मानने पर मुश्ताक उसे रास्ते से हटाने का मन बना चुका था। इसलिए वह पूजा को इस्लामनगर निवासी अपनी बहन के यहां लेकर आया। पूजा को यहां लाकर भी समझाता रहा। रात के समय पूजा को घुमाने के बहाने कंजाबाग नदन्ना नहर की ओर लेकर आया। यहां पूजा का सिर धड़ से अलग कर शव को ठिकाने लगा दिया।

कोतवाल खटीमा मनोहर सिंह दसौनी ने बताया कि लड़की और आरोपी मुश्ताक के बीच प्रेम संबंध चल रहा था। वह शादी नहीं करना चाहता था। प्रकाश में यह आया है कि युवक ने एक अन्य युवती से विवाह कर लिया है। प्रेमिका के विरोध करने के कारण मुश्ताक ने उसकी हत्या कर दी। हरियाणा पुलिस चार माह से आरोपी की तलाश कर रही थी। -

पूजा की गला काटकर हत्या की गई थी। हत्या करने के बाद सिर को एक कट्टे में पत्थर और मिट्टी में भरकर नाले में फेंका गया, जबकि धड़ को एक चादर में लपेट कर कट्टे में भरकर नाले में फेंका गया। अंदाजा लग रहा है कि इस हत्याकांड में एक से अधिक लोग शामिल हो सकते हैं।

पुलिस ने बताया कि पूजा की 19 दिसम्बर 2024 को थाना सेक्टर पांच गुरुग्राम हरियाणा में उसकी बहन प्रमिला विश्वास ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जबकि हत्यारोपी ने बताया कि उसने पूजा की हत्या 16 नवंबर की रात को कर दी थी। बुधवार को हरियााण पुलिस मुश्ताक को लेकर खटीमा पहुंची। निशानदेही पर ढाई बजे नाले से युवती का एक कट्टे में चादर में लिपटा सड़ा-गला धड़ बरामद किया।

मृतका पूजा के भाई असित विश्वास ने बताया कि उसकी बहन प्रमिला विश्वास ने ही 19 दिसंबर 2024 को बहुत प्रयास के बाद गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हरियाणा में मुकदमा दर्ज नहीं कर रही थी। इस बीच वह अपनी बहन को बहुत जगह खोजते रहे। गुरुग्राम से दबाव बनने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया।

गाजियाबाद की 61 सोसाइटियों को नोटिस जारी

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद में भूजल (ग्राउंड वाटर) दोहन के लिए 61 सोसाइटियों को गुरुवार को नोटिस जारी किए गए हैं। भूजल विभाग ने इन सभी सोसाइटियों से 30 दिन में जवाब मांगा है।

जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक विकास भवन में सीडीओ अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें नगर निगम से सोसाइटियों में पानी की आपूर्ति की जानकारी ली गई, जिसमें बताया गया कि 61 सोसाइटी को भूजल दोहन पर नोटिस जारी किया गया है। इन सोसाइटियों को बनाने के दौरान पेयजल आपूर्ति का उचित इंतजाम नहीं किया गया, जिससे इन सोसाइटी में भूजल का उपयोग किया जा रहा है। यहां की पेयजल आपूर्ति भूजल दोहन पर ही टिकी है। बैठक में निर्देश दिए गए कि इन सोसाइटियों में जलापूर्ति किस तरह से की जा सकती है, इसकी स्थिति स्पष्ट की जाए। बैठक में जिला भूगर्भ जल की नोडल सृष्टि जायसवाल, सहायक उपयुक्त रतिका गुप्ता, अधिशासी अभियंता (सिविल) प्रमोद कुमार शर्मा, अश कुमार, सीपी सिंह रावल, रेंज अधिकारी संजय कुमार, एनके पांडे, डाईड्रोलाजिस्ट अंकिता राय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अवैध आरओ प्लांट और कार धुलाई सेंटर को लेकर छह शिकायतें मिलीं।

इनमें से तीन प्लांट सील किए गए, जबकि तीन ने खुद ही अपने बोरवेल बंद कर लिए। बैठक में सोसाइटी में पेयजल आपूर्ति के लिए नगर निगम को डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाकर जिला भूगर्भ जल प्रबंधन परिषद को देने के लिए कहा गया है, जिससे सोसाइटी में अवैध रूप से हो रहे भूजल दोहन को रोका जा सके। बैठक में बताया गया कि नलकूप रजिस्ट्रेशन के लिए सात, एनओसी के लिए छह, एनओसी के नवीनीकरण के लिए 20 आवेदन मिले हैं। नलकूप रजिस्ट्रेशन के पांच और एनओसी देने के दो आवेदन स्वीकृत हो पाए हैं।

सीमा हैदर भारत के लिए बड़ा खतरा; पहलगाम हमले के बाद वकील का कश्मीर लिंक वाला दावा

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। पाकिस्तान से आई सीमा हैदर पहलगाम हमले के बाद से सुर्खियों में है। एक तरफ जहां उसने चुप्पी साध रखी है तो दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर बहुत से लोग उसे वापस पाकिस्तान भेजने की मांग कर रहे हैं। इस बीच सीमा के पहले पति गुलाम हैदर के भारतीय वकील मोमीन खान ने भी कई गंभीर आरोप लगाते हुए भारत सरकार से मांग की है कि उसे तुरंत पाकिस्तान वापस भेज दिया जाए। मोमीन ने सीमा हैदर का जम्मू-कश्मीर से कोई लिंक होने का भी दावा किया है।

मोमीन खान सीमा हैदर के चार बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजने के लिए गुलाम हैदर की तरफ से कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने यूट्यूब पर लाइव आकर कहा कि सीमा हैदर ने लिखी-लिखाई स्क्रिप्ट के जरिए विक्टिम कार्ड खेलती रही है। सीमा हैदर भारत के लिए बहुत बड़ा खतरा है, भारत की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, नासूर है। उसको जितनी जल्दी हो भारत से डिपोर्ट किया जाए या उसकी जमानत खारिज करवाकर जेल में रखा जाए। भारत की सुरक्षा के लिए यह बहुत बड़ा कदम होगा। रही बात बच्चों की तो अदालत से 2024 में ही आदेश यूपी सरकार को जा चुका है। यूपी सरकार उस आदेश को लागू करते हुए बच्चों को डिपोर्ट कराए। खान ने कहा कि सीमा भारतीय सिम का इस्तेमाल कर रही है और वॉट्सऐप कॉल पर किससे बात करती है, इसकी जानकारी नहीं है। मोमीन खान ने सीमा हैदर के मामले में जांच में लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच एसएचओ जेवर की ओर से की जा रही है जबकि एपी सिंह झूठा दावा करते हैं कि इस मामले की जांच एटीएस के पास है। खान ने कहा कि ना तो नेपाल जाकर जांच की गई और ना ही उन बस ड्राइवर कंडक्टर से पूछताछ की गई जो इन्हें लेकर आया था।

मोमीन खान ने कहा कि सीमा हैदर को किसी हालत में भारत की नागरिकता नहीं मिलेगी। आज नहीं तो 10 दिन बाद सीमा हैदर को वापस भेजना ही पड़ेगा। गुलाम हैदर के वकील ने सीमा के वकील एपी सिंह को निशान पर लेते हुए कहा कि उन्होंने ही पहलगाम हमले के बाद सीमा को चुप रहने को कहा है। मोमीन ने कहा कि सीमा को उसे एपी सिंह ने ही छिपाकर रखा है। खान ने कहा कि एक दिन सीमा हैदर पलटी मारेगी और एपी सिंह पर ऐसे आरोप लगाएगी कि उन्हें शर्मसार होना पड़ेगा। मोमीन खान ने कहा कि वह खुद को बचाने के लिए भारत माता की जय कहती है और कहती है कि मोदी जी से शरण मांग रही है। जब उसे डिपोर्ट किया जाएगा वह कहेगी कि मुझे बंदूक के साए में रखा जाता था। बच्चों के गले पर चाकू रखकर भारत के समर्थन में और पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगवाए जाते थे। मोमीन खान ने एक अन्य वीडियो में सीमा हैदर के जम्मू-कश्मीर से कनेक्शन को लेकर दावा किया। उन्होंने कहा, 'सीमा हैदर भारत के लिए बड़ा खतरा है। एक वीडियो आया था जिसमें वह कह रही है कि मेरे लिए जम्मू-कश्मीर से फ्रूट, ड्राई फ्रूट आते हैं, ये आते हैं...। इसका कहीं ना कहीं कनेक्शन जम्मू-कश्मीर से भी है। ये हमारे लिए बहुत बड़ा खतरा है। इस खतरे को टाले भारत सरकार और बेल कैंसल करके जेल में डाले।'

ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वॉल्ट्ज को हटाया, उपराष्ट्रपति वेंस बोले ये प्रमोशन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज को पद से हटाए जाने और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत पद पर चुने जाने को प्रमोशन यानि पदोन्नति के रूप में पेश करने की कोशिश की है। उन्होंने मीडिया पर आरोप लगाया है कि वह शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा पद से उनके हटने को बर्खास्तगी के रूप में पेश कर रहा है। वेंस ने गुरुवार को चार्ल्सटन, साउथ कैरोलिना में फॉक्स न्यूज को एक साक्षात्कार में बताया- उन्हें जाने नहीं दिया गया। उन्हें संयुक्त राष्ट्र में राजदूत बनाया जा रहा है, जिसे निश्चित तौर पर सीनेट ने कंफर्म किया है। मुझे लगता है कि आप एक अच्छा तर्क दे सकते हैं कि यह एक प्रमोशन है।

उन्होंने आगे कहा, मीडिया इसे बर्खास्तगी के रूप में दिखाना चाहता है। डोनाल्ड ट्रंप ने बहुत से लोगों को निकाल दिया है। लेकिन वह उन्हें बाद में सीनेट द्वारा कंफर्म की गई नियुक्तियां नहीं देते हैं। उन्हें लगता है कि माइक वाल्ट्ज उस भूमिका में प्रशासन (सबसे महत्वपूर्ण रूप से अमेरिकी लोगों) की बेहतर सेवा कर सकते हैं। वेंस ने कहा कि रक्षा सचिव पीट हेगसेथ की नौकरी सुरक्षित है, जब उनसे पूछा गया कि क्या राष्ट्रपति के वरिष्ठ अधिकारियों के पद पर और बदलाव होने वाले हैं, और विशेष रूप से क्या हेगसेथ की नौकरी सुरक्षित है। उन्होंने कहा, हमें पीट पर पूरा भरोसा है। और इस बात पर जोर देने पर कि क्या यह कदम ट्रंप प्रशासन के शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ सिग्नल चैट में वाल्ट्ज की कार्रवाइयों का प्रत्यक्ष परिणाम था, वेंस ने कहा, नहीं, ऐसा नहीं है। उन्होंने स्थिति को मोटे तौर पर इस प्रकार वर्णित किया कि वाल्ट्ज राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में जाना एक तरह से हमारी प्रशासनिक शुरुआत थी, उन लोगों को निकाल दिया गया जो निष्ठाहीन थे, और वास्तव में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को क्रियाशील बनाने के लिए सही लोगों का समूह लाए।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति बोले- हमारे यहां का इस्लाम तो ऐसा नहीं सिखाता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। यही नहीं उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया में जिस इस्लाम का पालन किया जाता है, वह ऐसे आतंकवादी हमलों की शिक्षा नहीं देता। उन्होंने कहा कि हम इस आतंकी हमले से निपटने में भारत के साथ हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी तरह के आतंकवाद से कोई नतीजा नहीं निकल सकता है। इसलिए हथियार छोड़कर ही बात करनी चाहिए। इंडोनेशिया के टॉप लीडर ने अपने देश में तैनात भारतीय राजदूत संदीप चक्रवर्ती से यह बात कही। राष्ट्रपति ने पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा करने के लिए ही मीटिंग बुलाई थी।

इंडोनेशिया से आई यह टिप्पणी अहम है, जहां दुनिया के सबसे ज्यादा मुसलमान रहते हैं। इंडोनेशिया के लोग अब भी अपनी संस्कृति को भारत से जोड़ते हैं। चक्रवर्ती ने बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने उन्हें बुलाकर बात की और पहलगाम आतंकी हमले को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने मृतकों के परिजनों से अपनी संवेदना व्यक्त की है और भारत के साथ इस वक्त में खड़े रहने का संकल्प जाहिर किया। बता दें कि इस्लामिक सहयोग संगठन ने तनाव के बीच पाकिस्तान का समर्थन किया है। ऐसे में इंडोनेशिया की प्रतिक्रिया अहम मानी जा रही है।

जम्मू-कश्मीर के मशहूर पर्यटन स्थल पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। इस हमले में आतंकियों ने पर्यटकों का धर्म पूछकर उन्हें गोलियों से भून डाला था। इस हमले में 26 लोग मारे गए हैं और उसके बाद से ही तनाव है। भारत ने पाकिस्तान के कई राजनयिकों को बाहर कर दिया है।

कश्मीर छोड़ो, अब तो तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा; पाक सांसद ने लगाई आर्मी की क्लास

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान के प्रमुख धार्मिक नेता व सांसद मौलाना फजलुर रहमान ने भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर पाकिस्तानी सेना और सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कश्मीर मुद्दे पर ध्यान देने से पहले पाकिस्तान को अफगानिस्तान के मसले को सुलझाने की जरूरत है। मौलाना ने यह भी दावा किया कि अफगानिस्तान हमेशा से भारत का समर्थक रहा है और अब तो तालिबान भी भारत के पक्ष में खड़ा है। मौलाना फजलुर जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई-एफ) के प्रमुख हैं, जो पाकिस्तान में एक इस्लामी कट्टरपंथी राजनीतिक दल है।

राजधानी इस्लामाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए मौलाना फजलुर रहमान ने कहा, पाकिस्तान की सेना और सरकार की सोच से कोई फायदा नहीं हो रहा। कश्मीर के मुद्दे को बार-बार उठाने से पहले हमें अफगानिस्तान के हालात पर ध्यान देना होगा। अफगानिस्तान ने हमेशा भारत का साथ दिया है, और अब तो तालिबान भी भारत के साथ है। ऐसे में सेना की पुरानी नीतियां हमें और मुश्किल में डाल रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान को अपनी विदेश नीति और क्षेत्रीय रणनीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, क्योंकि मौजूदा दृष्टिकोण से न तो कश्मीर मुद्दे का हल निकल रहा है और न ही क्षेत्र में शांति स्थापित हो रही है।

मौलाना फजलुर रहमान ने पाकिस्तानी सेना की रणनीति को नाकाम करार देते हुए कहा कि सेना की एकतरफा सोच ने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद भी भारत ने वहां अपनी कूटनीतिक स्थिति मजबूत की है, जबकि पाकिस्तान के प्रभाव में कमी आई है।

इस्लामाबाद में आयोजित फिलिस्तीन के साथ एकजुटता और शहीद मौलाना हमीदुल हक की सेवाएं सम्मेलन को संबोधित करते हुए फजलुर रहमान ने कहा, जाहिर शाह से लेकर अशरफ गनी तक अफगानिस्तान में भारत समर्थक सरकारें रही हैं। वहां एक इस्लामिक अमीरात सरकार है जिसे हम कूटनीतिक सफलता के साथ पाकिस्तान समर्थक बनाने में सफल हो सकते थे,

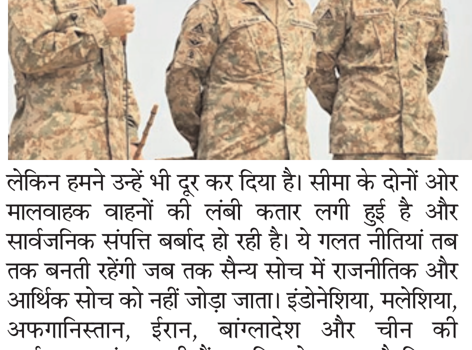

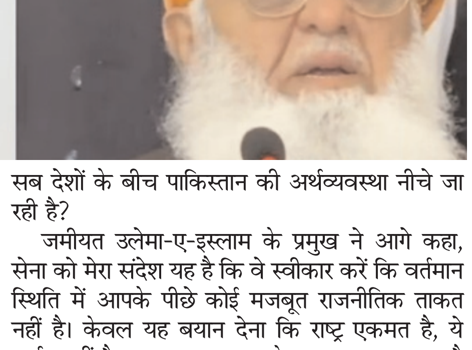

लेकिन हमने उन्हें भी दूर कर दिया है। सीमा के दोनों ओर मालवाहक वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है और सार्वजनिक संपत्ति बर्बाद हो रही है। ये गलत नीतियां तब तक बनती रहेंगी जब तक सैन्य सोच में राजनीतिक और आर्थिक सोच को नहीं जोड़ा जाता। इंडोनेशिया, मलेशिया, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश और चीन की अर्थव्यवस्थाएं बढ़ रही हैं। आखिर ऐसा क्या है कि इन सब देशों के बीच पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था नीचे जा रही है?

जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के प्रमुख ने आगे कहा, सेना को मेरा संदेश यह है कि वे स्वीकार करें कि वर्तमान स्थिति में आपके पीछे कोई मजबूत राजनीतिक ताकत नहीं है। केवल यह बयान देना कि राष्ट्र एकमत है, ये पर्याप्त नहीं है। आज जब भारत के साथ यह मुद्दा उठा है तो पूरा देश एकमत है। हर लड़ाकू तैयार है, लेकिन अगर हम इसका विश्लेषण करें तो पाएंगे कि जब भारत की बात आती है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में है, जबकि अगर अफगानिस्तान के साथ कोई मुद्दा है तो राष्ट्र एक ही स्थिति में नहीं होगा। क्योंकि दोनों की जमीनी स्थिति अलग-अलग है, इसलिए हम मीडिया पर हो रहे दुष्प्रचार से खुश नहीं होंगे। हमारी सोच और दृष्टिकोण आपसे बेहतर है। इसलिए आपको अपनी राजनीति, अपने लोगों, अपनी अर्थव्यवस्था और संसाधनों के साथ स्पष्ट रुख के साथ बैठना होगा। मौलाना का यह बयान कि तालिबान भी भारत का समर्थन कर रहा है काफी चर्चा में है। इसकी कई वजहे हैं। भारत ने अफगानिस्तान में मानवीय सहायता, बुनियादी ढांचे के विकास और कूटनीतिक संबंधों के जरिए अपनी स्थिति मजबूत की है। तालिबान के साथ भारत के सीमित लेकिन रणनीतिक संपर्क भी इस धारणा को बल दे रहे हैं। अफगानिस्तान से अमेरिकी (नाटो) फौज की वापसी के बाद भी भारत ने तालिबान के साथ संपर्क बनाए रखा ताकि वहां की आवाम को मानवीय सहायता जारी रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129